भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 4 सितंबर 2026 | 19 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 130, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

दिल्ली जल बोर्ड टेंडर मामले में सत्येंद्र जैन को जमानत

एजेंसी, नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत मिल गई है। उन्हें दिल्ली जल बोर्ड के कथित भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली की अदालत ने सत्येंद्र जैन को दो लाख रुपए के निजी मुचलके और दो जमानतदार पेश करने का निर्देश दिए हैं। सत्येंद्र जैन को एंटी-करप्शन ब्रांच ने पिछले महीने (18 अगस्त) को गिरफ्तार किया था, अब अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है।

बाइक टैक्सी को मंजूरी दें सभी राज्य : गडकरी

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है। गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके। गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी। इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है।

नेपाल से 55 किमी दूर तिब्बत में आया 5 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल सीमा से करीब 55 किलोमीटर दूर तिब्बत में वीरवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से करीब 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप जमीन की सतह से काफी कम गहराई पर आया। ऐसे भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि इनकी भूकंपीय ऊर्जा सतह तक जल्दी पहुंचती है व रास्ते में कम कमजोर होती है। हालांकि, फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है। यह भूकंप ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को तिब्बत और नेपाल में आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई थी। इस आपदा में अब तक कुल 1273 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें नेपाल में 1252 और तिब्बत में 21 लोगों की जान गई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- बार काउंसिल को लॉ छात्रों पर कार्रवाई का अधिकार नहीं

कहा- लॉ स्टूडेंट्स के आचरण पर विश्वविद्यालय ही कर सकता है कार्रवाई

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के पास लॉ स्टूडेंट्स के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि छात्रों के आचरण पर कार्रवाई करने का अधिकार उनके यूनिवर्सिटी या संबंधित शैक्षणिक संस्थान के पास है।

कोर्ट ने यह फैसला हैदराबाद की नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के छात्रों से जुड़े विवाद में दिया। छात्रों ने दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत को मुख्यातिथि बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद बीसीआई ने छात्रों का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने और मामले की जांच कराने के निर्देश दिए थे। यह

◆बीसीआई लॉ छात्रों का एनरोलमेंट नहीं रोक सकता

विवाद 14 अगस्त को उस समय शुरू हुआ था, जब बीसीआई ने राज्य बार परिषदों को निर्देश दिया था कि अगले आदेश तक नालसार के 2026 बैच के स्नातकों का अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण न किया जाए। यह कार्रवाई न्यायाधीश सूर्यकांत के विश्वविद्यालय के प्रस्तावित दौरे के खिलाफ चलाए गए अभियान से जुड़े आरोपों के बाद की गई थी।

बीसीआई के आदेश को बताया गैरकानूनी

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि अधिवक्ता अधिनियम, 1961 बीसीआई या स्टेट बार काउंसिल को लॉ स्टूडेंट्स पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का कोई स्पष्ट या निहित अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा की ओर से 13 अगस्त को जारी आदेश को गैरकानूनी बताया। इस मामले में नालसार के दो पूर्व छात्रों मिहिरा सूद और अभिषेक तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि बीसीआई को छात्रों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है।

टोल प्लाजा पर कैमरे लगाएं : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। हाईवे पर अतिक्रमण और सड़क किनारे खड़े वाहनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से सवाल किया है। कोर्ट ने पूछा कि टोल प्लाजा पर कैमरे लगाकर हाईवे की निगरानी क्यों नहीं की जा सकती और इसके लिए अलग मॉनीटरिंग रूम क्यों नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि हाईवे पर अतिक्रमण और सड़क किनारे गलत तरीके से खड़े वाहन बड़ी समस्या हैं। मामले की अगली सुनवाई 6 अक्तूबर को होगी। एनएचएआई ने कोर्ट को बताया कि बिना अनुमति हाईवे पर पार्किंग रोकने के लिए नियमित पेट्रोलिंग के निर्देश दिए गए हैं। राजस्थान के फलोदी में हुए एक हादसे के मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह सवाल उठाया। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हुई थी। बेंच ने एनएचएआई से कहा, 'आप कैमरों से निगरानी की व्यवस्था के बारे में क्यों नहीं सोच सकते? सभी टोल प्लाजा पर निगरानी करने के लिए अलग से व्यवस्था बनाई जा सकती है।'

रक्षा क्षेत्र में सहयोग के साथ भारत-बेल्जियम 5 साल में करेंगे व्यापार दोगुना

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत और बेल्जियम ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने पर सहमति जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के बीच वीरवार को हुई वार्ता में रक्षा, निवेश, ऊर्जा, शिक्षा, व्यापार और सुरक्षा सहित 10 प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

रक्षा सहयोग को वार्ता में विशेष महत्व मिला। दोनों देशों ने अत्याधुनिक रक्षा तकनीक और विशेषज्ञता हासिल करने, भारत में रक्षा उत्पादन, तकनीकी विकास, सह-निर्माण तथा रक्षा नवाचार में निवेश को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया। निवेश को गति देने के लिए विशेष तंत्र बनाने पर भी सहमति बनी। दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, महत्वपूर्ण खनिज, टिकाऊ उद्योग और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का स्वागत किया। साथ ही भारतीय और बेल्जियम के कारोबारियों के लिए नए अवसर तलाशने के लिए बिजनेस फोरम को संस्थागत रूप देने पर सहमति बनी।

◆पीएम मोदी और बार्ट डी वेवर की वार्ता में 10 प्रमुख मुद्दों पर बनी सहमति

छात्रों, पेशेवरों, पर्यटकों और कारोबारियों की आवाजाही आसान बनाने के लिए काउंसलर डायलॉग स्थापित किया जाएगा। नवीकरणीय ऊर्जा तथा संगठित अपराध और साइबर अपराध से निपटने में भी सहयोग बढ़ाया जाएगा। बेल्जियम ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री डी वेवर ने सीमा-पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता जताई और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की।

'पत्नी का हर जगह पति के साथ जाना जरूरी नहीं' : मद्रास हाईकोर्ट

एजेंसी, चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने वीरवार को कहा कि पत्नी से पति के पीछे वोडाफोन के एड वाले पग डॉग की तरह चलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि नौकरी या दूसरी वजहों से पति जहां जाए, पत्नी का हर बार उसके साथ जाना जरूरी नहीं है। यह मामला उस कपल से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से अलग रह रहा था। दोनों की शादी 34 साल पहले, सितंबर 1992 में हुई थी। कपल के चार बच्चे भी हैं। अभी पति की उम्र 67 साल है। हाईकोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी के बीच काफी कड़वाहट है और दोबारा साथ आने की कोई संभावना नहीं बची है। इसके बाद फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए तलाक मंजूर कर लिया। हालांकि, कोर्ट ने पति को पत्नी को 7 लाख गुजारा भत्ता देने का भी आदेश दिया। पति ने अपनी तलाक याचिका में बताया था कि वह नौकरी के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा से मुंबई चला गया था, लेकिन पत्नी उसके साथ नहीं गई।

बाढ़ पीड़ितों को सीएम योगी ने बांटी राहत सामग्री, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

एजेंसी, फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीरवार को हवाई सर्वे कर फर्रुखाबाद जिले की तीनों तहसीलों में बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहे लोगों की सुध ली।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को पट्टे पर उपलब्ध कराई गई जमीन के कागज लाभार्थियों को सौंपे और 995 पीड़ितों को राहत सामग्री प्रदान करते हुए जनता को भरोसा दिया कि वह उनके साथ हैं। हर स्थिति में उनके साथ रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फर्रुखाबाद जिले में आई गंगा नदी में बाढ़ से अमृतपुर, सदर और कायमगंज तहसील के प्रभावित तकरीबन डेढ़ सौ गांव का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन में बनाए गए बाढ़ सहायता केंद्र में मौजूद हजारों लोगों को संबोधित किया। अपने

◆कहा- आपदा की घड़ी में जनता के साथ खड़ी है डबल इंजन सरकार

भाषण की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा नीम करोली को प्रणाम करते हुए की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आपदा की घड़ी में वह जनता के साथ है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर हालत में जनता का सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि फर्रुखाबाद जिले में गंगा नदी में हर वर्ष बाढ़ आ जाती है।

बेटी के बयान के बाद तेलंगाना मंत्री बर्खास्त

एजेंसी, हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटाने का फैसला किया है। यह फैसला उनकी बेटी के मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर बढ़े विवाद के बीच लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरेखा की बेटी सुष्मिता पटेल ने सीएम समेत कई कांग्रेसी नेताओं पर 200 करोड़ की जमीन उगाही का आरोप लगाया था। आधिकारिक बयान के मुताबिक, सुरेखा को हटाने की सिफारिश वीरवार को ही तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को भेज दी गई है। उनके पास वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती विभाग थे। सुरेखा का कहना था कि उनकी बेटी ने जो बयान दिए हैं, उनके लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

सीएम ने 101 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र, 34 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

पारदर्शी भर्ती व्यवस्था से युवाओं को मिल रहे रोजगार : धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में पशुपालन, गन्ना विकास व चीनी उद्योग विभाग में चयनित 101 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इसमें 88 पशुधन प्रसार अधिकारी व 13 गन्ना पर्यवेक्षक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री

धामी ने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना युवाओं के परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। आज से वे उत्तराखंड सरकार का अभिन्न हिस्सा बनने के साथ ही जनसेवा की महत्वपूर्ण यात्रा प्रारंभ कर रहे हैं। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों से अपने ज्ञान, ऊर्जा और नए विचारों के माध्यम से शासकीय कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अपनी कार्यशैली से उदाहरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा की। धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और युवाओं के हितों की रक्षा के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। आज सरकारी नौकरियां सिफारिश या पहचान से नहीं, बल्कि युवाओं की मेहनत और प्रतिभा के आधार पर मिल रही हैं। पिछले पांच वर्षों में 34 हजार से अधिक युवा सरकारी नौकरी पाने में सफल रहे हैं। यह पारदर्शी भर्ती व्यवस्था और युवाओं को उनकी प्रतिभा के आधार पर अवसर प्रदान करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने सहकार सदन के नवीनीकरण कार्य का किया शिलान्यास

2.85 करोड़ से होगा सहकार सदन का कायाकल्प

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वीरवार को मालरोड शिमला स्थित 'सहकार सदन' के नवीनीकरण कार्य का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। इस नवीनीकरण कार्य पर 2.85 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत इमारत की हर मंजिल को विशेष रूप से व्यवस्थित किया जाएगा। इस नवीनीकरण से पुराने भवन को एक नया आयाम मिलेगा। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सहकार भवन के नवीनीकरण कार्य को 15 जून, 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस बहुमंजिला इमारत का कायाकल्प कर इसे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश राज्य

सहकारी बैंक प्रदेश का अग्रणी सहकारी बैंक है, यह प्रदेशभर में आधुनिक और भरोसेमंद बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बैंक की पुरानी शाखाओं और इमारतों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। परियोजना के तहत मेजनाइन फ्लोर पर आधुनिक वर्कस्टेशन और केबिन पार्टीशन तैयार किए जाएंगे और ग्राउंड फ्लोर पर नया रिसेप्शन वर्कस्टेशन और एडवांस स्क्रीनिंग एरिया बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त बेसमेंट-1 में कॉन्फ्रेंस हॉल व वर्कस्टेशन, बेसमेंट-2 में बच्चों के लिए समर्पित क्रैच क्षेत्र, बेसमेंट-3 में आधुनिक आधारभूत सुविधाएं और एक व्यवस्थित स्टोरेज एलिवेशन का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी, विधायक संजय अवस्थी एवं राम कुमार, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष देविंद्र श्याम, हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा, बैंक के निदेशक संजय शर्मा, हरी कृष्ण हिमराल, प्रबंध निदेशक विनय सिंह तथा महाप्रबंधक जीत राम भारद्वाज उपस्थित थे।

सीएम रेखा ने तेहखंड एटीएस का किया उद्घाटन, 50 ईवी बसों व दिल्ली-रेवाड़ी ई-बस सेवा को दिखाई झंडी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वीरवार को तेहखंड ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) का उद्घाटन किया। इसके साथ-साथ 50 नई इलेक्ट्रिक बसें, दिल्ली-रेवाड़ी अंतरराज्यीय ई-बस सेवा और हसनपुर और गाजीपुर डिपो में दो नए सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन दिल्लीवासियों को समर्पित किए।

मुख्यमंत्री ने इस एटीएस का नवंबर में ही शिलान्यास किया गया था, आज उसका उद्घाटन किया। उन्होंने कुछ ही महीनों में इस महत्वपूर्ण परियोजना को पूरा करने के लिए परिवहन विभाग की पूरी टीम और इससे जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साधुवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को सहज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना ही हमारा संकल्प है। इस अवसर पर भारतीय

◆कहा- सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और सुरक्षित बनाना सरकार का संकल्प

जनता पार्टी के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह उपस्थित रहे। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बताया कि आज मुख्यमंत्री ने तेहखंड डिपो में ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन, 50 नई इलेक्ट्रिक बसों, दो पब्लिक (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों (हसनपुर एवं गाजीपुर डिपो) तथा दिल्ली-रेवाड़ी अंतरराज्यीय बस सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन नई सुविधाओं से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक आधुनिक, सुरक्षित, सुगम एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से प्रदूषण में कमी के साथ-साथ दिल्लीवासियों को बेहतर और स्वच्छ परिवहन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि एटीएस के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 72,000 वाहनों की फिटनेस जांच की जाएगी। इससे फिटनेस जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और तकनीकी सटीकता को बढ़ावा मिलेगा तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकेगा।

टीएमसी बागी 22 सितंबर तक अयोग्यता पर देंगे जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने वीरवार को टीएमसी के बागी सांसदों को अयोग्यता घोषित करने के मामले में नोटिस जारी किया है।

उन्होंने कहा है कि वे 22 सितंबर तक इस बारे में जवाब दाखिल करें। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने 18 जून को स्पीकर ओम बिरला से इन बागी सांसदों के खिलाफ संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्य करार देने की मांग थी। दरअसल, 14 जून को 20 टीएमसी सांसदों ने खुद को पार्टी से अलग कर लिया था। बाद में नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए। इसके बाद इन्होंने एनडीए को समर्थन का ऐलान किया था। इससे पहले टीएमसी संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से वीरवार को मुलाकात की थी।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी पर दीं हार्दिक शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता और मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पूरे देश में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जन्माष्टमी का पावन पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और खुशियां लेकर आएगा।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। प्रत्येक व्यक्ति को उनके आदर्शों और संदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने मानवता को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने तथा लोककल्याण के प्रति समर्पित रहने का मार्ग दिखाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवद्गीता में दिए गए भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश वर्तमान समय में और भी अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने लोगों से श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाकर समाज में प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि जन्माष्टमी का यह पावन पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएगा।

हिमाचल के परिवहन मुद्दों पर गडकरी से मिले अग्निहोत्री, उठाईं प्रमुख मांगें

पर्यटक वाहनों की आयु सीमा बढ़ाने सहित कई मांगों पर गडकरी ने दिया आश्वासन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट कर हिमाचल प्रदेश से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण परिवहन मुद्दों को उठाया। बैठक में प्रदेश के परिवहन संचालकों, टैक्सी ऑपरेटरों और पर्यटन क्षेत्र से संबंधित मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। कई मुद्दों पर केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

उप-मुख्यमंत्री ने कॉन्ट्रैक्ट कैरिज वाहन संचालकों की लंबे समय से चली आ रही मांग केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने पर्यटक वाहनों के लिए निर्धारित अधिकतम अनुमत आयु सीमा को 12 वर्ष से बढ़ाकर 15 वर्ष करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पर्यटक परमिट योजना के तहत आने वाले वाहनों की आयु सीमा पहले ही बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में सड़क सुरक्षा मानकों से समझौता किए बिना कॉन्ट्रैक्ट कैरिज वाहनों को भी समान राहत मिलनी चाहिए।

बैठक में राज्य के टैक्सी संचालकों और पर्यटन क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हुई। पर्यटक परमिट के तहत हिमाचल प्रदेश में संचालित टैक्सियों की वैधता अवधि 12 वर्ष से बढ़ाकर 15 वर्ष करने का निर्णय लिया गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस संबंध में आवश्यक अधिसूचना जारी करने के निर्देश दिए। इससे टैक्सी संचालकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

मुकेश अग्निहोत्री ने पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्रों की कमी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में केवल दो स्वचालित परीक्षण केंद्र कार्यरत हैं। पर्याप्त बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं होने के कारण परिवहन संचालकों को वाहनों की फिटनेस जांच में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि जब तक पर्याप्त स्वचालित परीक्षण केंद्र स्थापित नहीं हो जाते, तब तक मैनुअल फिटनेस जांच व्यवस्था को समानांतर रूप से जारी रखने की अनुमति दी जाए।

केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रदेश में निर्माणाधीन स्वचालित परीक्षण केंद्रों की स्थिति और उनसे संबंधित पूरा विवरण उपलब्ध करवाने को कहा। उप-मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार की ओर से यह जानकारी तत्काल भेजी जाएगी।

बैठक में कीरतपुर-बिलासपुर-मंडी मार्ग पर गति सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। इस मार्ग पर गति सीमा 60 किलोमीटर प्रति घंटा से बढ़ाकर 80 किलोमीटर प्रति घंटा करने का निर्णय लिया गया। इससे इस मार्ग पर आवागमन करने वाले वाहन चालकों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

ब्लू बेल्स पब्लिक स्कूल, शोघी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

भारतेन्दु संवाददाता, शोघी। ब्लू बेल्स पब्लिक स्कूल, शोघी में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। विद्यालय परिसर में जन्माष्टमी को लेकर बच्चों और शिक्षकों में खास उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण के मनमोहक वेश में सजकर पहुंचे। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं से जुड़े प्रसंगों को भी प्रस्तुत किया। इसके साथ ही छात्रों ने कृष्ण भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में भक्ति और उत्साह का रंग भर दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती किरण शर्मा ने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सत्य, प्रेम, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं।

प्रधानाचार्या ने कहा कि भारतीय त्योहार हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों को अपनी संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों की जानकारी मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से श्रीकृष्ण के बताए आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

सदन में जाते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर व अन्य विधायक दल ।

ड्राइवर और सेल्समैन पदों के लिए 7 सितंबर को होंगे साक्षात्कार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला रोजगार कार्यालय शिमला की ओर से युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 7 सितंबर 2026 को कैंपस साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। यह साक्षात्कार सर्वो एसआरएस इंटरप्राइजेज, बियोलिया पंथाघाटी, शिमला में दोपहर दो बजे होगा। जिला रोजगार अधिकारी प्रवीन नगराईक ने बताया कि साक्षात्कार के माध्यम से ड्राइवर का एक और सेल्समैन के तीन नियमित पद भरे जाएंगे। ड्राइवर पद के लिए दसवीं पास, वैध वाहन चालक लाइसेंस और अनुभव आवश्यक है। आयु सीमा 18 से 40 वर्ष तथा वेतन 15 हजार रुपये प्रतिमाह होगा।

चायल-कोटी महाविद्यालय में शिवालिक घाटी विरासत कार्यक्रम का आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजकीय महाविद्यालय चायल-कोटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2 और 3 सितंबर को दो दिवसीय शिवालिक घाटी विरासत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजकीय उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र महाविद्यालय संजौली के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. सी.बी. मेहता विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए स्पॉट पेंटिंग, पोस्टर निर्माण, रील निर्माण, भाषण, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पारंपरिक वेशभूषा और स्थानीय खाद्य व्यंजनों की प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

स्पॉट पेंटिंग में आंचल ने प्रथम और बंदना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर निर्माण में स्मृति प्रथम, सीता द्वितीय और अंशिता तृतीय रहीं। रील निर्माण में वैभव ने पहला, महक व आंचल शांडिल ने दूसरा तथा अदिति व भावना ने तीसरा स्थान हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता में नीतिका प्रथम और चाहत द्वितीय रहीं। प्रश्नोत्तरी में वैभव, आयूष और पीयूष की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विशिष्ट वक्ता डॉ. सी.बी. मेहता ने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के तहत कौशल विकास और सॉफ्ट स्किल्स के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमता के बढ़ते दौर में विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने स्वयं, स्वयं प्रभा और ऑनलाइन मुक्त पाठ्यक्रमों जैसे माध्यमों के बारे में भी जानकारी साझा की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीपशिखा भारद्वाज ने डॉ. मेहता का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की सराहना की। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. राजेश चौहान ने मुख्य वक्ता, प्राचार्य, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा निखारने और स्थानीय संस्कृति एवं परंपराओं को समझने का अवसर मिला। महाविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, कौशल और सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

शिमला में पहाड़ कटिंग पर हाई कोर्ट सख्त पेड़ों की सुरक्षा को लेकर जांच के आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला के टॉलैंड क्षेत्र में नगर निगम की ओर से की जा रही वर्टिकल हिल कटिंग को लेकर हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार, नगर निगम शिमला समेत संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही विवादित स्थल का तत्काल निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं।

यह आदेश मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायाधीश चिराग भानु सिंह की खंडपीठ ने उमा महाजन की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ता ने टॉलैंड क्षेत्र की पुरानी और वर्तमान तस्वीरें अदालत के समक्ष पेश कर वर्टिकल हिल कटिंग से होने वाले नुकसान की आशंका जताई। याचिका में कहा गया कि पहाड़ी को खड़ी काटने से ऊपरी हिस्से में मौजूद पेड़ों के गिरने और नष्ट होने का खतरा बढ़ गया है। आरोप लगाया गया कि क्षेत्र से हरे देवदार के पेड़ों को भी उचित अनुमति के बिना हटाया गया है। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है।

सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया गया कि सड़क के एक तीखे मोड़ के पास एक भवन का निर्माण किया जा रहा है, जिसे सामुदायिक केंद्र बताया जा रहा है। निर्माण कार्य के कारण वहां मौजूद प्राकृतिक नाले के अवरुद्ध होने का खतरा है। इसके अलावा निर्माण से निकलने वाले मलबे को निर्धारित डंपिंग स्थल पर ले जाने के बजाय कनलोग क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध रूप से डाला जा रहा है।

हाई कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को स्थल का निरीक्षण कर यह पता लगाने को कहा है कि नगर निगम की ओर से की जा रही कटिंग से कितने पेड़ प्रभावित हुए हैं और कितने पेड़ों पर खतरा मंडरा रहा है। साथ ही यह भी जांच करने के निर्देश दिए गए हैं कि विवादित जमीन वन भूमि के अंतर्गत आती है या नहीं।

अर्की में अंडर-14 खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार शुभारंभ

25 स्कूलों के 229 खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो-खो, वालीबाल और बैडमिंटन में दिखाया दम

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की के डुमैहर में वीरवार से अंडर-14 स्कूली छात्र वर्ग की तीन दिवसीय खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में 25 विद्यालयों के कुल 229 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी, खो-खो, वालीबाल और बैडमिंटन के मुकाबले करवाए जाएंगे। विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

भीम सिंह ठाकुर रहे मुख्यातिथि : प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर नया सवेरा जन कल्याण समिति अर्की के अध्यक्ष भीम सिंह ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। आयोजक समिति की ओर से उनका शॉल, टोपी और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया।

खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास : मुख्यातिथि भीम सिंह ठाकुर ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेलों का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। खेलों के माध्यम से बच्चों का शारीरिक विकास होने के साथ-साथ उनका मानसिक विकास भी होता है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों को अनुशासन, सहयोग और निरंतर मेहनत करने की सीख देते हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से निकलकर अनेक खिलाड़ी आज प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसके पीछे उनकी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आयोजक समिति को अपनी ओर से 7100 रुपये देने की घोषणा भी की।

खो-खो में रोमांचक मुकाबले : प्रतियोगिता के दौरान खो-खो के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहला मुकाबला बथालंग और हिमाचल एकेडमिक स्कूल बाहवां के बीच हुआ, जिसमें बथालंग की टीम विजयी रही। दूसरे मुकाबले में डुमैहर ने बखालग को हराया। तीसरे मैच में भूमती ने बथालंग को शिकस्त दी, जबकि चौथे मुकाबले में डुमैहर ने गुरुकुल इंटरनेशनल कुनिहार को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

कबड्डी में टीमों ने दिखाया दमखम : कबड्डी प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में चंडी अर्की ने हिमाचल एकेडमिक स्कूल बाहवां को हराया। दूसरे मैच में एसवीएन कुनिहार ने बथालंग की टीम को पराजित कर अगले दौर में जगह बनाई।

वालीबाल में भी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन : वालीबाल के मुकाबलों में चंडी अर्की ने एसवीएम कुनिहार को हराया। वहीं मांगू ने कश्लोग और शहरोल ने सानन की टीम को पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने जन्माष्टमी पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने प्रदेश और देशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी देश और प्रदेशवासियों के लिए आस्था, भक्ति तथा आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा महापर्व है। इसे लोग पूरे हर्षोल्लास, श्रद्धा और धार्मिक भावना के साथ मनाते हैं।

पठानियां ने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में देशभर में श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन मानवता को सत्य, धर्म, कर्तव्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति, भक्ति, एकता और आध्यात्मिक ज्ञान का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इस अवसर पर मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की आराधना कर परिवार और समाज की सुख-शांति की कामना करते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे भगवान श्रीकृष्ण द्वारा स्थापित आदर्शों और उत्कृष्ट परंपराओं को अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के संदेश आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। पठानियां ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सभी के सुखद, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना की।

91 प्रतिशत उत्पादकता के साथ सम्पन्न हुआ मानसून सत्र

सत्र में 786 प्रश्नों पर हुई चर्चा, सात विधेयक हुए पारित, 10 बैठकों में 45 घंटे चली कार्यवाही

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा कि चौदहवीं विधानसभा का 12वां सत्र अपेक्षा के अनुरूप सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मानसून सत्र 21 अगस्त से 3 सितंबर 2026 तक चला। इस दौरान कुल 10 बैठकें हुईं और सदन की कार्यवाही करीब 45 घंटे 30 मिनट चली। सत्र की उत्पादकता 91 प्रतिशत रही।

786 प्रश्नों के सरकार ने दिए उत्तर : पठानियां ने बताया कि सत्र के दौरान सदस्यों की ओर से पूछे गए 786 प्रश्नों की सूचनाओं पर सरकार ने उत्तर उपलब्ध करवाए। इनमें 514 तारांकित और 272 अतारांकित प्रश्न शामिल रहे। इसके अलावा नियम 62 के तहत 14, नियम 101 के तहत पांच और नियम 130 के तहत दो विषयों पर चर्चा हुई।

शून्यकाल में 34 विषय सदन में उठे : विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि नियम 324 के तहत 11 विषयों पर चर्चा की गई। सदस्यों ने विभिन्न जनहित के मुद्दों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। शून्यकाल के दौरान 34 विषय सदन में उठाए गए। 27 अगस्त को गैर सरकारी सदस्य कार्य दिवस निर्धारित किया गया था।

सात सरकारी विधेयक पारित : सत्र के दौरान सात सरकारी विधेयक सदन में प्रस्तुत किए गए और चर्चा के बाद पारित किए गए। इसके अलावा विधानसभा की विभिन्न समितियों के 44 प्रतिवेदन भी सदन में प्रस्तुत किए गए।

पक्ष-विपक्ष के सहयोग के लिए जताया आभार

पठानियां ने विधानसभा के सुचारू संचालन में सहयोग के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। उन्होंने सदन के नेता ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान और सभापति तालिका के सभी सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

अधिकारियों और मीडिया को भी धन्यवाद : उन्होंने विधानसभा सचिव, जिला प्रशासन, राज्य सरकार तथा विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी ने दिन-रात मेहनत कर सत्र से जुड़े कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया। पठानियां ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने विधानसभा की कार्यवाही को प्रदेश की जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संवाद छात्रों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, कानून निर्माण और संसदीय कार्यप्रणाली की ली जानकारी

दस दिवसीय सत्र में 1908 विद्यार्थियों ने देखी विधानसभा कार्यवाही

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के दस दिवसीय सत्र के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 1908 छात्र-छात्राओं ने सदन की कार्यवाही देखी। इसी क्रम में भारतीय विधि संस्थान हरिदेवी, घणाहट्टी, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चौड़ा मैदान, जिला शिमला तथा बहारा विश्वविद्यालय वाकनाघाट, जिला सोलन के विद्यार्थियों ने विधानसभा सचिवालय पहुंचकर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से मुलाकात की और सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान विद्यार्थियों ने संसदीय प्रणाली, विधानसभा की कार्यवाही, पीठासीन अधिकारी की भूमिका और सत्र संचालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे। पठानियां ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देते हुए उन्हें विधानसभा की कार्यप्रणाली और संसदीय व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सदन में होने वाली कार्यवाही के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया।

विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत जनता अपने मत के माध्यम से विधायकों का चुनाव करती है। देश और प्रदेश की शासन व्यवस्था संविधान एवं निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित होती है। उन्होंने कहा कि कानून बनाने का अधिकार संसद और विधानसभाओं को संविधान के माध्यम से प्राप्त है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सरकार का चयन करते हैं।

पठानियां ने भारतीय संविधान के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने विभिन्न देशों के संविधानों का गहन अध्ययन करने के बाद भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि संविधान देश की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्था की आधारशिला है। इसी व्यवस्था के कारण देश में नागरिकों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार प्राप्त है।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा लोकतंत्र के प्रहरी हैं और देश की संसदीय प्रणाली को मजबूत करने की जिम्मेदारी आने वाली पीढ़ी की है। उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माण में अलग-अलग क्षेत्रों में योगदान दे सकते हैं। कोई प्रशासनिक अधिकारी बनकर तो कोई जनप्रतिनिधि के रूप में समाज और देश की सेवा कर सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विद्यार्थी देश और प्रदेश का भविष्य हैं। उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को हमेशा याद रखना चाहिए। लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष के कारण देश को आजादी मिली और नागरिकों को अपनी चुनी हुई सरकार तथा संविधान प्राप्त हुआ।

हिमाचल के 177 स्कूल भवनरहित, अस्थायी परिसरों में पढ़ाई जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में 177 सरकारी स्कूलों के पास अपना भवन नहीं है। इन स्कूलों में पढ़ाई दूसरे सरकारी स्कूलों के भवनों, निजी परिसरों, विश्राम गृहों, सामुदायिक भवनों, महिला मंडलों और पंचायत भवनों में कराई जा रही है। इनमें 12 स्कूलों के भवन आपदा के कारण असुरक्षित घोषित किए गए हैं। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विधानसभा में विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी ।सरकार के अनुसार भवनरहित 177 स्कूलों में से 28 के भवनों का निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं 14 स्कूलों के भवन निर्माण के लिए धनराशि जारी की जा चुकी है। शेष स्कूलों के भवन निर्माण में जमीन उपलब्ध नहीं होने और भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामले लंबित होने के कारण देरी हो रही है ।चंबा जिले के कुनरा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का भवन आपदा के कारण असुरक्षित घोषित होने के बाद स्कूल को लोक निर्माण विभाग के रेस्ट हाउस में स्थानांतरित किया गया है। वर्तमान में चार कमरों में 99 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। नए भवन के लिए जमीन हासिल करने की प्रक्रिया चल रही है।

एसजेवीएन को राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन पर मिला प्रतिष्ठित तृतीय पुरस्कार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। एसजेवीएन को वर्ष 2025-26 के दौरान राजभाषा नीति के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए विद्युत मंत्रालय की ओर से राजभाषा शील्ड तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान नई दिल्ली में विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक के दौरान प्रदान किया गया। केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भूपेंद्र गुप्ता को पुरस्कार प्रदान किया।

कार्यक्रम में विद्युत राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, लोकसभा सांसद सुरेश कुमार कश्यप, विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल सहित मंत्रालय और उसके नियंत्रणाधीन विभिन्न उपक्रमों, संस्थानों तथा निगमों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि एसजेवीएन को यह सम्मान निगम की विभिन्न परियोजनाओं और कार्यालयों में राजभाषा नीति के प्रभावी एवं उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए मिला है। उन्होंने कहा कि निगम में हिंदी के प्रयोग और राजभाषा को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यह पुरस्कार अधिकारियों और कर्मचारियों की राजभाषा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि एसजेवीएन के कार्यालयों और परियोजनाओं में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ कर्मचारियों को भी इसके लिए प्रोत्साहित किया जाता है। राजभाषा में कामकाज को सरल और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

विद्युत मंत्रालय की ओर से स्थापित राजभाषा शील्ड का उद्देश्य मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों, संस्थानों और निगमों द्वारा हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार की दिशा में किए जा रहे बेहतर कार्यों को प्रोत्साहित करना है। पुरस्कार के लिए प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। एसजेवीएन को मिला यह सम्मान निगम के हिंदी कार्यों में निरंतर प्रगति और प्रभावी प्रयासों की पहचान माना जा रहा है।

इसके साथ ही निगम की विभिन्न इकाइयों में राजभाषा संबंधी प्रशिक्षण और जागरूकता गतिविधियों को भी निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से हिंदी में कामकाज को गति मिली है। पुरस्कार से एसजेवीएन के कर्मचारियों का उत्साह बढ़ा है और भविष्य में भी राजभाषा के प्रभावी प्रयोग को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली है।

न्यूज ब्रीफ

छह किलोमीटर कुर्सी पर बैठाकर गर्भवती को पहुंचाया अस्पताल, हेली सेवा भी फेल

गिरीश चंदोला। चमोली के देवाल क्षेत्र के पिनाऊं गांव में सड़क सुविधा नहीं होने का दर्द एक बार फिर सामने आया। प्रसूता खिमली देवी की तबीयत बिगड़ने पर ग्रामीणों को उसे छह किलोमीटर तक कुर्सी और डंडी के सहारे पैदल सड़क तक पहुंचाना पड़ा। महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए हेली सेवा की कोशिश भी की गई, लेकिन खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण हेलीकॉप्टर आधे रास्ते से लौट गया। इसके बाद ग्रामीण देर रात वाहनों से महिला को देवाल अस्पताल ले गए। ग्रामीणों के अनुसार अस्पताल में चिकित्सक उपलब्ध नहीं थे और बाद में एंबुलेंस के लिए भी दो घंटे से अधिक इंतजार करना पड़ा। सुबह करीब चार बजे महिला को बागेश्वर अस्पताल पहुंचाया गया। ग्रामीणों ने गांव तक सड़क और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग उठाई है।

मधुमेह रोगियों में बढ़ रही पीएडी बीमारी: डॉ. प्रशांत शारदा

अनिल थपलियाल। देहरादून के विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत शारदा ने बुजुर्गों और मधुमेह रोगियों में बढ़ रहे परिधीय धमनी रोग को लेकर जागरूक रहने की सलाह दी है। इस बीमारी में पैरों की धमनियां संकरी होने से रक्त प्रवाह कम हो जाता है। चलने पर पिंडली या जांघ में दर्द होना इसका प्रमुख लक्षण है। गंभीर स्थिति में घाव न भरने, गैंग्रीन और अंग खोने का खतरा बढ़ सकता है। धमनी में रक्त का थक्का होने पर यांत्रिक थक्कानिष्कासन तकनीक से उपचार किया जा सकता है। विशेषज्ञ ने नियमित व्यायाम, मधुमेह नियंत्रण, धूम्रपान से दूरी और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी है।

चारधाम में कंटेनर वापसी का आंकड़ा 10.17 लाख पहुंचा

अनिल थपलियाल। चारधाम यात्रा के दौरान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तीर्थयात्रियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। 19 अप्रैल से 26 अगस्त तक बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था के तहत कुल 10 लाख 17 हजार 200 कंटेनर वापस जमा किए गए। इनकी कुल वसूली दर 93.25 प्रतिशत रही। बद्रीनाथ में 3,04,771, केदारनाथ में 2,90,273, गंगोत्री में 2,72,864 और यमुनोत्री में 1,49,292 कंटेनर एकत्र हुए। गंगोत्री में सर्वाधिक 97 प्रतिशत वसूली दर्ज की गई। अधिकारियों के अनुसार तीर्थयात्रियों द्वारा बोतलें और पैकेजिंग कचरा संग्रह केंद्रों पर लौटाने से हिमालयी मार्गों और नदियों को प्रदूषण से बचाने में मदद मिल रही है। पिछले वर्षों की तुलना में क्यूआर आधारित संग्रह में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

उत्तराखंड में ग्लोबल वार्मिंग कंट्रोल ट्रस्ट की नई टीम गठित

अनिल थपलियाल। राष्ट्रीय ग्लोबल वार्मिंग कंट्रोल ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने उत्तराखंड प्रदेश की नई कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। रवि शर्मा, लाल चंद शर्मा और योगेंद्र ठाकुर को संरक्षक बनाया गया है। कल्याण चक्रवर्ती, श्री राम कपूर वर्मा, यशपाल सिंह रावत, जीएस डोगरा और अर्चना शर्मा को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। आशीष गुप्ता को महासचिव नियुक्त किया गया है, जबकि मोनिका डोभाल, योगेश खंडूजा और सुमन रिया नैथानी सहित अन्य सदस्यों को सचिव पद की जिम्मेदारी मिली है। नीलम शर्मा कोषाध्यक्ष और पीडी तेलंग सह-कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। सुदर्शन शर्मा, एनडी बहुगुणा और केवल कपूर को सलाहकार की जिम्मेदारी दी गई है। अनुराधा अग्रवाल समेत अन्य सदस्यों को संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई। हरीश नौडियाल को मीडिया प्रभारी और विक्की खंडूजा को कार्यालय प्रभारी बनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता के लिए सक्रियता से कार्य करने की अपील की।

आईआईटी रुड़की ने रेशम किसानों के लिए बढ़ाया सहयोग

सहसपुर में आदर्श रेशमकीट पालन गृह का हुआ लोकार्पण

अनिल थपलियाल

देहरादून के सहसपुर स्थित केंद्रीय रेशम बोर्ड के क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र में आदर्श एवं वहनीय रेशमकीट पालन गृह का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर तकनीकी संवाद कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य रेशम उत्पादक किसानों को कम लागत में वैज्ञानिक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना और रेशम उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाना रहा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने नवनिर्मित पालन गृह का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

प्रो. पंत ने किसानों और युवाओं को आधुनिक तकनीक के साथ रेशमकीट पालन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण रेशम उत्पादन के लिए शहतूत की अच्छी पत्तियां और रेशमकीटों के लिए अनुकूल तापमान एवं नमी बेहद जरूरी है। वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया गया यह पालन गृह रेशमकीटों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि आईआईटी रुड़की की ओर से अल्मोड़ा के खूंट गांव में करीब एक लाख शहतूत के पौधे लगाए गए हैं, जिससे रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

रेशम निदेशालय उत्तराखंड के निदेशक प्रदीप कुमार ने कहा कि रेशमकीट पालन को किफायती और पर्यावरण अनुकूल बनाना समय की आवश्यकता है। इस मॉडल की मदद से किसान वर्ष में एक से अधिक रेशम फसलें लेने में सक्षम हो सकते हैं। इससे उत्पादन बढ़ने के साथ उनकी आय में भी वृद्धि की संभावना है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय को निरंतर बढ़ाना प्राथमिकता है और बहुफसली रेशमकीट पालन इस दिशा में प्रभावी विकल्प साबित हो सकता है।

कम लागत वाले पालन गृह से बढ़ेगा रेशम उत्पादन

कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की के प्रो. अक्षय द्विवेदी और उनकी तकनीकी टीम सहित केंद्रीय रेशम बोर्ड तथा रेशम निदेशालय के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद मुख्य अतिथि और अधिकारियों ने केंद्र परिसर स्थित सेरी-म्यूजियम का भ्रमण किया और रेशम उत्पादन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया। परिसर में पौधारोपण भी किया गया। यह पहल वैज्ञानिक अनुसंधान को किसानों की व्यावहारिक जरूरतों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। कम लागत वाले पालन गृह के माध्यम से किसानों को रेशमकीटों के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा। इससे उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण कोकून तैयार करने, वर्ष में एक से अधिक फसल लेने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

सैनिक परिवारों के बच्चों की पढ़ाई का आर्थिक बोझ होगा कम

सेना और सीआईएमएस के बीच समझौता, सैन्य परिवारों को शिक्षा लाभ।

अनिल थपलियाल

देहरादून में भारतीय सेना और कंबाइंड पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के बीच शैक्षणिक सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन हुआ है। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों, वीर नारियों, बलिदानी सैनिकों के आश्रितों और उनके बच्चों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। समझौते के तहत वीर नारियों तथा बलिदानी सैनिकों के बच्चों को सौ प्रतिशत ट्यूशन फीस माफी दी जाएगी।

वहीं पात्र सेवारत और सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों के बच्चों एवं आश्रितों को उच्च शिक्षा में चालीस प्रतिशत तक फीस छूट मिलेगी। पात्र अग्निवीरों और उनके आश्रितों को भी निर्धारित प्रावधानों के अनुसार लाभ दिया जाएगा।

संस्थान में चिकित्सा, स्वास्थ्य शिक्षा, नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी, प्रबंधन, कंप्यूटर विज्ञान, होटल प्रबंधन और कानून सहित विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। संस्थान के चेयरमैन ललित मोहन जोशी ने कहा कि सैनिकों के परिवारों की सेवा करना सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। उन्होंने कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी सैन्य परिवार का प्रतिभाशाली विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित न रहे, यही इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है।

मिस उत्तराखंड 2026 में फिटनेस की हुई परख

सितंबर में होगा मिस उत्तराखंड 2026 का ग्रैंड फिनाले

अनिल थपलियाल

मिस उत्तराखंड के सब-कॉन्टेस्ट में प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा।

देहरादून के सिनमिट कम्युनिकेशंस की ओर से आयोजित मिस उत्तराखंड 2026 के तहत गुरुवार को मिस बॉडी ब्यूटीफुल और मिस ऑसम लेग्स सब-कॉन्टेस्ट आयोजित किए गए। जीएमएस रोड स्थित जेपी क्लब, हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स अकादमी में हुए मुकाबले में प्रतिभागियों ने रैंप पर फिटनेस, आत्मविश्वास, स्टेज प्रेजेंस और व्यक्तित्व का शानदार प्रदर्शन किया। जजों ने प्रतिभागियों की फिटनेस और ओवरऑल पर्सनालिटी का मूल्यांकन किया। इस दौरान प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

सिनमिट कम्युनिकेशंस के निदेशक दलीप सिंधी और राजीव मित्तल ने बताया कि विभिन्न सब-कॉन्टेस्ट के जरिए प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा और व्यक्तित्व निखारने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि मिस उत्तराखंड 2026 का ग्रैंड फिनाले सितंबर में आयोजित होगा। प्रतियोगिता में सुयांशा जोशी, दीपिका लखेड़ा और पूजा करकर ने जज की भूमिका निभाई।

यूकेडी को बदनाम करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

अनिल थपलियाल। उत्तराखंड क्रांति दल के संबंध में पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अनर्गल, भ्रामक एवं तथ्यहीन बयानबाजी कर पार्टी की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। पार्टी नेतृत्व ने इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसका संज्ञान लिया है। केंद्रीय अध्यक्ष ने संबंधित पदाधिकारियों को पार्टी के विरुद्ध चलाए जा रहे दुष्प्रचार एवं भ्रामक प्रचार-प्रसार पर प्रभावी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। सोशल मीडिया पर पार्टी, विचारों, नेताओं एवं पदाधिकारियों के संबंध में की जा रही आपत्तिजनक तथा तथ्यहीन बयानबाजी का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन पार्टी से जुड़े किसी भी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने वाली अनर्गल या जानबूझकर की गई भ्रामक बयानबाजी स्वीकार नहीं की जाएगी।

चैरिटी बनेगा गोर्खाली तीज मेला

नेपाल आपदा पीड़ितों की मदद को समर्पित होगा तीज उत्सव

अनिल थपलियाल

गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव कमेटी ने नेपाल में आई भीषण जल प्रलय और आपदा से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इस वर्ष के तीज उत्सव एवं मेले को चैरिटी कार्यक्रम के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया है। समिति पिछले करीब 20 वर्षों से महिंद्रा ग्राउंड, गढ़ी कैंट में तीज उत्सव मेले का आयोजन करती आ रही है।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा से बड़ी संख्या में लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। ऐसे कठिन समय में उत्सव को केवल सांस्कृतिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए आपदा प्रभावित परिवारों की सहायता का माध्यम बनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना, मौन और श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी।

समिति की ओर से आमजन से भी अपील की जाएगी कि वे अपनी क्षमता के अनुसार अधिक से अधिक सहयोग और दान देकर प्रभावित परिवारों की मदद करें। समिति ने कहा कि भारत हमेशा संकट की घड़ी में पड़ोसी देश नेपाल के साथ खड़ा रहा है और इस मानवीय भावना को आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है।

शिक्षा ऋण मामलों में देरी पर डीएम सख्त

बैंक और कृषि विभाग मिलकर गांवों में लगाएंगे जागरूकता शिविर

अनिल थपलियाल

उत्तरकाशी में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री एवं जिला पुनरीक्षण समिति की बैठक हुई। बैठक में वित्तीय समावेशन, कृषि ऋण, सरकारी योजनाओं की प्रगति और बैंकिंग सुविधाओं को मजबूत करने पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने 10 दिन से अधिक समय से लंबित शिक्षा ऋण मामलों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा ऋण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ऋण-जमा अनुपात में सुधार के साथ किसानों को अधिक संख्या में किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। कृषि विभाग और बैंकों को ग्रामीण क्षेत्रों में संयुक्त शिविर लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन, स्वरोजगार और पर्यटन योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा आरसेटी की कार्यप्रगति, प्रशिक्षण और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

जनशिकायतों के समाधान में अब देरी नहीं

शिकायतों के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं: डीएम नितिका खंडेलवाल

अनिल थपलियाल

लंबित शिकायतों के निस्तारण को लेकर प्रशासन हुआ सख्त।

नई टिहरी में जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने जनशिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिला कार्यालय को विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजा जाता है, इसलिए प्रत्येक शिकायत का अधिकतम सात दिन के भीतर अनिवार्य रूप से निस्तारण किया जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निस्तारण आख्या में तथ्यों, अभिलेखीय साक्ष्यों और की गई कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख करते हुए निर्धारित समयसीमा में जिला कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।

साथ ही शिकायतकर्ता को भी कार्रवाई और निस्तारण की जानकारी दी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर न किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

पेंशन से वंचित बुजुर्गों के आवेदन कराएगा जिला प्रशासन

अनिल थपलियाल। देहरादून जिला प्रशासन सितंबर में वृद्धावस्था पेंशन से वंचित पात्र बुजुर्गों को योजना का लाभ दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाएगा। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु और वार्षिक पारिवारिक आय 48 हजार रुपये तक वाले पात्र बुजुर्गों को 1,500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाती है। पति-पत्नी दोनों पात्र होने पर परिवार को 3,000 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। अभियान में पात्र बुजुर्गों की पहचान कर उनके आवेदन पूरे कराने में अधिकारी और जनप्रतिनिधि सहयोग करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभा प्रस्ताव और आय प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा। प्रशासन ने 30 सितंबर तक सभी ऑनलाइन आवेदनों को अग्रसारित करने का लक्ष्य रखा है।

शैले होटल्स 2030 तक देगी 5000 स्थायी रोजगार अवसर

अनिल थपलियाल

'परिवर्तन' पहल से युवाओं को मिलेगा रोजगार

उत्तराखंड और महाराष्ट्र के युवाओं को आतिथ्य क्षेत्र में रोजगार देने की पहल।

देहरादून के शैले होटल्स लिमिटेड ने अपने पर्यावरण, सामाजिक और सुशासन मंच 'परिवर्तन बाय शैले' के अगले चरण की शुरुआत की है। कंपनी ने द जॉब प्लस और पर्यटन एवं आतिथ्य कौशल परिषद के साथ साझेदारी कर वर्ष 2030 तक पांच हजार स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा है। पहल का उद्देश्य ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के युवाओं को आतिथ्य उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ना है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से महाराष्ट्र और उत्तराखंड के युवाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। इसकी खास बात यह है कि लाभार्थियों में 76 प्रतिशत महिलाएं हैं। पिछले तीन वर्षों में पहल के तहत 330 युवाओं को प्रशिक्षण देकर औपचारिक रोजगार से जोड़ा जा चुका है। कंपनी का कहना है कि कौशल विकास के जरिए युवाओं को रोजगार के साथ बेहतर और स्थायी करियर के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

जन्माष्टमी

धार्मिक आयोजनों और शोभायात्राओं को लेकर हरिद्वार प्रशासन सतर्क

जन्माष्टमी को लेकर हरिद्वार में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर हरिद्वार जिला प्रशासन ने जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। चार सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर जिलेभर के मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम, झांकियां, भजन-कीर्तन और शोभायात्राएं आयोजित की जाएंगी। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विभिन्न क्षेत्रों में मजिस्ट्रेटों की तैनाती के आदेश जारी किए हैं।

जन्माष्टमी पर हरिद्वार के साथ ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। मंदिरों में दिनभर पूजा-अर्चना के बाद देर रात तक धार्मिक कार्यक्रम चलते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। कई स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण की झांकियां सजाने के साथ शोभायात्राओं का आयोजन भी किया जाता है। ऐसे में मंदिर परिसरों, प्रमुख बाजारों और शोभायात्रा मार्गों पर भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है।

बिजली-पानी की व्यवस्था रहेगी सुचारु

सुरक्षा व्यवस्था के साथ प्रशासन ने मूलभूत सुविधाओं पर भी ध्यान दिया है। विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जल संस्थान और पेयजल निगम को सुचारु पेयजल व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया है। वहीं नगर निगम हरिद्वार और रुड़की को मंदिरों तथा आयोजन स्थलों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

भीड़ प्रबंधन से लेकर सुरक्षा तक पुख्ता इंतजाम

प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए क्षेत्रवार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है। जिलाधिकारी ने तैनात मजिस्ट्रेटों को पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही गृह मंत्रालय और राज्य सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है।

तहसीलदारों की भी तैनाती

जारी आदेश के अनुसार नगर मजिस्ट्रेट हरिद्वार को नगर क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की को रुड़की सब-डिवीजन की व्यवस्था संभालने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा उप जिलाधिकारी हरिद्वार, लक्सर और भगवानपुर को अपने-अपने क्षेत्रों में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संबंधित तहसीलदारों को भी चिह्नित क्षेत्रों में तैनात किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर उप जिलाधिकारी अपने स्तर से नायब तहसीलदारों की तैनाती कर सकेंगे।

उत्तरकाशी में पुलिस ने बच्चों को सुरक्षा का पाठ पढ़ाया

अनिल थपलियाल। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में मानव तस्करी, महिला एवं बाल अपराधों की रोकथाम को लेकर एएचटीयू और कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस टीम ने राईका फोल्ड धनारी में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, मानव तस्करी, बाल भिक्षावृत्ति, साइबर अपराध और नशा उन्मूलन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बच्चों को साइबर अपराध के संभावित खतरों की पहचान करने, सुरक्षित व्यवहार अपनाने और संदिग्ध परिस्थितियों में सावधानी बरतने के उपाय बताए। सोशल मीडिया पर मिलने वाले विभिन्न प्रकार के प्रलोभनों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। पुलिस ने किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान आपातकालीन नंबर 112 और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी भी दी गई।

50 की उम्र में 19 डिग्रियां, अब 20वीं की तैयारी

नैनीताल। रामनगर के 50 वर्षीय अधिवक्ता डॉ. पूरन चंद्र पांडे ने विकास अध्ययन में 19वीं डिग्री हासिल की है। अब वह एमबीए में प्रवेश लेकर 20वीं डिग्री की तैयारी कर रहे हैं। उनका शैक्षणिक सफर निरंतर सीखने की प्रेरणा देता है।

सुखबीर बादल ने सात जिलों में अकाली दल की नई संगठनात्मक सूची की जारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करते हुए जनरल काउंसिल सदस्यों की दूसरी सूची जारी कर दी है। बुधवार को जारी सूची में सात जिलों के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि लंबे समय से संगठन के लिए मेहनत करने वाले नेताओं को उनकी सेवाओं के अनुरूप सम्मान दिया गया है। बाकी जिलों के सदस्यों की घोषणा भी जल्द किए जाने की बात कही गई है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने बताया कि दूसरी सूची में फिरोजपुर, फाजिल्का, लुधियाना, मोगा, मानसा, मोहाली और मलेरकोटला जिलों को शामिल किया गया है। इससे पार्टी के जमीनी संगठन को और सक्रिय करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

फिरोजपुर में कई नेताओं को जिम्मेदारी: फिरोजपुर शहरी से रछपाल सिंह खाई फेमेकी, पुष्पिंदर नंदा, मेजर सिंह गुलामी वाला और बलिहार सिंह फिरोजपुर को जनरल काउंसिल में जगह दी गई है। फिरोजपुर देहाती से सतपाल सिंह तलवंडी भाई, दर्शन सिंह शेरखां, भूपिंदर सिंह फरीदेवाला, चमकौर सिंह टिब्बी कलां और रशपाल सिंह करमूवाला शामिल हैं।

फाजिल्का और लुधियाना में विस्तार : फाजिल्का जिले में जलालाबाद, बल्लुआना, अबोहर और फाजिल्का विधानसभा क्षेत्रों से नेताओं को जिम्मेदारी मिली है। वहीं लुधियाना जिले के गिल, दाखा और जगराओं सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नेताओं को जनरल काउंसिल में शामिल किया गया है। इससे जिले में संगठन को मजबूत करने पर जोर दिखाई देता है।

मोगा और मानसा में भी नियुक्तियां : मोगा जिले में बाघापुराना, मोगा, निहाल सिंह वाला और धर्मकोट से नेताओं को जगह मिली है। मानसा में मानसा, सरदूलगढ़ और बुढलाडा क्षेत्रों से पार्टी कार्यकर्ताओं को जनरल काउंसिल का सदस्य बनाया गया है।

डीए बकाये पर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका की दाखिल

सरकार बोली-कर्मचारियों का वेतन कई राज्यों से अधिक, बकाया चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा भुगतान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) के बकाये को लेकर चल रहे विवाद के बीच पंजाब सरकार ने गुरुवार को तीन मंत्रियों की संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस कर अपना पक्ष स्पष्ट किया। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब के सरकारी कर्मचारी देश में सबसे अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मूल वेतन और डीए को मिलाकर पंजाब के कर्मचारियों का कुल वेतन हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के कर्मचारियों से अधिक है। गुजरात की तुलना में पंजाब के कर्मचारियों को करीब 28 प्रतिशत अधिक वेतन मिलता है।

चीमा ने कहा कि पंजाब अपने कुल राजस्व का करीब 51 प्रतिशत हिस्सा कर्मचारियों और पेंशनरों पर खर्च करता है, जबकि प्रमुख राज्यों में यह औसत करीब 38 प्रतिशत है। वेतन, पेंशन और कर्ज के ब्याज को मिलाकर राज्य के राजस्व का लगभग 82 प्रतिशत हिस्सा खर्च हो जाता है। इसके बावजूद सरकार कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए डीए में समय-समय पर बढ़ोतरी कर रही है।

केंद्र से तुलना में भी पंजाब आगे : वित्त मंत्री ने दावा किया कि पंजाब के कर्मचारियों की हाथ में आने वाली तनख्वाह भी देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि लिपिक, चालक, आशुलिपिक, शिक्षक और पुलिस जवानों का वेतन कई मामलों में केंद्र सरकार के कर्मचारियों से भी अधिक है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 42 प्रतिशत डीए के साथ पंजाब में लिपिक और कांस्टेबल को 54,812 रुपये मिलते हैं, जबकि केंद्र सरकार के कर्मचारी को 60 प्रतिशत डीए के बावजूद 36,960 रुपये मिलते हैं।

चीमा के अनुसार मौजूदा सरकार के सत्ता में आने के समय कर्मचारियों को 28 प्रतिशत डीए मिल रहा था। अक्टूबर 2022 में इसे बढ़ाकर 34 प्रतिशत, दिसंबर 2023 में 38 प्रतिशत और नवंबर 2024 में 42 प्रतिशत किया गया।

14,191 करोड़ रुपये का बकाया : मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि वर्ष 2016 से 2021 के बीच का करीब 14,191 करोड़ रुपये का डीए बकाया पिछली कांग्रेस तथा अकाली-भाजपा सरकारों के समय का है। मौजूदा सरकार इस बकाये का भुगतान चरणबद्ध तरीके से कर रही है। सरकार के अनुसार कर्मचारियों और पेंशनरों को अब तक करीब 4,500 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

सरकार ने 13 फरवरी 2025 को मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद चार वित्तीय वर्षों में बकाये के भुगतान की योजना बनाई थी।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंची सरकार

आठ अप्रैल 2026 को उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला देते हुए 30 जून तक डीए और डीआर का बकाया देने का आदेश दिया था। तीन अगस्त को खंडपीठ ने पंजाब सरकार और पीएसपीसीएल की अपीलें खारिज करते हुए एकल पीठ का फैसला बरकरार रखा। 31 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा थी। इसके बाद पंजाब सरकार ने एक सितंबर को उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि कर्मचारियों की हाथ में आने वाली कुल तनख्वाह को केंद्रीय समकक्षों के बराबर करने के लिए डीए में जरूरी बढ़ोतरी करने को तैयार है। हालांकि, समान दर से डीए देने पर पहले से अधिक वेतन पा रहे कर्मचारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने का तर्क भी सरकार ने दिया है।

न्यूज ब्रीफ

10 सितंबर से बदलेगा हलवारा-दिल्ली उड़ान का समय

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । एयर इंडिया ने हलवारा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली दोपहर की उड़ान के समय में बदलाव किया है। नया समय 10 सितंबर से लागू होगा। इसके तहत दिल्ली से उड़ान भरने वाली फ्लाइट दोपहर 3:35 बजे हलवारा एयरपोर्ट पहुंचेगी और यहां से 4:05 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगी। नियमित यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए यह बदलाव किया गया है। हालांकि, सुबह संचालित होने वाली उड़ान के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उसका संचालन पहले निर्धारित समय के अनुसार ही जारी रहेगा।

वल्टोहा पुलिस ने 14 किलो अफीम के साथ दबोचा तस्कर

भारतेन्दु संवाददाता, तरनतारन । थाना वल्टोहा पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुरमीत सिंह उर्फ गीतू निवासी मरगिंदपुरा को 14 किलो 110 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक वरना कार और एक हजार रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की। एसएसपी सुरिंदर लांबा ने बताया कि पुलिस टीम गांव दासूवाल में स्कूल के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान उत्तराखंड नंबर की कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें अफीम बरामद हुई। आरोपित के खिलाफ एक सितंबर को मामला दर्ज किया गया। उसे अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया गया है और पूछताछ जारी है।

जालंधर में केंद्रों की बदहाली, महीनों से अटके प्रमाणपत्र

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर । जालंधर के 35 सेवा केंद्रों में करीब 450 सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के दावे पर सवाल उठ रहे हैं। तीन महीने पहले आवेदन करने के बावजूद सैकड़ों लोगों को एससी, आय, जन्म-मृत्यु, विवाह, निवासी और स्वास्थ्य प्रमाणपत्र नहीं मिल पा रहे हैं। दस्तावेजों के लिए लोग रोजाना उपायुक्त कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। सेवा केंद्र से स्थिति पूछने पर तहसीलदार कार्यालय भेजा जाता है, जहां कर्मचारी पटवारी के पास जाने की सलाह देते हैं। पटवारी फिर तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारियों से जानकारी लेने को कहता है। आवेदकों को फाइल लंबित होने की सही जानकारी नहीं मिल रही और कार्यालयों में कर्मचारी भी अक्सर नदारद रहते हैं।

अब डाक से घर पहुंचेगी कक्षा पहली से बारहवीं की किताबें

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड और डाक विभाग, पंजाब रीजन के बीच विद्यार्थियों की सुविधा के लिए समझौता हुआ है। इसके तहत कक्षा पहली से 12वीं तक की पाठ्यपुस्तकें भारतीय डाक के माध्यम से सीधे घर पहुंचाई जाएंगी। बोर्ड ने इसके लिए 'पुस्तक पोर्टल' ऑनलाइन मंच शुरू किया है, जहां विद्यार्थी, माता-पिता और स्कूल प्रबंधक किताबें खरीद सकेंगे। ऑर्डर मिलने पर डाक विभाग अपने नेटवर्क से किताबों की घर-घर डिलीवरी करेगा। पोर्टल से किताबें मंगाने पर 15 प्रतिशत छूट भी मिलेगी। पहले किताबें जिला कार्यालयों से लेनी पड़ती थीं। नई व्यवस्था से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को समय और आने-जाने के खर्च में राहत मिलेगी।

लोन के नाम पर 12 लाख की ठगी, दो आरोपियों पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । वाहन खरीदने और बैंक लोन के नाम पर ठगी के आरोप में पुलिस ने जसविंदर कौर और इकबाल सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि दोनों ने वीर सिंह की गाड़ी खरीदने का सौदा किया और एयू स्मॉल फाइनेंस से 12 लाख रुपये का लोन मंजूर करवाया। इसके बाद रकम वीर सिंह को देने के बजाय अपने खातों में ट्रांसफर करवाकर हड़प ली। पुलिस ने धोखाधड़ी, साजिश और अमानत में खयानत की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

दूसरे के दस्तावेजों से दो पासपोर्ट बनवाकर विदेश उड़ता रहा आरोपी

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । निजी दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी पहचान से पासपोर्ट बनवाने के आरोप में पुलिस ने मक्खन सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता बलविंदर सिंह के अनुसार, आरोपी ने उसके पहचान दस्तावेजों के आधार पर 11 नवंबर 1998 को अपने नाम से पासपोर्ट बनवाया। इसकी अवधि समाप्त होने के बाद उसी पहचान पर दूसरा पासपोर्ट भी बनवाया। आरोपी ने शिकायतकर्ता के माता-पिता और पत्नी के नाम का भी इस्तेमाल किया तथा अपने फोटो वाले दस्तावेज तैयार करवाए। इन्हीं फर्जी पासपोर्टों के जरिए आरोपी कई बार विदेश यात्राएं कर चुका है।

बस ऑपरेटरों की हड़ताल से बढ़ी 25 हजार विद्यार्थियों की परेशानी, स्कूल पहुंचे अभिभावक

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

स्कूल बस ऑपरेटरों की हड़ताल का असर गुरुवार को अमृतसर के स्कूलों में देखने को मिला। रोड टैक्स, पार्किंग शुल्क और अन्य मांगों को लेकर स्कूल एंड कॉलेज बस ऑपरेटर एसोसिएशन पंजाब के आह्वान पर बसें बंद रहीं। इसके चलते करीब 20 स्कूलों के लगभग 25 हजार विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

बसें नहीं पहुंचने के कारण अभिभावकों को बच्चों को स्कूल छोड़ने और वापस लाने के लिए खुद व्यवस्था करनी पड़ी। कई अभिभावक कार, दोपहिया और अन्य निजी वाहनों से बच्चों को स्कूल लेकर पहुंचे। इससे सुबह के समय कई स्कूलों के आसपास निजी वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात का दबाव भी रहा।

कई स्कूलों ने अभिभावकों को पहले ही बस सेवा बंद रहने की सूचना दे दी थी, जबकि कुछ परिवारों को सुबह अचानक बच्चों के परिवहन की वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी। डीपीएस इंटरनेशनल, होली हार्ट, स्प्रिंग डेल, सेंट फ्रांसिस, यूनिवर्सिटी स्टडीज, केवी-1, श्री गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल, बसंत एवेन्यू, गोल्डन एवेन्यू पब्लिक स्कूल और दून इंटरनेशनल सहित करीब 20 स्कूलों की बस सेवा प्रभावित रही।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि मौजूदा कर और पार्किंग शुल्क के कारण स्कूल बसों का संचालन करना कठिन होता जा रहा है। ऑपरेटरों ने सरकार से स्कूल बसों पर रोड टैक्स हटाने, पार्किंग शुल्क कम करने और अन्य मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग की है। उन्होंने मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन आगे भी जारी रखने का संकेत दिया है। इसके अलावा बस सेवा बंद रहने से कुछ विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने में देरी हुई। अभिभावकों ने सरकार से जल्द समाधान निकालने की मांग की, ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। स्कूल प्रबंधनों ने भी परिवहन व्यवस्था सामान्य होने की उम्मीद जताई।

चंडीगढ़ में स्वच्छ वार्डों के बीच होगी कड़ी प्रतिस्पर्धा, मिलेंगे लाखों रुपए पुरस्कार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने स्वच्छ वार्ड रैंकिंग की 30 दिवसीय प्रतियोगिता शुरू की है। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले वार्डों को विकास कार्यों के लिए पुरस्कार राशि दी जाएगी। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम स्थान पाने वाले वार्ड को 50 लाख रुपये, दूसरे स्थान पर रहने वाले वार्ड को 30 लाख रुपये और तीसरे स्थान वाले वार्ड को 20 लाख रुपये दिए जाएंगे। यह राशि संबंधित वार्ड में विकास कार्यों पर खर्च होगी।

नगर निगम ने वार्डों को तीन श्रेणियों में बांटा है। इनमें गांव, सेक्टर तथा स्लम, कॉलोनी और पुनर्वास कॉलोनियां शामिल हैं। मूल्यांकन के दौरान स्वच्छता से जुड़े विभिन्न मानकों के आधार पर वार्डों की रैंकिंग होगी। करीब 80 प्रतिशत महत्व शहर की वास्तविक स्वच्छता समस्याओं को दिया जाएगा। इससे उन क्षेत्रों की कमियों को दूर करने पर जोर रहेगा जहां सुधार की सबसे अधिक आवश्यकता है।

नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने बताया कि पार्षदों और जनप्रतिनिधियों को अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। वे स्थानीय लोगों, स्कूलों, बाजार समितियों, आरडब्ल्यूए और अन्य संस्थाओं को स्वच्छता अभियान से जोड़ेंगे। पुरस्कार राशि से होने वाले विकास कार्य भी स्थानीय लोगों और संस्थाओं की राय से तय किए जाएंगे।

कार्यक्रम में कचरा अलग-अलग रखने पर भी जोर दिया गया। हरे डिब्बे में गीला, नीले में सूखा, लाल में सैनिटरी और काले डिब्बे में खतरनाक कचरा डालने की व्यवस्था बताई गई। शहर में रोजाना करीब 500 टन कचरा उठाया जाता है। घर से ही कचरे का सही वर्गीकरण होने पर उसके प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण को आसान बनाया जा सकता है।

प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने प्रतियोगिता की सराहना करते हुए इसे हर महीने कराने पर विचार करने को कहा। उन्होंने सुझाव दिया कि मूल्यांकन में सड़क के साथ पार्क, स्कूल, बाजार, खेल मैदान और घरों की स्वच्छता को भी शामिल किया जाए।

रसोई की सीधी निगरानी से खाद्य सुरक्षा और प्रतिष्ठानों की जवाबदेही होगी सुनिश्चित

ऑनलाइन मंगाए भोजन की लाइव निगरानी की उठी मांग

पारदर्शिता बढ़ने से उपभोक्ताओं का भरोसा होगा मजबूत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

ऑनलाइन भोजन मंगाने का चलन लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में खाद्य पदार्थ तैयार करने वाली रसोई की स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा को लेकर उपभोक्ताओं का भरोसा बनाए रखने के लिए रसोई की लाइव स्ट्रीमिंग की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग उठी है। अधिवक्ता एवं प्रशासक सलाहकार परिषद के सदस्य अजय जग्गा ने प्रशासक गुलाब चंद कटारिया और संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर ऑनलाइन भोजन मंगाने वाले उपभोक्ताओं को संबंधित रसोई की लाइव तस्वीर देखने की सुविधा देने का सुझाव दिया है।

जग्गा के अनुसार ऑनलाइन भोजन मंगाने वाले ग्राहक केवल भोजन की कीमत, तस्वीर और उपलब्धता की जानकारी ही नहीं देखते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि उनके लिए भोजन किस वातावरण में तैयार किया जा रहा है। यदि भोजन तैयार होने के दौरान रसोई की लाइव तस्वीर दिखाई जाए तो ग्राहक वहां की स्वच्छता, कर्मचारियों की कार्यप्रणाली और खाद्य सुरक्षा से जुड़े सामान्य मानकों को देख सकेंगे। इससे उपभोक्ताओं को भोजन की गुणवत्ता को लेकर अधिक भरोसा मिल सकता है।

उन्होंने सुझाव दिया कि भोजन मंगाने वाले मोबाइल अनुप्रयोग में जब आदेश तैयार होने की सूचना दिखाई जाए, उसी समय संबंधित रसोई की लाइव तस्वीर देखने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जा सकता है। इससे ग्राहक भोजन तैयार होने की प्रक्रिया के दौरान रसोई के वातावरण पर नजर रख सकेंगे। हालांकि लाइव प्रसारण के माध्यम से किसी विशेष ग्राहक के भोजन की पहचान करना जरूरी नहीं होगा। इसका उद्देश्य पूरी रसोई की सामान्य व्यवस्था और स्वच्छता को पारदर्शी बनाना होगा।

जग्गा ने यह व्यवस्था केवल रेस्तरां तक सीमित नहीं रखने का सुझाव दिया है। उनके अनुसार चंडीगढ़ में स्कूल, कालेज, कार्यालय, अस्पताल, कैंटीन और अन्य खाद्य सेवा प्रतिष्ठानों की रसोइयों में भी ऐसी व्यवस्था लागू की जा सकती है। इससे बड़ी संख्या में लोगों को परोसे जाने वाले भोजन की तैयारी में स्वच्छता और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर जवाबदेही बढ़ाई जा सकेगी।

उन्होंने खाद्य सुरक्षा से जुड़े मौजूदा कानून और नियमों का हवाला देते हुए कहा कि खाद्य कारोबारियों के लिए रसोई की स्वच्छता, उपकरणों की सफाई, कचरे का उचित निपटान, कर्मचारियों के स्वास्थ्य और निर्धारित वर्दी समेत कई मानक पहले से तय हैं।

पीजीआई किडनी कांड की मुख्य आरोपित फरार, जमानत रद, पुलिस ने शुरू की तलाश

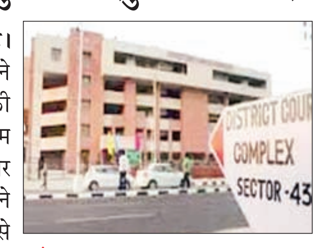

◆ **जमानत के बाद लगातार अदालत से गैरहाजिर रही आरोपित, गैर-जमानती वारंट जारी**

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पीजीआइ में वर्ष 2019 में सामने आए किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह की मुख्य आरोपित मणिपुर निवासी एबम देवी जमानत मिलने के बाद से फरार है। कई वर्षों तक बुडैल जेल में रहने के बाद पिछले साल उसे अदालत से जमानत मिली थी। जमानत मिलने के बाद वह लगातार अदालत में पेश नहीं हुई। कई बार समन जारी होने के बावजूद उसके अदालत में उपस्थित नहीं होने पर चंडीगढ़ जिला अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए हैं। साथ ही उसकी जमानत भी रद कर दी गई है। पुलिस ने अब उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, इस गिरोह में शामिल लोग गरीब और जरूरतमंद लोगों को बहला-फुसलाकर किडनी दान करवाते थे। इसके बाद किडनी को जरूरतमंद मरीजों को प्रत्यारोपित करवाने के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती थी। जांच में सामने आया था कि एबम देवी ने खुद ढाई लाख रुपये लेकर किडनी दान की थी। इसके बाद वह गिरोह के संपर्क में आई और खुद भी इसके लिए काम करने लगी।

आरोप है कि एबम देवी ने मणिपुर की एक महिला को चंडीगढ़ में नौकरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया था। इसके बाद उसकी किडनी मणिपुर निवासी बिमल को प्रत्यारोपित करवाने की साजिश रची गई। इस साजिश को अंजाम देने के लिए आरोपितों ने फर्जी दस्तावेज और आधार कार्ड तैयार किए थे। मामले की जानकारी पुलिस को मिलने के बाद एबम देवी को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि उसके कई साथी फरार हो गए थे।

राघव चड्ढा का नाम वोटर सूची से शिफ्टेड, 'आप' पर लगाए राजनीतिक बदले के आरोप

ड्राफ्ट सूची में नाम हटने पर चड्ढा ने 'आप' सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब की ड्राफ्ट मतदाता सूची में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम 'शिफ्टेड' यानी दूसरी जगह चले जाने के रूप में दर्ज होने के बाद सियासी विवाद खड़ा हो गया है। चड्ढा ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, आप सरकार ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया चुनाव आयोग के अधीन है और राज्य सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

राघव चड्ढा ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब में आप सरकार ने अपनी बदले की राजनीति को अब ड्राफ्ट मतदाता सूची तक पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि राहत की बात यह है कि यह अंतिम मतदाता सूची नहीं है और इस पर दावा-आपत्ति की प्रक्रिया अभी बाकी है। चड्ढा के अनुसार, वह विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत उपलब्ध प्रक्रिया का इस्तेमाल करेंगे और अक्टूबर 2026 में प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में अपने नाम के गलत वर्गीकरण को ठीक करवाएंगे।

चड्ढा ने कहा कि वह पंजाब से मौजूदा राज्यसभा सांसद हैं और उनकी मतदाता पहचान मोहाली में पंजीकृत है। इसके बावजूद ड्राफ्ट मतदाता सूची में उनके नाम के सामने 'शिफ्टेड' दर्ज किया गया है। उन्होंने इसे केवल लिपिकीय गलती मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट मामला है।

सांसद ने दावा किया कि उन्हें स्थायी रूप से स्थानांतरित किसने चिह्नित किया, इस प्रक्रिया का सत्यापन किसने किया और उच्च स्तर पर इसे किसने आगे बढ़ाया, इन सभी स्तरों पर पंजाब सरकार के अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर के अधिकारी से लेकर सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी तक चुनावी प्रक्रिया में राज्य के अधिकारी काम करते हैं। चड्ढा ने आरोप लगाया कि सरकार इन अधिकारियों के तबादले और नियुक्तियों को नियंत्रित करती है, इसलिए उन पर राजनीतिक दबाव डाला जा सकता है।

चड्ढा ने विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। उनके अनुसार, दिशानिर्देशों के संबंधित प्रावधान में सांसदों और विधायकों समेत जनप्रतिनिधियों के नामों को मसौदा सूची में शामिल रखने की व्यवस्था है, ताकि दावा-आपत्ति अवधि में आवश्यक दस्तावेज जुटाए जा सकें। चड्ढा का आरोप है कि उनके मामले में इस प्रावधान की अनदेखी की गई।

राघव चड्ढा का मतदाता पंजीकरण पहले दिल्ली के राजिंदर नगर क्षेत्र में था। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपना मतदाता पंजीकरण मोहाली में स्थानांतरित कराया था। उन्होंने 2024 में मोहाली में मतदान भी किया था। अब उनका नाम 'शिफ्टेड' के रूप में दर्ज होने के बाद उनकी राज्यसभा सदस्यता को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

उधर, आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता ने चड्ढा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार वह पंजाब में नहीं, बल्कि दिल्ली में रह रहे हैं। प्रवक्ता के अनुसार, यदि चड्ढा पंजाब में नहीं रहते हैं तो मतदाता पंजीकरण को बनाए रखना या उसे दूसरी जगह स्थानांतरित कराना उनकी जिम्मेदारी है। पार्टी ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटने के लिए पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

आप प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी को चुनाव आयोग के सूत्रों से जानकारी मिली है कि चड्ढा पिछली तारीख दर्ज करवाकर दिल्ली के राजिंदर नगर में अपना मतदाता पंजीकरण कराने का प्रयास कर रहे हैं। पार्टी ने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो इसकी जांच होनी चाहिए और पूरी स्थिति जनता के सामने आनी चाहिए।

पंजाब में नशा सर्वे लगभग पूरा, 55.36 लाख परिवारों का जुटाया आंकड़ा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में नशे की स्थिति और इससे प्रभावित परिवारों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए शुरू किया गया पहला ड्रग एंड सोशल-इकोनामिक सेंसस लगभग पूरा हो गया है। सरकार ने 30 अगस्त तक निर्धारित 55.61 लाख परिवारों के लक्ष्य में से 55.36 लाख परिवारों का सर्वे पूरा कर लिया है। इस तरह कुल लक्ष्य का 99.56 प्रतिशत हिस्सा कवर हो चुका है। हालांकि, 3,48,692 परिवारों ने सर्वे में सहयोग नहीं किया या इससे इन्कार कर दिया।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार सर्वे किए गए परिवारों में से 51.88 लाख सर्वेक्षणों को गुणवत्ता जांच के लिए एआइ आधारित प्रणाली से परखा गया। इनमें 44.63 लाख सर्वे एआइ प्रणाली ने स्वीकार कर लिए, जबकि 7.24 लाख सर्वे अस्वीकार कर मैनुअल गुणवत्ता जांच के लिए भेजे गए। यह जांचे गए सर्वे का 13.96 प्रतिशत रहा।

मैनुअल जांच के लिए भेजे गए 7.24 लाख सर्वे में से 7.23 लाख की जांच पूरी हो चुकी है। इनमें 6.77 लाख सर्वे आवश्यक संपादन के बाद स्वीकार कर लिए गए। वहीं, 19,432 सर्वे अभी अस्वीकार श्रेणी में हैं। यह गुणवत्ता जांच के लिए पात्र कुल सर्वे का महज 0.37 प्रतिशत है।

अमृतसर सबसे आगे, फरीदकोट में सबसे कम कवरेज : जिलेवार आंकड़ों में अमृतसर ने निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है। यहां 4,75,079 के लक्ष्य के मुकाबले 4,80,030 परिवारों का सर्वे हुआ, जो 101.04 प्रतिशत है। मानसा, तरनतारन, संगरूर और फिरोजपुर में भी 100 प्रतिशत से अधिक कवरेज दर्ज की गई। फाजिल्का, मोगा और पठानकोट ने भी अपना लक्ष्य पूरा कर लिया है। सबसे कम कवरेज फरीदकोट में 95.32 प्रतिशत रही। लुधियाना में लक्ष्य 6,58,844 के मुकाबले 6,46,634 सर्वे हुए, यानी 12,210 परिवारों का अंतर रहा।

नशे के साथ सामाजिक-आर्थिक स्थिति की भी जानकारी : अप्रैल में शुरू हुए इस सर्वे में करीब 28 हजार सरकारी कर्मचारियों को लगाया गया था। इसमें नशे के प्रकार, लत की अवधि, उपचार की स्थिति और नशामुक्ति केंद्रों तक पहुंच के साथ शिक्षा, रोजगार, मासिक आय, जमीन, कर्ज, पलायन और विदेश जाने से जुड़ी जानकारी भी जुटाई गई। जाति-उपजाति तथा सरकारी सेवाओं, स्कूलों, स्वास्थ्य सुविधाओं, धार्मिक स्थलों और पानी के स्रोतों तक पहुंच में भेदभाव से जुड़े सवाल भी शामिल किए गए।

बारिश और ठंड पर भारी पड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार, सभी यात्रा मार्ग सुचारू

खराब मौसम में भी नहीं थमा उत्साह

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। बदलते मौसम, रुक-रुककर हो रही हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के बावजूद गुरुवार को मां वैष्णो देवी की यात्रा पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जारी रही। मौसम में आए बदलाव का श्रद्धालुओं की आस्था पर कोई असर नहीं पड़ा। दिनभर बारिश और ठंडी हवाओं के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के भवन की ओर बढ़ते नजर आए। खराब मौसम के बावजूद यात्रियों में दर्शन को लेकर उत्साह बना रहा।

मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालु मौसम की चुनौती के बीच भी यात्रा मार्ग पर आगे बढ़ते रहे। कई श्रद्धालु बारिश से बचने के लिए बरसाती और छाते लेकर यात्रा करते दिखाई दिए। ठंडी हवाओं के बीच भी श्रद्धालुओं के जयकारों से यात्रा मार्ग में उत्साह का माहौल बना रहा। फिलहाल मां वैष्णो देवी के सभी प्रमुख यात्रा मार्ग सुचारू हैं। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है।

यात्रा मार्ग पर तैनात आपदा प्रबंधन दल लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है। इसके अलावा श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारी तथा जवान भी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जुटे हुए हैं। अधिकारियों की ओर से मौसम की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

यात्रा मार्ग पर किसी भी तरह की परेशानी सामने आने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाने की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को भी मौसम को देखते हुए सावधानी बरतने और प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है। मौसम खराब रहने के कारण हेलीकॉप्टर सेवा प्रभावित रही। हालांकि अन्य यात्रा सुविधाएं उपलब्ध रहीं और पैदल यात्रा निर्धारित मार्गों से जारी रही।

प्रशासन की ओर से मौसम में सुधार और यात्रा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि मां के दर्शन की आस्था के आगे बारिश और ठंडी हवाएं कोई बाधा नहीं हैं। यात्रा मार्ग पर मौजूद श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ भवन की ओर बढ़ते रहे। मौसम के बीच जारी यात्रा से यह साफ नजर आया कि श्रद्धालुओं की आस्था पर मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का असर नहीं पड़ा।

मौसम को देखते प्रशासन ने बढ़ाई सतर्कता

प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मौसम की स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे बारिश के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रुकें और किसी भी परेशानी की स्थिति में तैनात सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन दल से सहायता लें।

प्रशासन सतर्क, सुरक्षित जारी रही वैष्णो देवी यात्रा

इसके साथ ही प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं को मौसम संबंधी जानकारी लगातार उपलब्ध कराई जा रही है। यात्रा मार्ग पर फिसलन वाले स्थानों को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे जल्दबाजी न करें और सुरक्षित तरीके से यात्रा पूरी करें। अधिकारियों के अनुसार मौसम में बदलाव के बावजूद यात्रा व्यवस्था सामान्य बनी हुई है। आने वाले दिनों में भी मौसम की स्थिति पर नजर रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और माता वैष्णो देवी के दर्शन सुचारू रूप से जारी रहें।

कश्मीर को बड़ी सौगात, अनंतनाग स्टेशन पर वंदे भारत का प्रायोगिक ठहराव मंजूर

रेल मंत्रालय की मंजूरी के बाद अनंतनाग में वंदे भारत के ठहराव की तैयारी तेज

वंदे भारत के प्रायोगिक ठहराव से अनंतनाग और आसपास के यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत।

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। अनंतनाग रेलवे स्टेशन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। रेल मंत्रालय ने जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को अनंतनाग स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर ठहराव देने की मंजूरी दे दी है। सुरक्षा संबंधी आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद सुविधाजनक तारीख से ट्रेन का ठहराव शुरू किया जाएगा। इससे अनंतनाग और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को जम्मू तथा श्रीनगर के बीच तेज और सुविधाजनक रेल यात्रा का विकल्प मिलेगा।

रेलवे बोर्ड की ओर से जारी सूचना के अनुसार, जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को अनंतनाग में ठहराव देने की व्यवस्था की जाएगी। फिलहाल इसे प्रायोगिक आधार पर शुरू किया जाएगा। ठहराव शुरू होने के बाद रेलवे इसकी उपयोगिता और यात्रियों की प्रतिक्रिया का आकलन करेगा। इसके लिए अनंतनाग स्टेशन पर टिकट बिक्री पर विशेष नजर रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

रेलवे बोर्ड ने अधिकारियों से कहा है कि आवश्यक सुरक्षा मंजूरी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द से जल्द उपयुक्त तारीख तय कर ठहराव शुरू किया जाए। साथ ही इस सुविधा का व्यापक प्रचार करने और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

अनंतनाग में वंदे भारत के ठहराव से स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में आने वाले पर्यटकों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और नौकरी या अन्य कार्यों से यात्रा करने वाले लोगों के लिए यह सुविधा महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू से दक्षिण भारत तीर्थयात्रा के लिए चलेगी भारत गौरव ट्रेन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम की ओर से श्रद्धालुओं के लिए दक्षिण भारत की विशेष धार्मिक यात्रा आयोजित की जा रही है। भारत गौरव विशेष पर्यटक ट्रेन 14 नवंबर को जम्मू से रवाना होगी और 26 नवंबर को वापस पहुंचेगी। 12 रात और 13 दिन की इस यात्रा में रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, तिरुपति और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रियों को जम्मू के अलावा पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख स्टेशनों से ट्रेन में सवार होने की सुविधा मिलेगी। यात्रा के लिए अर्थव्यवस्था, मानक और सुविधा तीन श्रेणियां रखी गई हैं। शुल्क में रेल यात्रा, भोजन, ठहरने, स्थानीय बस परिवहन और दर्शनीय स्थलों का भ्रमण शामिल है। यात्रियों की सुविधा के लिए सुरक्षा, स्वच्छता, सहायक दल और चिकित्सकीय सहायता की व्यवस्था भी रहेगी। निगम का उद्देश्य एक ही यात्रा में श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है।

जम्मू के चेस्ट डिजीज अस्पताल में फेफड़ों की जांच को मिली नई अत्याधुनिक सुविधा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। राजकीय मेडिकल कॉलेज जम्मू के चेस्ट डिजीज अस्पताल में एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू की गई है। यह जम्मू संभाग में अपनी तरह की पहली उन्नत और न्यूनतम इनवेसिव जांच सुविधा है। इससे फेफड़ों के कैंसर, टीबी और अन्य श्वसन रोगों का अधिक सटीक निदान संभव होगा। सुविधा की स्थापना श्वसन रोग विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल गुप्ता के नेतृत्व में की गई है। प्रारंभिक चरण में तीन मरीजों की सफलतापूर्वक जांच की गई। यह प्रक्रिया जीएमसी श्रीनगर के विशेषज्ञ डॉ. नावेद नजीर शाह की देखरेख में हुई, जबकि एनेस्थीसिया और पैथोलाजी विभाग ने सहयोग दिया। ईबीयूएस तकनीक से वायुमार्ग के आसपास मौजूद घावों और लसीका ग्रंथियों से लक्षित तरीके से ऊतक के नमूने लिए जा सकते हैं। इससे कई मरीजों को जटिल शल्य प्रक्रिया से राहत मिल सकती है। सुविधा शुरू होने से जम्मू और आसपास के मरीजों को उन्नत जांच के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा तथा समय और खर्च की बचत होगी।

हुंडरमैन बनेगा सीमावर्ती विरासत पर्यटन का नया केंद्र

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने कारगिल दौरे के दौरान नियंत्रण रेखा के पास स्थित ऐतिहासिक हुंडरमैन गांव का दौरा किया। उन्होंने गांव को सीमावर्ती और विरासत पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजनाओं की समीक्षा की। परियोजना के तहत दृश्य स्थल, पार्किंग, सूचना केंद्र, पैदल मार्ग, कैफे, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा कैमरे और सौर सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने विकास कार्य अक्टूबर के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए।

अलीगढ़ के बाद भद्रवाह में भी प्रेम कहानी का दुखद अंत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे जम्मू निवासी कृष्ण शर्मा की आत्महत्या के मामले में नया मोड़ आया है। कृष्ण के साथ प्रेम संबंध में रही डोडा जिले के भद्रवाह की युवती ने भी आत्महत्या कर ली। युवती अपनी बहन के साथ जम्मू के मस्तगढ़ स्थित कृष्ण के घर में किराये पर रहती थी। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध बना था। परिवार की आपत्ति के बाद दोनों बहनों ने करीब दो महीने पहले कमरा छोड़ दिया था। युवती जम्मू के इंदिरा गांधी राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में बीडीएस की पढ़ाई कर रही थी और रक्षाबंधन पर भद्रवाह स्थित अपने घर गई थी। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे परिजनों ने उसे कमरे में मृत पाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बुधवार को अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कल से फिर शुष्क रहेगा मौसम कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना

12 सितंबर तक मौसम सामान्यत: शुष्क, कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना।

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आने वाले दिनों में मौसम सामान्यत: शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से गुरुवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार तीन से 12 सितंबर तक केंद्र शासित प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अनुसार तीन सितंबर को जम्मू-कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ और शुष्क रह सकता है। हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना बनी हुई है। आज मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

इस दौरान कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली चमकने की घटनाएं हो सकती हैं। मौसम विभाग ने कुछ स्थानों पर तेज बारिश की भी संभावना जताई है। ऐसे में संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पूर्वानुमान के अनुसार पांच से 12 सितंबर के बीच मौसम एक बार फिर सामान्यत: शुष्क हो जाएगा। इस अवधि में छिटपुट स्थानों पर थोड़े समय के लिए हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

सात जिलों में बनेंगी स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदें, उपराज्यपाल सक्सेना ने दी हरी झंडी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लद्दाख के लोगों के लिए बड़ी खबर है। केंद्र सरकार के फैसले के बाद अब लद्दाख के सभी सात जिलों में अलग-अलग स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) बनाने का रास्ता साफ हो गया है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सातों परिषदों के गठन से संबंधित अधिसूचना को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर शासन और विकास व्यवस्था को मजबूत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

केंद्र सरकार ने 13 जुलाई 2026 को लद्दाख में नए स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों के गठन की घोषणा की थी। अब उपराज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद संबंधित प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। सातों जिलों में अलग-अलग परिषदें बनने से स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं को तैयार करने और उन्हें लागू करने में तेजी आने की उम्मीद है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सातों परिषदों के गठन से स्थानीय शासन में लोगों की भागीदारी बढ़ेगी और जमीनी स्तर पर प्रशासन को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर विकास और योजना तैयार करते समय स्थानीय लोगों की जरूरतों, उम्मीदों और प्राथमिकताओं को बेहतर तरीके से शामिल किया जा सकेगा। इससे क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। लद्दाख में सात स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों के गठन को स्थानीय शासन के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे स्थानीय प्रतिनिधियों और लोगों की विकास प्रक्रिया में भूमिका बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही जिला स्तर पर प्रशासन और विकास कार्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा।

अनंतनाग के दोरू इलाके में भालू ने व्यक्ति पर हमला कर किया घायल

◆ घायल व्यक्ति जीएमसी रेफर

भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में गुरुवार को भालू के हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना जिले के दोरू इलाके के मीरमादान क्षेत्र में हुई, जहां एक बाग में काम के दौरान व्यक्ति पर जंगली भालू ने हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और स्थानीय लोगों ने घायल व्यक्ति को तत्काल उपचार के लिए दोरू के उप-जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक जांच और उपचार किया। उसकी स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे आगे के इलाज के लिए अनंतनाग स्थित सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय रेफर कर दिया।

घायल व्यक्ति की पहचान दोरू के मीरमादान निवासी मोहम्मद मकबूल भट के रूप में हुई है। फिलहाल उसका उपचार अनंतनाग के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय में चल रहा है। अधिकारी के अनुसार, घटना की जानकारी संबंधित विभागों को दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है। भालू के हमले की घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में जंगली जानवरों की मौजूदगी को लेकर सतर्कता बढ़ाने की मांग की है। दक्षिण कश्मीर के कई इलाकों में बागों और जंगलों के आसपास जंगली जानवरों की गतिविधियां देखी जाती रही हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों को बागों और जंगलों के आसपास जाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। अधिकारियों की ओर से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

नरवाल मंडी में बफर प्याज की आपूर्ति से आम लोगों को मिली राहत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। प्याज की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार ने बाजार में बफर स्टाक का प्याज उतारना शुरू कर दिया है। जम्मू की नरवाल मंडी में 35 टन प्याज पहुंचा है, जिसे 30 से 35 रुपये प्रति किलो की दर से बेचा जा रहा है। सस्ता प्याज उपलब्ध होने से बाजार में कीमतों पर दबाव बना है और आम लोगों को राहत मिलने लगी है।

नरवाल मंडी में अब तक बफर स्टाक से कुल 60 टन प्याज पहुंच चुका है। इसमें से 25 टन प्याज तत्काल बिक गया। सरकारी भंडार से भेजे जा रहे प्याज को ग्राहकों की ओर से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। व्यापारियों के अनुसार सस्ता प्याज बाजार में आने से अन्य प्याज की कीमतों में भी ठहराव आया है।

नरवाल मंडी के थोक व्यापारी अश्वनी शर्मा ने कहा कि सरकार की यह पहल आम लोगों के लिए बड़ी राहत है। हालांकि मंडी की रोजाना मांग के मुकाबले बफर स्टाक का प्याज कम मात्रा में पहुंच रहा है, लेकिन इसकी आमद से बाजार पर सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। नरवाल मंडी में सामान्य तौर पर रोजाना करीब 200 टन प्याज आता है।

व्यापारियों और उपभोक्ताओं ने सरकार से बफर स्टाक के प्याज की आपूर्ति बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सस्ता प्याज लगातार बाजार में उपलब्ध कराया जाता है तो जमाखोरी पर भी अंकुश लगेगा। इससे व्यापारियों पर अपने पुराने स्टाक को बाजार में उतारने का दबाव बनेगा और कीमतों में और कमी आने की संभावना है। बारिश के कारण कुछ क्षेत्रों में प्याज की फसल प्रभावित हुई है। इसके साथ ही बाजार में जमाखोरी की शिकायतों के कारण भी प्याज के दाम बढ़े हैं। फिलहाल दूसरे राज्यों से आने वाला प्याज करीब 60 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है।

चार शोभायात्राओं और प्रमुख मंदिरों में तैनात रहेगा अतिरिक्त पुलिस बल

जन्माष्टमी पर जम्मू में सुरक्षा कड़ी, मंदिरों और शोभायात्राओं पर पुलिस की पैनी नजर

मंदिरों में प्रवेश और निकासी व्यवस्था पर रहेगा विशेष ध्यान।

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर जम्मू पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। शहर और बाहरी क्षेत्रों में होने वाले धार्मिक आयोजनों को देखते हुए पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर वीरवार को जम्मू शहर और आसपास के क्षेत्रों में चार बड़ी शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। वहीं जन्माष्टमी के दिन प्रमुख कृष्ण मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए मंदिरों, शोभायात्रा मार्गों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

मंदिरों में अतिरिक्त जवान : जम्मू पुलिस ने शहर और आसपास के प्रमुख कृष्ण मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। मंदिर परिसरों में पुलिस और सुरक्षा जवानों की तैनाती की जाएगी। श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित रखने के लिए प्रवेश और निकासी व्यवस्था पर भी विशेष नजर रखी जाएगी।

भीड़ प्रबंधन पर विशेष जोर

जन्माष्टमी के दिन मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। ऐसे में पुलिस ने प्रवेश और निकासी के रास्तों को व्यवस्थित रखने तथा भीड़ को एक स्थान पर जमा होने से रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध किए हैं। पुलिसकर्मी मंदिरों के आसपास लगातार गश्त करेंगे और जरूरत के अनुसार भीड़ को नियंत्रित करेंगे।

लोगों से सहयोग की अपील

जम्मू पुलिस ने श्रद्धालुओं और आम लोगों से सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत निकटतम पुलिसकर्मी को दी जाए।.

सोपोर में जमात-ए-इस्लामी से जुड़ी संपत्तियां पुलिस ने कीं कुर्क

◆ सोपोर में दो इमारतें, छह दुकानें और जमीन की गई कुर्क

◆ डोरू में स्कूल समेत कई संपत्तियां कानूनी कार्रवाई के दायरे में

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर से कथित रूप से जुड़ी संपत्तियों के खिलाफ सोपोर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने डोरू इलाके में दो दो-मंजिला इमारतों, छह दुकानों और करीब दो कनाल जमीन को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत कुर्क किया है। यह कार्रवाई सोपोर थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 42/2025 की जांच के सिलसिले में की गई।

पुलिस के अनुसार मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम की धारा 10 और 13 के तहत जांच चल रही है। जांच के दौरान संबंधित संपत्तियों के दस्तावेज, राजस्व रिकॉर्ड और अन्य आधिकारिक अभिलेखों की जांच की गई। संबंधित अधिकारियों से सत्यापन के बाद इन संपत्तियों का कथित संबंध जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर से होने की बात सामने आई।

मंडलायुक्त के आदेश के बाद कार्रवाई : पुलिस की ओर से तैयार विस्तृत दस्तावेज के आधार पर कश्मीर के मंडलायुक्त ने 12 अगस्त 2026 को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम की धारा 8(1) के तहत डोरू स्थित इस्लामिया मॉडल स्कूल की संपत्तियों को अधिसूचित किया था। पुलिस के अनुसार यह स्कूल वर्ष 2022 से बंद है। अधिसूचना के दायरे में स्कूल की दो दो-मंजिला इमारतें, छह दुकानें और करीब दो कनाल जमीन शामिल हैं।

इसके बाद सोपोर पुलिस के अनुरोध पर बारामूला के जिला मजिस्ट्रेट ने अधिनियम की धारा 8(3) और 8(4) के तहत आवश्यक आदेश जारी किए। इन आदेशों के अनुपालन में पुलिस टीम कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मौके पर पहुंची और संपत्तियों की कुर्की की प्रक्रिया पूरी की।

कारगिल में खुला पासपोर्ट केंद्र, लोगों को मिली बड़ी राहत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। कारगिल में पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र खुलने से स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई है। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बुधवार को केंद्र का उद्घाटन किया। अब कारगिल, जंस्कार और द्रास क्षेत्र के लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए लेह या श्रीनगर की लंबी यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। यह केंद्र लद्दाख का दूसरा और देश का 457वां पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र है। इसे विदेश मंत्रालय ने डाक विभाग के सहयोग से स्थापित किया है। केंद्र से विदेश में शिक्षा, रोजगार और यात्रा के लिए पासपोर्ट बनवाने वाले नागरिकों को सुविधा मिलेगी। उपराज्यपाल ने इसे दूरदराज क्षेत्रों तक नागरिक सेवाओं की पहुंच बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। विदेश राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य पासपोर्ट सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाना है। केंद्र खुलने से क्षेत्रवासियों का समय और यात्रा खर्च भी बचेगा।

मुख्यमंत्री उमर ने कहा- बयान तभी सार्थक, जब समाज में भेदभाव खत्म हो

भागवत के बयान पर उमर का जोर विचारों को व्यवहार में उतारने की चुनौती

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के मुसलमानों को लेकर दिए बयान का स्वागत किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों की वास्तविक अहमियत तभी होगी, जब उनका असर समाज और जमीन पर भी दिखाई दे। उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर समेत देश के कई हिस्सों में मुसलमानों को आज भी विभिन्न स्तरों पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार मुसलमानों को मकान किराये पर लेने में परेशानी होती है। इसके अलावा छात्रों और नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को भी उनकी धार्मिक पहचान के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उमर ने कहा कि यदि यह विचार स्वीकार किया जाता है कि भारत में मुसलमानों को बाहरी नहीं माना जाना चाहिए, तो इसे व्यवहार में भी लागू किया जाना जरूरी है।

बता दें कि न्यूयॉर्क में आयोजित एक विश्व एक मानवता कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा था कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए तो वह हिंदू नहीं हो सकता।

कनाचक में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पकड़ा गया पाकिस्तानी घुसपैठिया

◆ सुरक्षा एजेंसियों ने घुसपैठिए से शुरू की पूछताछ, अधिकारी जुटा रहे अहम जानकारी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के कनाचक सेक्टर में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ लिया। यह कार्रवाई सीमा पर तैनात जवानों ने सतर्कता के दौरान की। घुसपैठिए के पकड़े जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं और उससे पूछताछ की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार सीमा सुरक्षा बल की 44वीं बटालियन के जवानों ने गुरुवार को सीमा चौकी सोहन के पास एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि देखी। जवानों ने सतर्कता बरतते हुए उसे रोक लिया और पूछताछ के बाद हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पकड़ा गया व्यक्ति पाकिस्तान का रहने वाला है और उसने अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया था।

घुसपैठिए को हिरासत में लेने के बाद उसे सीमा सुरक्षा बल की निगरानी में रखा गया है। वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जवानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति की पहचान और भारत में प्रवेश करने के उसके उद्देश्य का पता लगाने के लिए पूछताछ की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि वह किसी विशेष मकसद से सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में आया था या गलती से सीमा पार कर गया।

मनुष्य जन्म : सृष्टि की सबसे दुर्लभ देन और परमात्मा से मिलाप का अनमोल अवसर

डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह, जिला मंडी

इस संसार में जितने भी संत-महात्मा, ऋषि-मुनि और धर्मगुरु हुए हैं, सभी ने मनुष्य जीवन को अत्यंत दुर्लभ और अनमोल बताया है। लगभग सभी धर्मग्रंथों में मनुष्य देह की महिमा का विशेष वर्णन मिलता है। इसका कारण यह है कि मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जिसे सोचने-समझने, विवेक करने और आध्यात्मिक उन्नति करने की क्षमता प्राप्त है।

इसी देह के भीतर उस सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापक और सर्वज्ञ परमात्मा का निवास बताया गया है जिसने समस्त सृष्टि की रचना की है। इसलिए ऋषियों और मुनियों ने मनुष्य शरीर को 'नर-नारायणी देह' कहा है। उनका मानना था कि जो व्यक्ति परमात्मा से मिलाप करना चाहता है, वह उसी से मनुष्य शरीर के भीतर ही मिल सकता है। धार्मिक परंपराओं में यह भी कहा गया है कि देवता भी मनुष्य देह प्राप्त करने के लिए तरसते हैं, क्योंकि प्रभु से साक्षात्कार का अवसर इसी शरीर में मिलता है। कहा गया है-'इस देह को सिमरे देव, सो देह भज हर की सेव।' अर्थात देवता भी इस देह की महिमा का स्मरण करते हैं और यह शरीर प्रभु भक्ति का सर्वोत्तम साधन है। वास्तव में मनुष्य देह का मूल उद्देश्य केवल सांसारिक सुख-सुविधाओं का उपभोग करना नहीं, बल्कि आत्मज्ञान प्राप्त कर परमात्मा की अनुभूति करना है।

रामचरितमानस के उत्तरकांड में पक्षीराज गरुड़ महात्मा काकभुशुंडी से प्रश्न करते हैं-'प्रथम कहो नाथ मति धीरा, सबसे दुर्लभ कवन शरीरा?' अर्थात हे महात्मा! कृपा करके यह बताइए कि इस संसार में सबसे दुर्लभ शरीर कौन-सा है? इसका उत्तर देते हुए महात्मा काकभुशुंडी कहते हैं-'नर तन सम नहीं कवन देह, जीव चराचर जाचत तेहि।' अर्थात मनुष्य शरीर से बढ़कर कोई दूसरी देह नहीं है, क्योंकि सभी चर-अचर जीव इसी देह को प्राप्त करने की इच्छा करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि मनुष्य जीवन वास्तव में अत्यंत मूल्यवान और दुर्लभ है।

सूफी संतों ने भी मनुष्य को 'सृष्टि का सिरताज' कहा है, अर्थात सृष्टि की सर्वोच्च और श्रेष्ठ रचना। इसी प्रकार ईसा मसीह ने मनुष्य शरीर को 'टेंपल ऑफ लिविंग गॉड' यानी जीवित परमात्मा का मंदिर कहा है। इन सभी विचारों का सार यही है कि मनुष्य शरीर केवल भौतिक जीवन जीने के लिए नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति और परमात्मा की प्राप्ति के लिए मिला है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिखा है-'बड़े भाग मनुष्य तन पावा, सुर दुर्लभ सब ग्रंथन गावा।' अर्थात मनुष्य शरीर बड़े भाग्य से प्राप्त होता है और यह देवताओं के लिए भी दुर्लभ है। तुलसीदास जी आगे कहते हैं-'देह धरे कर यह फल भाई, भजे राम सब काम बिहाई।' अर्थात इस शरीर को धारण करने का वास्तविक फल यही है कि मनुष्य सांसारिक मोह-माया और वासनाओं से ऊपर उठकर प्रभु भक्ति करे। आदि ग्रंथ साहिब में पंचम गुरु श्री गुरु अर्जुन देव जी का कथन है-'भई प्राप्त मानुख देहूरिया, गोविंद मिलन की यह तेरी बरिया।' अर्थात यह मनुष्य देह परमात्मा से मिलने का सर्वोत्तम अवसर है। इसलिए मनुष्य को चाहिए कि वह संत-संगत में रहकर प्रभु नाम का स्मरण करे और अपने जीवन को सार्थक बनाए। संत गुरु रविदास जी ने भी कहा है-'दुर्लभ जन्म पुन फल पायो, व्यर्थ जात अविवेका।' अर्थात यह दुर्लभ मनुष्य जन्म अनेक पुण्य कर्मों के फलस्वरूप प्राप्त होता है, लेकिन यदि इसे विवेक और भक्ति के बिना व्यर्थ कर दिया जाए तो इसका कोई लाभ नहीं रहता। इसी प्रकार संत दादू दयाल जी कहते हैं-'ऐसा जन्म अमोलक भाई, जा में आए मिले राम राय।' अर्थात यह जन्म इतना अनमोल है कि इसमें आकर मनुष्य परमात्मा से मिल सकता है। इसलिए इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए।

इन सभी संतों और महापुरुषों की शिक्षाओं से स्पष्ट होता है कि मनुष्य जीवन केवल भोग-विलास और सांसारिक सुखों के लिए नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य आत्मज्ञान प्राप्त करना, प्रभु का स्मरण करना और अपने जीवन को सेवा, भक्ति और सद्कर्मों के माध्यम से सार्थक बनाना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

महंगाई की मार से आम आदमी की थाली और घरेलू बजट पर बढ़ता जा रहा दबाव

डॉ. प्रियंका 'सौरभ'
सामाजिक चिंतक

भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में महंगाई केवल एक आर्थिक अवधारणा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली वास्तविकता है। हाल के महीनों में खाद्य तेल, साबुन, डिटर्जेंट, कॉफी, दालें, शैंपू और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने आम उपभोक्ता की चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

महंगाई का सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इन परिवारों की आय सीमित होती है और उनका अधिकांश खर्च भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आवास जैसी बुनियादी जरूरतों पर होता है। वस्तुओं के दाम बढ़ने पर उनकी बचत घट जाती है और कई बार उन्हें अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है या ऋण का सहारा लेना पड़ता है। खाद्य तेलों की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव घरेलू बाजार पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और परिवहन लागत में वृद्धि ने खाद्य तेलों को और महंगा बना दिया है।

महंगाई का दूसरा प्रमुख कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी है। पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर महंगे होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिसका असर कृषि, उद्योग और व्यापार सहित पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। खेत से मंडी और फैक्ट्री से बाजार तक हर स्तर पर लागत बढ़ने के कारण वस्तुओं के दाम ऊंचे हो जाते हैं। बढ़ती लागत का दबाव कंपनियों पर भी दिखाई दे रहा है। कच्चे माल, बिजली, परिवहन और पैकेजिंग की बढ़ी हुई लागत की भरपाई के लिए कंपनियां या तो कीमतें बढ़ा रही हैं या उत्पादों की मात्रा कम कर रही हैं। समान कीमत पर कम मात्रा में उत्पाद मिलने की इस प्रवृत्ति को 'श्रिंकफ्लेशन' कहा जाता है, जो महंगाई का छिपा हुआ रूप है।

महंगाई का सबसे सीधा प्रभाव घरेलू रसोई पर पड़ता है। यदि किसी परिवार का मासिक रसोई बजट पहले 15 हजार रुपए था, तो अब यह बढ़कर 17 से 18 हजार रुपए तक पहुंच सकता है। यह अतिरिक्त खर्च वार्षिक स्तर पर हजारों रुपए का बोझ बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों की बढ़ती कीमतों ने कृषि लागत को बढ़ाया है, जिससे किसान और उपभोक्ता दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

महंगाई के सामाजिक प्रभाव भी गंभीर हैं। परिवार सबसे पहले मनोरंजन और गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करते हैं, लेकिन स्थिति लंबे समय तक बनी रहने पर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण पर भी असर पड़ने लगता है। इससे बच्चों के पोषण स्तर और मानव संसाधन विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यद्यपि नियंत्रित महंगाई आर्थिक विकास का संकेत मानी जाती है, लेकिन जब कीमतें आय और रोजगार की वृद्धि से अधिक तेजी से बढ़ने लगती हैं, तब लोगों की वास्तविक क्रय शक्ति घटने लगती है। वर्तमान समय में यही चुनौती सामने है।

महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न कदम उठाते हैं, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण इनके परिणाम सीमित रह सकते हैं। आवश्यक है कि घरेलू उत्पादन बढ़ाया जाए, कृषि अवसंरचना को मजबूत किया जाए, आपूर्ति शृंखला को अधिक कुशल बनाया जाए तथा जमाखोरी और कृत्रिम मूल्य वृद्धि पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

महंगाई आम आदमी की थाली, रसोई और भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। इसका समाधान सरकार, उद्योग और उपभोक्ताओं के साझा प्रयासों से ही संभव है। जब तक महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होगा, तब तक विकास का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाएगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

संपादकीय

आतंकवाद पर दोहरे मापदंड नहीं

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को एक बार फिर स्पष्ट शब्दों में सामने रखा। सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत सदस्य देशों के शीर्ष नेता मौजूद थे। ऐसे समय में मोदी का यह कहना कि आतंकवाद के सुरक्षित ठिकानों को ध्वस्त करना होगा और आतंकियों के वित्त पोषण के पूरे तंत्र को समाप्त करना होगा, महज एक सामान्य कूटनीतिक वक्तव्य नहीं था। यह उन ताकतों के लिए स्पष्ट संदेश था जो आतंकवाद को किसी न किसी रूप में संरक्षण देती हैं या उसके प्रति नरम रवैया अपनाती हैं।

भारत लंबे समय से इस बात पर जोर देता रहा है कि आतंकवाद को केवल आतंकियों को निशाना बनाकर समाप्त नहीं किया जा सकता। आतंकवाद एक संगठित व्यवस्था के रूप में काम करता है, जिसके पीछे धन, हथियार, प्रशिक्षण, भर्ती, कट्टरपंथी विचारधारा और सुरक्षित ठिकानों का पूरा नेटवर्क होता है। इसलिए आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई भी व्यापक और बहुआयामी होनी चाहिए। केवल किसी आतंकी को पकड़ लेना या उसके ठिकाने पर कार्रवाई कर देना पर्याप्त नहीं है। जब तक उसे आर्थिक सहायता देने वाले स्रोत, हथियार उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क, भर्ती करने वाले संगठन और कट्टरपंथ फैलाने वाली व्यवस्थाएं सक्रिय रहेंगी, तब तक आतंकवाद का खतरा बना रहेगा।

भारत के लिए यह संदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सीमा पार आतंकवाद दशकों से उसकी सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। पाकिस्तान का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के पूरे तंत्र को निशाना बनाने की बात कही। इससे भारत की उस रणनीति का संकेत मिलता है जिसमें किसी एक देश को कठघरे में खड़ा करने के बजाय आतंकवाद के व्यापक ढांचे के खिलाफ वैश्विक सहयोग जुटाने पर जोर दिया जा रहा है। भारत का अनुभव बताता है कि आतंकवाद को राजनीतिक, रणनीतिक या कूटनीतिक सुविधा के आधार पर अलग-अलग नजरिये से देखने की प्रवृत्ति खतरनाक है।

शंघाई सहयोग संगठन इस संदर्भ में महत्वपूर्ण मंच बन सकता है। इसमें भारत के साथ चीन, रूस और मध्य एशिया के कई देश शामिल हैं। इन देशों के सुरक्षा हित अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन आतंकवाद का खतरा सभी के लिए साझा है। आतंकवाद का वित्त पोषण, हथियारों की तस्करी, कट्टरपंथी संगठनों का विस्तार और आतंकी नेटवर्क की सीमा पार गतिविधियां किसी एक देश की समस्या नहीं रह गई हैं। आधुनिक संचार माध्यमों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था ने आतंकियों को अपनी गतिविधियों के लिए नए रास्ते उपलब्ध कराए हैं। ऐसे में किसी एक देश की कार्रवाई पर्याप्त नहीं हो सकती।

एससीओ को आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा सहयोग के साथ-साथ खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन पर निगरानी, सीमा सुरक्षा और कट्टरपंथ की रोकथाम के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। आतंकवाद से मुकाबले के लिए केवल सैन्य कार्रवाई पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से दूर रखने, रोजगार और शिक्षा के अवसर बढ़ाने तथा इंटरनेट के माध्यम से फैलाए जा रहे हिंसक प्रचार पर प्रभावी नियंत्रण की भी जरूरत है।

भारत ने अवसर के तीन स्तंभों पर आगे बढ़ने का दृष्टिकोण भी सामने रखा है। इसका अर्थ है कि सुरक्षा के साथ आर्थिक सहयोग, संपर्क और विकास को भी महत्व दिया जाना चाहिए। सुरक्षित वातावरण के बिना क्षेत्रीय व्यापार और निवेश आगे नहीं बढ़ सकते। इसी तरह आर्थिक प्रगति और लोगों के बीच संपर्क के बिना स्थायी क्षेत्रीय शांति भी संभव नहीं है। इसलिए आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष और क्षेत्रीय विकास को एक-दूसरे का पूरक मानना होगा।

एससीओ यदि वास्तव में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग का प्रभावी मंच बनना चाहता है तो उसे आतंकवाद के सवाल पर दोहरे मापदंड छोड़ने होंगे। आतंकवाद को अच्छा या बुरा बताने की नीति किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। आतंकवादी संगठन और उनके समर्थक चाहे किसी भी विचारधारा या राजनीतिक उद्देश्य का हवाला दें, हिंसा का इस्तेमाल उन्हें वैध नहीं बना सकता। भारत का संदेश इसी वैश्विक सहमति की जरूरत को रेखांकित करता है। आतंकवाद के स्थायी समाधान के लिए साझा प्रयास, निर्णायक कार्रवाई और समान मानदंड ही आगे का रास्ता हैं।

- शिवांश धाकड़

कविता

दूर हो बहुत...

रवींद्र कुमार शर्मा, घुमारवीं
जिला बिलासपुर (हि. प्र.)

बाहर ही मिलता है सब कुछ, यह नासमझी की हैं बातें
अमेरिका और कनाडा की रातों से, हैं सुंदर मेरे भारत की रातें
क्या वहां मिलेगा जो यहां नहीं मिलता, देखा है बहुत ऊंचा
उड़ने का सपना
वह रिश्ते मां-बाप का प्यार नहीं मिलेगा जिसके लिए छोड़
दिया घर अपना
दूर हो बहुत घर की याद तो आती होगी
सपनों की दीवार बीच में आ जाती तो होगी
मिलता होगा जब कोई हमवतन तो, याद वतन की बहुत
आती तो होगी
गांव खेत खलिहान दोस्त सब पीछे छूटे,दूर हुए भाई बंधु
रिश्ते नाते सब टूटे
देखते रहते हैं राह बूढ़े माता-पिता तुम्हारी,निकले खून के सब
रिश्ते भी झूठे
आती होगी याद वह गांव की हवा ठंडी ठंडी
कहां भूलती होगी वह पहाड़ी से जाती पगडंडी
न कोई दोस्त न कोई अपना है विदेश में
याद तो आती होगी शाम को लगती दोस्तों की वह मंडी
आ जा विदेश छोड़कर तुझको धरती तेरी पुकारती
पत्थरा गई हैं बूढ़ी आंखें तेरी राह निहारती
पराए हैं लोग वहां कोई नहीं है अपना
कैसे भूला उस मां को जो आने पर तेरी आरती थी उतारती

जब रिश्ते जरूरत पर टिक जाएं तो भावनाओं और विश्वास की नींव कमजोर होने लगती है

नरेंद्र भारती
स्वतंत्र लेखक

आज के समय में रिश्तों की प्रकृति तेजी से बदल रही है। पहले संबंध भावनाओं, विश्वास और आपसी सहयोग पर आधारित होते थे, लेकिन अब कई बार वे आवश्यकता और सुविधा के आधार पर तय होते दिखाई देते हैं। जब तक किसी व्यक्ति से कोई काम निकल रहा होता है, तब तक उसका महत्व बना रहता है, और जैसे ही कोई बेहतर विकल्प सामने आता है, पुराने रिश्ते धीरे-धीरे पीछे छूट जाते हैं। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक व्यवहार का व्यापक हिस्सा बन चुका है।

मानव स्वभाव में स्वार्थ का तत्व हमेशा से मौजूद रहा है, लेकिन पहले इसे सामाजिक मर्यादाओं, नैतिकता और भावनात्मक जिम्मेदारी के कारण संतुलित किया जाता था। आज डिजिटल युग में यह संतुलन कमजोर पड़ता दिख रहा है। संवाद की जगह मौन ने ले ली है। संदेश पढ़ लिए जाते हैं, लेकिन उत्तर नहीं आते; कॉल अनदेखी कर दी जाती है; और मुलाकातें औपचारिकता तक सीमित रह जाती हैं। इस तरह बिना स्पष्ट कारण के दूरी बना लेना अब सामान्य व्यवहार बनता जा रहा है। विकल्पों की बढ़ती उपलब्धता ने इस प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। जब किसी व्यक्ति को लगता है कि उसका काम किसी और माध्यम से अधिक तेज या बेहतर तरीके से हो सकता है, तो वह तुलना करने लगता है।

नया विकल्प अधिक सुविधाजनक और प्रभावी प्रतीत होता है, जबकि पुराना संबंध अनावश्यक या बोझिल लगने लगता है। कई बार यह मानसिकता भी विकसित होती है कि पुराने रिश्ते को बनाए रखना भावनात्मक निर्भरता है, इसलिए दूरी बनाना ही बेहतर विकल्प है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने इस प्रक्रिया को और आसान बना दिया है। पहले किसी रिश्ते को खत्म करने के लिए आमने-सामने बातचीत और स्पष्टीकरण आवश्यक होता था, लेकिन अब केवल एक क्लिक में अनफॉलो, म्यूट या ब्लॉक करके दूरी बनाई जा सकती है।

इससे टकराव से बचाव तो होता है, लेकिन संवाद और भावनात्मक जिम्मेदारी कमजोर पड़ती जाती है। इस प्रवृत्ति का प्रभाव केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। राजनीति, व्यापार, पत्रकारिता और अन्य सामाजिक क्षेत्रों में भी यह व्यवहार देखा जा सकता है, जहां आवश्यकता समाप्त होते ही पुराने सहयोगी या संबंध पीछे छोड़ दिए जाते हैं। इससे विश्वास की नींव कमजोर होती है और संबंधों में अस्थिरता बढ़ती है।

हालांकि, इस स्थिति को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना भी पूर्णत: सही नहीं होगा। आधुनिक जीवन में विकल्पों का होना आवश्यक है, क्योंकि यह व्यक्ति को अधिक स्वतंत्र, सक्षम और प्रतिस्पर्धी बनाता है। समस्या विकल्प चुनने में नहीं, बल्कि संबंधों को बिना सम्मान और स्पष्ट संवाद के समाप्त करने में है। यदि कोई रिश्ता आगे नहीं चल सकता, तो उसे ईमानदारी और आभार के साथ स्वीकार करना अधिक मानवीय और संतुलित दृष्टिकोण है। रिश्तों की मजबूती केवल उपयोगिता पर आधारित नहीं हो सकती। वे संवेदना, सम्मान और पारस्परिक समझ पर टिके होते हैं। जब व्यक्ति अपने पुराने संबंधों को पूरी तरह नकार देता है, तो वह केवल दूसरों को नहीं, बल्कि अपने भावनात्मक आधार को भी कमजोर करता है। जीवन में आगे बढ़ना आवश्यक है, लेकिन अतीत और उन लोगों को सम्मान देना भी उतना ही जरूरी है जिन्होंने किसी न किसी रूप में हमारे जीवन को प्रभावित किया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

हिंदी से तमिल सिनेमा तक

रागिनी नंदवानी
जन्म : 4 सितंबर 1989

रागिनी नंदवानी भारतीय अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हिंदी, तमिल और मलयालम फिल्मों तथा टेलीविजन में अपने अभिनय से पहचान बनाई। उनका जन्म 4 सितंबर 1989 को उत्तराखंड के देहरादून में हुआ। अभिनय की दुनिया में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत छोटे टेलीविजन किरदारों से की। उन्होंने ये मेरी लाइफ है, थोड़ी खुशी थोड़े गम और सीआईडी जैसे धारावाहिकों में सहायक भूमिकाएं निभाईं। वर्ष 2011 में उन्हें बड़ा अवसर जी टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक मिसेज कौशिक की पांच बहुएं से मिला। इसमें उन्होंने लवली कौशिक की मुख्य भूमिका निभाई। उनका किरदार एक अलग सोच रखने वाली बहू का था और इस भूमिका ने उन्हें दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय बना दिया।

टेलीविजन पर सफलता के बाद रागिनी नंदवानी ने फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने वर्ष 2013 में अपराध और रहस्य पर आधारित फिल्म देहरादून डायरी से हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया। फिल्म की कहानी एक वास्तविक हत्या के मामले से प्रेरित थी। इसमें उन्होंने अध्ययन सुमन, अश्विनी कालसेकर, रति अग्निहोत्री, नीलिमा अजीम और रोहित बख्शी जैसे कलाकारों के साथ काम किया। फिल्म 4 जनवरी 2013 को रिलीज हुई थी। हालांकि इसे दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली और यह व्यावसायिक रूप से सफल नहीं रही। इसके बावजूद रागिनी के अभिनय को पहचान मिली और उन्हें आगे कई फिल्मों के प्रस्ताव मिलने लगे।

रागिनी नंदवानी ने इसके बाद तमिल फिल्म उद्योग में कदम रखा। वर्ष 2013 में उन्हें अभिनेता विजय के साथ फिल्म थलाइवा में काम करने का अवसर मिला। फिल्म का निर्देशन ए. एल. विजय ने किया था। यह एक एक्शन और रोमांचक फिल्म थी, जिसमें रागिनी ने उत्तर भारतीय युवती की भूमिका निभाई। फिल्म में अमला पॉल मुख्य महिला भूमिका में थीं। रागिनी के अनुसार उनकी फिल्म से जुड़ी अधिकांश शूटिंग मुंबई में लगभग 25 से 30 दिनों में पूरी हुई थी। थलाइवा को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

बदलते खानपान और दूषित जल के बढ़ते खतरे के बीच बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान जरूरी

सुखदेव सिंह
नूरपुर

स्कूली छात्रों के गलत खानपान और दूषित पानी के कारण बीमार पड़ने की घटनाओं ने हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग को सतर्क किया है। विभाग ने स्कूलों में विद्यार्थियों को उबला हुआ अथवा फिल्टर किया हुआ पानी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। यह कदम केवल स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि समाज को स्वच्छ जल के प्रति जागरूक करने का अवसर भी है। कभी जल संरक्षण और स्वच्छ पानी को लेकर स्कूलों की दीवारों, भवनों और पानी की टंकियों पर जल ही जीवन जैसे संदेश प्रमुखता से दिखाई देते थे। आज ऐसे संदेश कम दिखाई देते हैं। आवश्यकता है कि विद्यालयों में बच्चों को केवल पाठ्यक्रम के माध्यम से नहीं बल्कि व्यवहारिक रूप से भी स्वच्छ जल के महत्व के बारे में समझाया जाए।

दूषित पानी अनेक बीमारियों का कारण बन सकता है। बरसात के मौसम में जल स्रोतों में गंदगी और प्रदूषित पानी मिलने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे पानी के सेवन से बुखार, दस्त, उल्टी, पेट संबंधी परेशानी और अन्य संक्रमण हो सकते हैं। चिकित्सक भी संदिग्ध जल स्रोतों का पानी सीधे पीने के बजाय उसे उबालकर अथवा सुरक्षित तरीके से शुद्ध करके पीने की सलाह देते हैं। पानी को पर्याप्त तापमान तक गर्म करने से कई प्रकार के रोगाणुओं को नष्ट करने में मदद मिलती है। इसलिए ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से जल स्रोतों की निगरानी और पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच जरूरी है।

स्वच्छ पानी की जरूरत ने बोतलबंद पानी और घरेलू जल शोधन उपकरणों की मांग भी बढ़ाई है। शहरों में अनेक लोग बोतलबंद पानी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, जबकि कई घरों में जल शोधन उपकरण लगाए जा चुके हैं। हालांकि हर परिवार के लिए लगातार बोतलबंद पानी खरीदना आसान नहीं है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही बड़ी चुनौती है। ऐसे में सरकार और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उनके घरों के नजदीक उपलब्ध कराया जाए। स्वच्छ पानी किसी वर्ग विशेष की सुविधा नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की मूल आवश्यकता है।

जल स्रोतों के दूषित होने के पीछे कई कारण हैं। किसानों और बागवानों द्वारा फसलों को कीटों और रोगों से बचाने के लिए रसायनों तथा कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। यदि इनका इस्तेमाल निर्धारित मात्रा और वैज्ञानिक तरीके से न किया जाए तो वर्षा के पानी के साथ इनके अवशेष जल स्रोतों तक पहुंच सकते हैं। इसलिए कृषि विभाग को किसानों और बागवानों को सुरक्षित एवं संतुलित रसायन उपयोग के बारे में लगातार प्रशिक्षण देना चाहिए। प्राकृतिक खेती और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना भी जल संरक्षण की दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

जल भंडारण व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए पानी के भंडारण टैंकों की नियमित सफाई, मरम्मत और निगरानी आवश्यक है। कई स्थानों पर टैंकों की स्थिति खराब होने, रिसाव या रखरखाव की कमी के कारण जल संरक्षण का उद्देश्य प्रभावित होता है। पानी को लोगों तक पहुंचाने से पहले भंडारण टैंकों की स्वच्छता सुनिश्चित की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार सुरक्षित जल शोधन प्रक्रिया अपनाना और जल गुणवत्ता की नियमित जांच करना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

पानी की पाइपलाइन व्यवस्था में सुधार भी जरूरी है। कई ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पुरानी या क्षतिग्रस्त पाइपों से पानी का रिसाव होता रहता है। यदि पेयजल पाइप गंदी नालियों या दूषित स्थानों के संपर्क में हों तो पाइपलाइन के भीतर भी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए पाइपों की समय पर मरम्मत और सुरक्षित तरीके से बिछाने की व्यवस्था होनी चाहिए। पानी की आपूर्ति बंद होने के बाद पाइपलाइन में दूषित पानी के प्रवेश की संभावना को भी तकनीकी उपायों से रोकना जरूरी है।

राज्य सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को स्टेनलेस स्टील की बोतलें उपलब्ध करवाने की पहल भी सराहनीय है। इससे बच्चों को पर्याप्त पानी पीने की आदत विकसित करने के साथ-साथ एकल उपयोग वाली प्लास्टिक बोतलों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। यदि विद्यार्थी इन बोतलों की नियमित सफाई करें और लंबे समय तक उनका उपयोग करें तो यह कदम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उपयोगी साबित होगा। विद्यालयों में बच्चों को पानी की बोतल साफ रखने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और सुरक्षित जल का उपयोग करने के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी जानी चाहिए।

पानी केवल प्यास बुझाने के लिए नहीं बल्कि शरीर की अनेक सामान्य प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, हालांकि हर व्यक्ति की जरूरत मौसम, उम्र, शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग हो सकती है। अत्यधिक ठंडा पानी पीने को सीधे जहर कहना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं है। इसी तरह भोजन के साथ पानी पीने को सामान्य रूप से हानिकारक मानना भी सही नहीं है। मुख्य चिंता यह होनी चाहिए कि पानी सुरक्षित हो और व्यक्ति अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ ग्रहण करे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

ब्रज में धार्मिक पर्यटन का नया रंग, जैत गांव में पर्यटक सीख रहे तुलसी माला बनाना

एजेंसी, लखनऊ। जन्माष्टमी पर ब्रज में मंदिरों के साथ गांवों की ओर भी पर्यटकों का रुख बढ़ रहा है। मथुरा के जैत गांव में तुलसी माला निर्माण ग्रामीण पर्यटन का प्रमुख आकर्षण बन रहा है। यहां पर्यटक माला बनाने की कला देखने के साथ खुद माला तैयार कर सकते हैं। गांव में तुलसी माला निर्माण से 2,000 से अधिक परिवार जुड़े हैं। महिला समूहों के माध्यम से कारीगरों को संगठित कर इस पारंपरिक शिल्प को पर्यटन से जोड़ा जा रहा है। तुलसी मालाएं मथुरा-वृंदावन सहित दिल्ली, मुंबई और कोलकाता तक पहुंच रही हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि कार्यशालाओं, ग्रामीण अनुभवों और घरों में ठहरने की सुविधा से महिलाओं, किसानों, स्थानीय गाइडों और छोटे उद्यमियों के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। गांव में पांच घरों में ठहरने की सुविधाएं भी चिन्हित की गई हैं।

वाराणसी में बाढ़ के हालात पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिया अपडेट, डीएम-मेयर से की बात

एजेंसी, वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और महापौर अशोक तिवारी से अलग-अलग फोन पर बात कर नदी के जलस्तर और राहत शिविरों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर 70.60 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 71.26 मीटर है। जलस्तर में प्रति घंटे एक सेंटीमीटर वृद्धि हो रही है। प्रधानमंत्री ने प्रभावित लोगों को युद्धस्तर पर राहत पहुंचाने और आवश्यक सामग्री की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविरों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखने तथा भोजन, पेयजल और दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

शिक्षक दिवस पर प्रदेश के 81 अध्यापकों को सम्मानित करेंगे मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। शिक्षक दिवस पर 05 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के 81 शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार 2025 और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार 2025 से सम्मानित करेंगे। समारोह गोरखपुर के योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित होगा। राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के 61 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 20 शिक्षकों का चयन हुआ है। इनमें 33 शिक्षिकाएं शामिल हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग के चयनित शिक्षकों में पांच को मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार का उद्देश्य बेहतर शिक्षण, विद्यालय प्रबंधन, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना है। सम्मानित शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। साथ ही आजीवन परिवहन निगम की बसों में प्रतिवर्ष 4000 किलोमीटर निशुल्क यात्रा और सेवानिवृत्ति सीमा में दो वर्ष की बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा।

बांदा : बारिश से बागेन नदी पुल का एप्रोच मार्ग क्षतिग्रस्त, पुलिस ने बदला रूट

एजेंसी, बांदा। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते जिले के बदौसा क्षेत्र में बागेन नदी पुल का एप्रोच मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-35 पर यातायात प्रभावित हुआ है। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने पुल से ट्रक, बस और अन्य भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। फिलहाल पुल से केवल दोपहिया वाहन और छोटे वाहन सावधानीपूर्वक गुजर रहे हैं। क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत शुरू कर दी गई है। पुलिस ने यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने की सलाह दी है। बांदा से चित्रकूट जाने वाले यात्रियों को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और अन्य सुरक्षित मार्गों से जाने को कहा गया है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि मरम्मत कार्य पूरा होने तक पुल पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। प्रशासन ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और किसी भी जोखिम वाली स्थिति में सुरक्षित मार्ग अपनाने की अपील की है।

बसपा की अहम बैठक से आकाश आनंद नदारद मायावती बोलीं– अभी परिपक्व होने की जरूरत

बसपा प्रमुख ने कहा कि पार्टी अब देश में सभी छोटे-बड़े चुनाव अपने दम पर लड़ेगी

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक में चुनावी रणनीति को लेकर बड़ा संदेश दिया। लखनऊ स्थित बसपा मुख्यालय में आयोजित अखिल भारतीय बैठक में पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय रही। इससे पहले उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव को लेकर हुई बैठक में भी आकाश आनंद नजर नहीं आए थे। ऐसे में उनकी लगातार बैठकों से दूरी को लेकर पार्टी के भीतर और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बैठक के दौरान मायावती ने स्पष्ट किया कि बहुजन समाज पार्टी अब देश में होने वाले सभी छोटे-बड़े चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने पार्टी की चुनावी रणनीति को लेकर किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति को दूर करते हुए कहा कि बसपा अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरेगी। खास तौर पर उत्तर प्रदेश और पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी की तैयारियों पर भी बैठक में चर्चा हुई।

मायावती के इस रुख को आगामी चुनावों के लिए पार्टी की स्वतंत्र रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियां बढ़ाने पर भी जोर दिया। बसपा लंबे समय से अपने राजनीतिक आधार को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में पार्टी का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला चुनावी समीकरणों पर असर डाल सकता है। बैठक में आकाश आनंद की गैरमौजूदगी के बीच मायावती ने अपने भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करने का संकेत दिया।

मायावती की ओर से यह संदेश दिया गया कि आकाश आनंद को अभी और परिपक्व होने की जरूरत है। इससे पार्टी में उनकी भूमिका और भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं को भी नई दिशा मिली है। मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को चुनावी तैयारियों में जुटने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बसपा को अपनी विचारधारा और संगठन के आधार पर आगे बढ़ना है। पार्टी किसी अन्य दल के सहारे चुनावी राजनीति नहीं करेगी। सभी स्तरों पर संगठन को सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं को जनता के बीच पहुंचने के निर्देश दिए गए।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बसपा का अपना महत्वपूर्ण आधार रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मायावती का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राज्य में विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने समीकरण बनाने में जुटे हैं। वहीं पंजाब में भी बसपा ने अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति स्पष्ट कर दी है। बैठक के बाद अब पार्टी की नजर चुनावी तैयारियों को तेज करने पर होगी। मायावती खुद चुनावी मोर्चा संभालेंगी और संगठन को दिशा देंगी। दूसरी ओर, आकाश आनंद की गैरमौजूदगी और उन्हें लेकर मायावती के संदेश के बाद पार्टी के भीतर उनकी भूमिका को लेकर चर्चाएं जारी रहने की संभावना है। बसपा के इस फैसले से साफ है कि पार्टी आगामी चुनावों में गठबंधन की बजाय अपने संगठन और पारंपरिक जनाधार के भरोसे मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है।

चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित आश्रमों को पहुंचाई जाएगी मदद : शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद

एजेंसी, चित्रकूट

भगवान श्रीराम की पावन तपोभूमि चित्रकूट में पिछले आठ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और मंदाकिनी नदी के उफान से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बाढ़ से कई क्षेत्रों में नुकसान हुआ है। स्थिति पर चिंता जताते हुए शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महाराज ने प्रभावित कुटियां और आश्रमों को सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की है।

चित्रकूट बाढ़ पर शंकराचार्य ने जताई गहरी चिंता।

मथुरा के गोवर्धन में चातुर्मास व्रत के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा कि चित्रकूट से अत्यंत कष्टदायी समाचार मिल रहे हैं। भीषण बाढ़ के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य में जुटे स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और सेवाभावी लोगों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने विपरीत परिस्थितियों में स्थिति को सराहनीय ढंग से संभाला है। साथ ही सभी अखाड़ों, मठ-मंदिरों और समाजसेवियों से पीड़ितों की सहायता के लिए सेवा कार्य तेज करने की अपील की। गोवर्धनधारी भगवान श्रीकृष्ण से चित्रकूट में बारिश थमने और जनजीवन सामान्य होने की प्रार्थना करते हुए उन्होंने कहा कि चातुर्मास समाप्त होने के बाद वह स्वयं चित्रकूट पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेंगे।

उन्होंने टाटी घाट सहित दूरदराज के जंगल क्षेत्रों में साधना कर रहे संतों की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त कुटिया और झोपड़ियों का चातुर्मास के बाद पुनर्निर्माण कराया जाएगा तथा प्रभावित साधु-संतों को हर संभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में संत समाज और स्थानीय नागरिकों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। प्रशासन के साथ मिलकर राहत कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि प्रभावित लोगों को जल्द राहत मिल सके।

तेज बारिश से ढही घर की दीवार, एक परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत

एजेंसी, चित्रकूट

तेज बारिश ने छीना परिवार का सहारा, मलबे में दबकर पिता और दो बच्चों की मौत।

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के भरतकूप थाना क्षेत्र के बराह गांव में बुधवार देर रात तेज बारिश के दौरान मकान की दीवार गिरने से एक ही परिवार के पांच लोग मलबे में दब गए। हादसे में गृहस्वामी कल्लू यादव और उनके बेटे अंश तथा बेटी कल्ली की मौत हो गई। उनकी पत्नी कुंता देवी और एक बेटी अंशिका घायल हो गईं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बारिश के कारण नालों में उफान और सड़क पर पानी भरने से गांव का संपर्क तहसील मुख्यालय से कट गया था। प्रशासन ने एनडीआरएफ टीम को मौके पर भेजा, जिसने राहत और बचाव कार्य कर घायलों को बाहर निकाला। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए राहत-बचाव कार्य तेज करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए।

पांच साल पुराने हत्याकांड का निपटारा कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

एजेंसी, लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर क्षेत्र में महिला रुचि अग्रवाल की चाकू मारकर हत्या के मामले में अदालत ने पांच साल बाद फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश ने हत्या के दोषी गुलफाम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही न्यायालय ने दोषी पर 55 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी वकील सीमा सिंह ने अदालत को बताया कि वादी अमित अग्रवाल ने 31 मार्च 2021 को गोमती नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में बताया गया था कि उनके भाई डॉ. हर्ष अग्रवाल अपनी पत्नी रुचि अग्रवाल और दो बेटियों के साथ गोमती नगर में रहते थे। उनके घर में फर्नीचर का काम चल रहा था। इसी दौरान आरोपी गुलफाम का घर पर आना-जाना था। घटना के दिन किसी विवाद के बाद उसने रुचि अग्रवाल पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। अदालत में अभियोजन पक्ष ने गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर आरोप साबित किए। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए गुलफाम को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

अवैध निर्माणों पर एलडीए का शिकंजा, छह व्यावसायिक इमारतों समेत 14 निर्माण सील

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने शहर में अवैध निर्माण और अनधिकृत प्लॉटिंग के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को प्राधिकरण की टीम ने अलीगंज, चिनहट और गोमती नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 14 अवैध निर्माणों को सील कर दिया। वहीं गोसाईंगंज, बिजनौर और दुबग्गा क्षेत्र में करीब 30 बीघा जमीन पर की जा रही 13 अवैध प्लॉटिंग को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया गया।

एलडीए के प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने अलीगंज की चंद्रलोक कॉलोनी में आवासीय भू-उपयोग वाली जमीन पर बनाए गए छह अवैध व्यावसायिक भवनों पर कार्रवाई की। इन भवनों में बिना अनुमति निर्माण कर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इसके अलावा चिनहट और गोमती नगर में आठ अन्य अवैध निर्माणों को भी सील किया गया।

प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि अवैध निर्माणों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना मानचित्र स्वीकृति और नियमों के विपरीत किए जा रहे निर्माणों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक लाइफटाइम अवॉर्ड से सम्मानित

एजेंसी, लखनऊ

एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत स्वर्गीय एसके सिंह को इंडिया इन्वेस्टर्स फेडरेशन की ओर से आयोजित वार्षिक लीडरशिप समिट-2026 में प्रतिष्ठित लाइफटाइम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, दूरदर्शी नेतृत्व और संस्थान के प्रति समर्पित सेवाओं के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

एसके सिंह को मरणोपरांत लाइफटाइम अवॉर्ड, शिक्षा क्षेत्र में योगदान को मिली बड़ी पहचान।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और राज्यमंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवंत सिंह सैनी मौजूद रहे। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। स्वर्गीय एसके सिंह की ओर से सम्मान उनके सुपुत्र एवं एसएमएस लखनऊ के सचिव तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने ग्रहण किया। उन्होंने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता, उच्च मानदंड और संस्थान के प्रति निर्धारित उद्देश्य आज भी एसएमएस के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। शरद सिंह ने कहा कि उनके पिता ने शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत आधार तैयार किया और ऐसे मूल्य स्थापित किए, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं।

इस सम्मान से एसएमएस परिवार की जिम्मेदारी और बढ़ी है कि वह उनके आदर्शों और विचारों को आगे बढ़ाए। उन्होंने इंडिया इन्वेस्टर्स फेडरेशन और जूरी के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस उपलब्धि से संस्थान के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों में भी उत्साह बढ़ा है।

बांदा के कारीगर अब जेम पोर्टल पर बेच सकेंगे अपने उत्पाद

एजेंसी, बांदा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार स्थानीय हुनर और पारंपरिक शिल्पकला को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में बांदा के स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उनके उत्पादों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस यानी जेम पोर्टल से जोड़ने की पहल की गई है। जनपद के प्रसिद्ध एक जनपद-एक उत्पाद के तहत शजर पत्थर से बनी वस्तुओं सहित अन्य कारीगरों के उत्पाद अब सीधे सरकारी खरीद व्यवस्था में उपलब्ध हो सकेंगे। इससे कारीगरों को अपने उत्पादों के लिए बड़ा बाजार मिलेगा और बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी। महिला और पुरुष हस्तशिल्पियों को डिजिटल माध्यम से सीधे ग्राहकों और सरकारी विभागों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। संयुक्त आयुक्त उद्योग सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि कारीगरों को जेम पोर्टल से जोड़ने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

आगामी आठ सितंबर को वर्चुअल बैठक के माध्यम से उन्हें उत्पादों की सूची तैयार करने, डिजिटल विपणन और सरकारी खरीद प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। सरकार की इस पहल से सरकारी विभागों की खरीद में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद है। इससे कारीगरों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिलने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। शजर पत्थर उद्योग और पारंपरिक शिल्प से जुड़े हजारों परिवारों को इस व्यवस्था से लाभ मिलने की संभावना है। हस्तशिल्पियों ने सरकार की पहल का स्वागत किया है। इस पहल से बांदा की पारंपरिक कला को नई पहचान मिलेगी और कारीगरों की आय बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

सनातनी परंपरा और सेना का अपमान करना कांग्रेस की आदत : राकेश त्रिपाठी

एजेंसी, उरई

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी के हालिया बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सनातन धर्म और भारतीय सेना का अपमान करना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कांग्रेस को 'बाबरी की पैरोकार' बताते हुए कहा कि आगामी चुनावों में जनता कांग्रेस के बयानों का करारा जवाब देगी।

राकेश त्रिपाठी ने गुरुवार को कांग्रेस नेताओं के पुराने बयानों का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी के नेताओं ने पहले भी सेना और उसके अभियानों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेताओं ने सेनाध्यक्ष को 'गुंडा' तक कहा और पाकिस्तान के खिलाफ हुई सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगकर सेना के शौर्य पर सवाल खड़े किए। भाजपा प्रवक्ता ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लेकर भी कांग्रेस की नीयत पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब एक पूर्व एयर मार्शल को राम जन्मभूमि ट्रस्ट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया, तब कांग्रेस की ओर से उस पर भी राजनीतिक सवाल उठाए गए। त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राम मंदिर निर्माण और सनातन संस्कृति के विरोध में रही है तथा उसकी राजनीति हमेशा बाबरी के पक्ष में दिखाई दी है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस की कथित विभाजनकारी और राष्ट्रविरोधी मानसिकता को देख रही है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनावों में मतदाता कांग्रेस के बयानों और उसके रुख का जवाब अपने मताधिकार के माध्यम से देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्र, सेना और सनातन संस्कृति के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पार्टी देशहित, राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए सदैव मजबूती से आवाज उठाती रहेगी।

सीएम योगी ने वीडियो जारी कर जन्माष्टमी पर दी बधाई

एजेंसी, मथुरा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ब्रजभूमि मथुरा पहुंचने से पहले वीडियो संदेश जारी कर प्रदेशवासियों और देश-विदेश में रहने वाले श्रीकृष्ण भक्तों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों और उपदेशों को स्मरण करते हुए लोगों से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रज की पवित्र भूमि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और उनके दिव्य संदेशों की साक्षी रही है। योगेश्वर श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, कर्तव्य और लोक कल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने की निरंतर प्रेरणा देता है। उनका जीवन से समाज को कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस के साथ सत्य का साथ देने की सीख मिलती है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला महत्वपूर्ण अवसर भी है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने कर्म और विचारों के माध्यम से समाज को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने तथा सत्य और धर्म की रक्षा करने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने मथुरा सहित पूरे उत्तर प्रदेश के नागरिकों और देश-विदेश में बसे श्रीकृष्ण भक्तों को जन्माष्टमी की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने सभी से पर्व को श्रद्धा, उल्लास और आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। मुख्यमंत्री के मथुरा आगमन को लेकर ब्रजभूमि में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल है। प्रस्तावित कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री विभिन्न धार्मिक एवं विकास संबंधी आयोजनों में शामिल होंगे। जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा के मंदिरों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर विशेष सजावट की गई है तथा श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं।

सौरक्रांति | नवीकरणीय ऊर्जा में यूपी की नई पहचान, प्रदेश के शहरों में बढ़ रहा रूफटॉप सोलर का क्रेज

रूफटॉप सोलर में यूपी का जलवा, लखनऊ बना देश का नंबर-1 शहर

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश ने रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए महाराष्ट्र को पीछे छोड़ दिया है और देश में दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। प्रदेश में घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के प्रभाव से लोगों में रूफटॉप सोलर को लेकर जागरूकता बढ़ी है और बड़ी संख्या में लोग अपने घरों पर सोलर पैनल लगवा रहे हैं।

एक समय रूफटॉप सोलर लगाने के मामले में उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष दस राज्यों में शामिल था। इसके बाद प्रदेश ने लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए टॉप फाइव और फिर टॉप थ्री में जगह बनाई। अब यूपी ने महाराष्ट्र को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। वर्तमान में गुजरात पहले स्थान पर है और उत्तर प्रदेश उससे करीब 32 हजार इंस्टॉलेशन के अंतर पर है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य आने वाले समय में देश में नंबर एक स्थान हासिल करना है। उत्तर प्रदेश नवीन एवं

नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण के सचिव पंकज सिंह ने बताया कि राज्य में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष स्थान हासिल कर सकता है। लोगों में अब बिजली बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ी है, जिससे रूफटॉप सोलर की मांग में तेजी आई है। राजधानी लखनऊ ने भी इस क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। देश के सौ शहरों में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के मामले में लखनऊ नंबर-1 शहर बन गया है।

शहर में बड़ी संख्या में घरों, संस्थानों और अन्य भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इससे न केवल बिजली की बचत हो रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत आम उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना के कारण छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी सौर ऊर्जा के प्रति रुचि बढ़ी है। सरकार की ओर से लोगों को योजनाओं की जानकारी देने और सोलर सिस्टम लगाने की प्रक्रिया को आसान बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में रूफटॉप सोलर का विस्तार ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे बिजली की मांग का दबाव कम होगा और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही आम लोगों को लंबे समय में बिजली खर्च में राहत भी मिल सकती है। प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकारी विभागों, निजी संस्थानों और आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ रही है। यूपी की यह उपलब्धि राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। आने वाले समय में प्रदेश को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में और आगे ले जाने के लिए नए लक्ष्य तय किए जा रहे हैं। इस उपलब्धि से प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ेगा।

ईसीआर ने माल ढुलाई में रचा नया इतिहास, डीडीयू मंडल का प्रदर्शन रहा अहम

एजेंसी, चंदौली

पूर्व मध्य रेल ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में माल ढुलाई के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जोन ने इस अवधि में 203.42 मिलियन टन माल लदान दर्ज किया। इस उपलब्धि के साथ पूर्व मध्य रेल भारतीय रेल के शीर्ष चार माल ढुलाई वाले जोन में शामिल हो गया है। लगातार दूसरे वित्तीय वर्ष में 200 मिलियन टन से अधिक माल लदान करना भी ईसीआर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

लगातार दूसरे वर्ष 200 मिलियन टन से अधिक माल लदान का रिकॉर्ड।

203.42 मिलियन टन माल लदान के साथ ईसीआर देश के शीर्ष चार जोन में शामिल।

वित्तीय वर्ष 2024–25 में पूर्व मध्य रेल ने 202.63 मिलियन टन माल लदान किया था। इस तरह पिछले वर्ष की तुलना में भी जोन ने बेहतर प्रदर्शन किया है। परिचालन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने, मालगाड़ियों के सुचारु संचालन और रखरखाव में सुधार के प्रयासों का इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूर्व मध्य रेल के प्रदर्शन में डीडीयू मंडल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना के नेतृत्व में मालगाड़ियों के रखरखाव, परिचालन, इंटरचेंज और कोयला परिवहन के क्षेत्र में लगातार बेहतर परिणाम सामने आए। मालगाड़ियों के समयबद्ध संचालन और उनके रखरखाव की प्रभावी व्यवस्था से माल परिवहन क्षमता को बढ़ाने में मदद मिली। डीडीयू मंडल ने मालगाड़ियों के रखरखाव के क्षेत्र में देश में पहला स्थान हासिल किया है। इसके अलावा डीडीयू जंक्शन पर एक दिन में 439 मालगाड़ियों का इंटरचेंज भी मंडल की परिचालन क्षमता को दर्शाता है। बड़ी संख्या में मालगाड़ियों के आवागमन के बावजूद परिचालन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना इस उपलब्धि की अहम कड़ी माना जा रहा है।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह के नेतृत्व में पूर्व मध्य रेल की ओर से परिचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने और माल ढुलाई की क्षमता बढ़ाने पर लगातार जोर दिया गया। माल परिवहन भारतीय रेल की आय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में 203.42 मिलियन टन माल लदान का आंकड़ा जोन की आर्थिक और परिचालन क्षमता को मजबूत करने वाला माना जा रहा है। इस उपलब्धि से माल परिवहन व्यवस्था को नई गति और मजबूती मिलेगी।

गुरुग्राम नगर निगम को बम से उड़ाने की धमकी, कर्मचारियों में मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम नगर निगम कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से गुरुवार को हड़कंप मच गया। धमकी की सूचना मिलते ही नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों में अफरा-तफरी फैल गई। एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या में कर्मचारी और अधिकारी कार्यालय से बाहर निकल आए। सूचना मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते की टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की जांच शुरू की।

धमकी की जानकारी मिलते ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पुलिस टीम ने नगर निगम कार्यालय के आसपास के क्षेत्र को अपने कब्जे में लेकर लोगों की आवाजाही पर नजर रखी। बम निरोधक दस्ते ने कार्यालय परिसर के अंदर और आसपास के हिस्सों की बारीकी से जांच की। इस दौरान कर्मचारियों और आम लोगों को सुरक्षा कारणों से परिसर से दूर रखा गया। धमकी मिलने के बाद नगर निगम कार्यालय में कामकाज भी प्रभावित हुआ। अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय से बाहर खड़े होकर पुलिस की कार्रवाई का इंतजार करते रहे। अचानक सामने आई इस धमकी से कर्मचारियों में डर का माहौल देखने को मिला।

पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए धमकी के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नगर निगम कार्यालय को धमकी किस माध्यम से और किसने दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है। बम निरोधक दस्ते की जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस की ओर से सुरक्षा के लिहाज से सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। घटना के बाद नगर निगम कार्यालय और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस ने धमकी देने वाले की पहचान और उसके मकसद का पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जापान में चमकेगा झज्जर का निशाना, मनु भाकर और सुरुचि फोगाट भारतीय शूटिंग टीम में शामिल

मनु भाकर के अनुभव और सुरुचि फोगाट की प्रतिभा पर रहेंगी निगाहें, दोनों से पदक की उम्मीदें

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेल 2026 में झज्जर के लिए गौरव का ऐतिहासिक अवसर आया है। जिले की दो अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज और देश की होनहार खिलाड़ी मनु भाकर और सुरुचि फोगाट भारतीय शूटिंग दल का हिस्सा बनकर एशियाई खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। दोनों खिलाड़ियों के चयन से झज्जर जिले में खुशी का माहौल है। परिवारों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने इसे जिले के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है।

ओलिंपिक पदक विजेता मनु भाकर अपनी शानदार उपलब्धियों के दम पर पहले ही देश और दुनिया में पहचान बना चुकी हैं। वहीं सुरुचि फोगाट ने कम उम्र में अपनी प्रतिभा और लगातार बेहतर प्रदर्शन

के दम पर भारतीय निशानेबाजी में अलग पहचान बनाई है।

अब दोनों खिलाड़ी जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित करने के इरादे से उतरेंगी। मनु भाकर झज्जर जिले के गांव गोरिया की रहने वाली हैं, जबकि सुरुचि फोगाट गांव सासरौली की निवासी हैं। दोनों खिलाड़ियों के गांवों के बीच करीब 10 किलोमीटर की दूरी है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने वाली इन दोनों बेटियों की सफलता ने झज्जर के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए नई प्रेरणा पैदा की है। दोनों के एशियाई खेलों के लिए भारतीय दल में चयन को जिले की खेल प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। मनु भाकर और सुरुचि फोगाट ने झाड़ली शूटिंग अकादमी में निशानेबाजी की शुरुआती बारीकियां सीखी थीं। अभ्यास के दौरान दोनों ने तकनीक, एकाग्रता और लक्ष्य पर नियंत्रण को मजबूत किया। लगातार मेहनत और बेहतर प्रदर्शन के चलते दोनों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाई।

अब एशियाई खेलों जैसे बड़े मंच पर दोनों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। एक ही जिले की दो निशानेबाजों का भारतीय टीम में चयन होना अपने आप में खास उपलब्धि है। मनु भाकर की अंतरराष्ट्रीय सफलता पहले से ही झज्जर के लिए गौरव का विषय रही है। अब सुरुचि फोगाट के भारतीय दल में शामिल होने से जिले की खेल उपलब्धियों में एक और अध्याय जुड़ गया है। दोनों खिलाड़ियों के चयन की खबर सामने आने के बाद उनके गांवों में भी उत्साह का माहौल है।

हथनीकुंड बैराज हादसा: 35 घंटे बाद लापता दोनों कमांडो के शव बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

हथनीकुंड बैराज पर मंगलवार देर शाम ट्रेनिंग के दौरान नाव पलटने से लापता हुए 1 पैरा (एसएफ) के दोनों कमांडो के शव बरामद कर लिए गए हैं। करीब 35 घंटे तक चले सर्च अभियान के बाद गुरुवार को दूसरे कमांडो का शव जींद में हांसी ब्रांच नहर के पास मिला। इससे पहले एक कमांडो का शव उत्तर प्रदेश क्षेत्र में बरामद किया गया था। दोनों शव मिलने के बाद तलाशी अभियान समाप्त कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार देर शाम हथनीकुंड बैराज पर 1 पैरा (एसएफ) के जवानों की ट्रेनिंग चल रही थी। इसी दौरान जवानों को ले जा रही नाव अचानक पलट गई। हादसे के बाद कई जवानों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था, लेकिन दो कमांडो लापता हो गए थे। दोनों की तलाश के लिए सेना, पुलिस और राहत दलों ने व्यापक अभियान चलाया। करीब 50 जवानों और अन्य बचावकर्मियों ने लगातार कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यमुना नदी के बहाव और नहरों में पानी की स्थिति के कारण बचाव दलों को

काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। टीमों ने बैराज से लेकर आसपास की नहरों और बहाव वाले क्षेत्रों में तलाश की।

गुरुवार को जींद की हांसी ब्रांच नहर के पास दूसरे कमांडो का शव मिलने की सूचना मिली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान की प्रक्रिया शुरू की। एसडीएम छछरौली जसपाल गिल ने शव मिलने की पुष्टि की है। कमांडो के पार्थिव शरीर को लेने के लिए चंडीगढ़ से हेलिकॉप्टर आने की जानकारी है। सेना की यूनिट दोनों पार्थिव शरीरों को अपने साथ लेकर जाएगी। हादसे के बाद सैन्य अधिकारियों और प्रशासन ने घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के साथ मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच शुरू कर दी है।

गांधीनगर में कछुओं की तस्करी का भंडाफोड़, बैग में मिले 32 दुर्लभ कछुए

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

यमुनानगर में दुर्लभ कछुओं की तस्करी का मामला सामने आया है। पुलिस ने गांधी नगर के पास कार्रवाई करते हुए एक बैग से 32 कछुए बरामद किए हैं। इनमें 22 इंडियन स्टार टारटोइज और 10 ब्लैक पॉन्ड टर्टल शामिल हैं। पुलिस की कार्रवाई के दौरान बाइक सवार युवक बैग मौके पर छोड़कर फरार हो गया। आरोपी की पहचान आयुष सैनी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, गांधी नगर क्षेत्र में गश्त के दौरान टीम को एक बाइक सवार युवक संदिग्ध परिस्थितियों में दिखाई दिया। पुलिस को अपनी ओर आता देख युवक घबरा गया और बाइक समेत मौके से भागने का प्रयास किया। कुछ दूरी पर उसने बैग छोड़ दिया और फरार हो गया। पुलिस ने बैग की तलाशी ली तो उसमें बड़ी

यमुनानगर में पुलिस ने 32 दुर्लभ कछुए किए बरामद।

संख्या में कछुए मिले। इसके बाद वन विभाग की टीम को सूचना देकर बरामद कछुओं की जांच कराई गई।

प्रारंभिक जांच में बैग से 22 इंडियन स्टार टारटोइज और 10 ब्लैक पॉन्ड टर्टल बरामद होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

नारनौल: जोहड़ में मिला पूर्व सरपंच का शव

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। नांगल चौधरी कस्बे के अकड़ बम जोहड़ में गुरुवार सुबह पूर्व सरपंच मालाराम चौधरी का शव पानी में तैरता मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए नारनौल अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पूर्व सरपंच के निधन से क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं घटना के बाद जोहड़ की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 15 दिन पहले भी एक व्यक्ति जोहड़ में गिर गया था, जबकि पांच माह पहले एक अन्य व्यक्ति को ग्रामीणों ने बचाया था।

पार्षद कार्यालय के बाहर विवाद ने लिया हिंसक रूप, गोलीबारी में तीन घायल

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

नूरवाला की गीता कॉलोनी में बुधवार देर रात पार्षद कार्यालय के बाहर चौक पर खड़े होने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और आरोपितों ने गोलीबारी कर दी। हमले में तीन लोग घायल हो गए। इनमें लखन को गोली लगी, जबकि ईशम पांचाल और प्रिंस पर लाठी-डंडों व अन्य हथियारों से हमला किया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार गीता कॉलोनी में स्थित पार्षद कार्यालय के बाहर कुछ लोग चौक पर खड़े थे। इसी दौरान वहां कुछ युवकों के साथ खड़े होने को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। आरोप है कि विवाद के दौरान हमलावरों ने गोली चला दी। गोली लखन को

लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

इसके बाद आरोपितों ने ईशम पांचाल और प्रिंस पर भी लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से हमला कर दिया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। गोली लगने से घायल लखन का चिकित्सकों की निगरानी में उपचार चल रहा है। वहीं, मारपीट में घायल ईशम और प्रिंस का भी अस्पताल में इलाज कराया गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ मामले की जानकारी जुटाई। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि वारदात में शामिल आरोपितों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में चौक पर खड़े होने को लेकर विवाद शुरू होने की बात सामने आई है। हालांकि गोलीबारी और हमले के पीछे वास्तविक कारण क्या था, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

पार्किंग विवाद में पूर्व डिप्टी मेयर के साले को मारा चाकू, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। शहर के प्रताप नगर में बुधवार को पार्किंग विवाद को लेकर पड़ोसी ने पूर्व डिप्टी मेयर भीम महाजन के साले मोहित हिंदुजा के पेट में चाकू घोंप दिया। वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी पड़ोसी जगदीप उर्फ जीतू को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया था। घायल मोहित का हिसार के सीएमसी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मोहित के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ छह धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को गुरुवार को हिसार कोर्ट में पेश किया जाएगा और पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड मांगा जाएगा। रिमांड के दौरान वारदात के कारण, इस्तेमाल किए गए हथियार और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रतिमा हटाने को लेकर नारनौल के मंदिर में विवाद, गेट बंद कर श्रद्धालुओं को निकाला

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले के निजामपुर थाना क्षेत्र के गांव ब्राह्मणवास नौ स्थित प्रसिद्ध बाबा रामेश्वरदास मंदिर में प्राचीन आदमकद प्रतिमा हटाने को लेकर विवाद सामने आया है। प्रतिमा गायब होने का आरोप मंदिर ट्रस्ट के प्रधान और कार्यकारिणी सदस्यों पर लगाया गया है। घटना के बाद मंदिर के गेट बंद कर श्रद्धालुओं को बाहर निकाल दिया गया। इससे मौके पर तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शिकायत के आधार पर ट्रस्ट के प्रधान समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रतिमा हटाए जाने के कारणों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने मंदिर की प्राचीन प्रतिमा को लेकर उचित कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है।

दंपती की बाइक को स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, पति की मौत; पत्नी गंभीर

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर। झज्जर में पशुचारा लेकर बाइक से घर लौट रहे दंपती को बाबरा और सुलौधा गांव के बीच ड्रेन नंबर-8 के पास काले रंग की अज्ञात स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में 53 वर्षीय विजय पुत्र शीशराम निवासी सुलौधा की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी नीतू गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल नीतू को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद परिजनों ने इसे सामान्य दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों के अनुसार, दंपती पशुचारा लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को टक्कर मारी और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने विजय को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अज्ञात स्कॉर्पियो और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

रेवाड़ी में सड़क हादसा, ऑटो सवार 15 छात्राएं घायल; 3 की हालत गंभीर

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी में गुरुवार दोपहर सेक्टर-18 मोड़ के पास ऑटो और कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में ऑटो में सवार 15 छात्राएं घायल हो गईं। सभी घायल छात्राओं को उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका इलाज शुरू किया। इनमें से तीन छात्राओं की हालत गंभीर बताई गई है। गंभीर स्थिति को देखते हुए तीनों को बेहतर उपचार के लिए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि छात्राएं कॉलेज से बस स्टैंड की ओर जा रही थीं, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल घायलों का उपचार जारी है।

यमुनानगर में जिम से निकलते ही फाइनेंसर की हत्या, बदमाशों ने बरसाईं गोलियां

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

यमुनानगर के मॉडल टाउन क्षेत्र में गुरुवार सुबह जिम से बाहर निकलते ही 60 वर्षीय फाइनेंसर हरभजन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को बाइक सवार दो हमलावरों ने अंजाम दिया। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हरभजन सिंह को आसपास के लोगों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

प्रेम नगर निवासी हरभजन सिंह नियमित रूप से सुबह मॉडल टाउन स्थित जिम में व्यायाम करने जाते थे। गुरुवार सुबह भी वह जिम गए थे। पुलिस के अनुसार जिम से बाहर निकलने के बाद वह अपनी कार की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवकों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। जान बचाने के लिए हरभजन सिंह कार की तरफ दौड़े, लेकिन हमलावरों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। फायरिंग के दौरान एक गोली

कार तक पहुंचने से पहले फाइनेंसर पर फायरिंग, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया।

उनकी कार के बोनट में भी लगी। इसके बाद हमलावर कार के पास पहुंचे और दोबारा फायरिंग की।

गोली लगने से हरभजन सिंह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़े। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद दोनों आरोपी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। हरभजन सिंह फाइनेंस का काम करते थे। परिवार के अनुसार उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा विदेश में रहता है, जबकि छोटा बेटा दिलबाग सिंह उनके साथ यमुनानगर में फाइनेंस का काम करता था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल समेत पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है। पुलिस हत्या के कारणों और हमलावरों की पहचान का पता लगाने में जुटी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा किया गया है।

स्कूल जाते समय हादसा, ट्रक की टक्कर से दो छात्राओं ने मौके पर तोड़ा दम

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल जिले के सीवन में थाना के पास गुरुवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार की दो स्कूली छात्राओं की मौत हो गई। दोनों छात्राएं स्कूटी पर सवार होकर स्कूल जा रही थीं। इसी दौरान उनकी स्कूटी ट्रक की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों छात्राओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

मृतक छात्राओं की पहचान गांव मांडी निवासी गुरनदीप (14) पुत्री भूपेंद्र सिंह और शरणदीप कौर (15) पुत्री जतिंद्र सिंह के रूप में हुई है। दोनों छात्राएं पीबीएम श्री कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीवन में पढ़ती थीं। गुरनदीप कक्षा नौवीं, जबकि शरणदीप कौर कक्षा दसवीं की छात्रा थी। दोनों छात्राएं सुबह स्कूटी से अपने घर से स्कूल के लिए निकली थीं। सीवन थाना के पास पहुंचने पर उनकी स्कूटी ट्रक की चपेट में आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद दोनों छात्राएं

स्कूटी सवार दो छात्राओं को ट्रक ने कुचला, गांव में पसरा मातम।

सड़क पर गिर गईं और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर थाना सीवन पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों छात्राओं के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल कैथल भेजने की कार्रवाई शुरू की। वहीं, पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। दोनों छात्राओं की मौत की खबर गांव मांडी पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्कूल में भी घटना की सूचना मिलने के बाद स्टाफ और खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कौशिक मौके पर पहुंचे। छात्राओं की असमय मौत से विद्यालय में भी शोक का माहौल बना हुआ है। हादसे की सूचना मिलने पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने प्रशासन से फरार ट्रक चालक को जल्द गिरफ्तार करने और सड़क पर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने की मांग की।

छात्रा को कुचलने के बाद खेत में छिपा रोडवेज ड्राइवर, ग्रामीणों ने दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी जिले में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। महेंद्रगढ़ के गुजरवास से रेवाड़ी जा रही हरियाणा रोडवेज बस ने खेड़ी बस स्टैंड के पास 15 वर्षीय छात्रा को कुचल दिया। हादसे में छात्रा के दोनों पैरों के ऊपर से बस का टायर गुजर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि छात्रा बस में चढ़ने का प्रयास कर रही थी, तभी चालक ने अचानक बस चला दी। संतुलन बिगड़ने से छात्रा नीचे गिर गई और बस की चपेट में आ गई। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर पास के बाजरे के खेत में छिप गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर कोसली पुलिस मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। घायल छात्रा को रेवाड़ी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया।

582 गांवों को मिलेगी डिजिटल उड़ान, ग्राम ज्ञान केंद्रों से जुड़ेंगे ग्रामीण

गांवों में डिजिटल सेवाओं और सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए बड़ा कदम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के 582 गांवों में ग्राम ज्ञान केंद्र (विलेज नॉलेज सेंटर) स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर डिजिटल सेवाएं, प्रशासनिक सहायता और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस परियोजना पर 514.53 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

नाबार्ड की सहायता से तैयार की गई इस योजना को स्टेट फाइनेंस कमेटी की बैठक में मंजूरी मिल गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांवों के लोगों को शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति और तेज हो सके। ग्राम ज्ञान केंद्रों को गांवों के लिए एक 'ऑल-इन-वन'

सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

यहां ग्रामीणों को बैठक कक्ष, सरपंच कार्यालय, सीएससी रूम, डिजिटल लाइब्रेरी और केयर टेकर कक्ष जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी, ऑनलाइन सेवाओं और विभिन्न विभागों से जुड़ी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। सरकार के अनुसार प्रत्येक ग्राम ज्ञान केंद्र के निर्माण पर लगभग 88.33 लाख रुपये खर्च होंगे। विकास एवं पंचायत विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी इन केंद्रों से जुड़कर ग्रामीणों को आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

इससे लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए शहरों या जिला मुख्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्त विभाग को निर्देश दिए हैं कि परियोजना के लिए आवश्यक धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्राथमिकता के आधार पर जल्द जारी की जाए। सरकार का मानना है कि ग्राम ज्ञान केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं, किसानों और आम नागरिकों के लिए उपयोगी साबित होंगे।

इन केंद्रों में डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा मिलने से विद्यार्थियों और युवाओं को पढ़ाई तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। वहीं, सीएससी रूम के जरिए ऑनलाइन सरकारी सेवाओं का लाभ भी ग्रामीणों को गांव में ही मिल सकेगा। हरियाणा सरकार की इस पहल को ग्रामीण विकास और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ग्राम ज्ञान केंद्रों के शुरू होने से पंचायत स्तर पर सुविधाओं का विस्तार होगा और गांवों में प्रशासनिक सेवाओं की पहुंच और मजबूत होगी। सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाए।

सोनीपत :केएमपी पर मजदूरों से भरी ईको ट्रक से टकराई, तीन की मौत, नौ घायल

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

सोनीपत जिले के खरखौदा क्षेत्र में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह करीब पांच बजे मजदूरों से भरी ईको गाड़ी ट्रक से टकरा गई। गोपालपुर गांव की सीमा के पास हुए इस भीषण हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईको गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के गांव बड़ेपुरा के करीब 11 मजदूर और ईको चालक समेत कुल 12 लोग झज्जर की ओर बाजरा काटने के लिए जा रहे थे।

सुबह करीब पांच बजे उनकी ईको गाड़ी गोपालपुर गांव के पास केएमपी एक्सप्रेसवे पर पहुंची। इसी दौरान गाड़ी की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में गांव बड़ेपुरा निवासी रामनरेश की पहचान हुई है, जबकि दो अन्य मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने घायलों को बाहर निकालने में मदद की। दो शवों को खरखौदा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, एक मजदूर का शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त ईको गाड़ी में फंस गया था। पुलिस और राहत दल ने काफी मशक्कत के बाद शव को वाहन से बाहर निकाला। हादसे में घायल विवेक, छोटू, हरिशंकर, खुशहाली, फातिलाल, महेंद्र पाल, संजीव, प्रमोद और नेवाराम सभी गांव बड़ेपुरा, जिला पीलीभीत के निवासी बताए गए हैं।

सभी घायलों को खरखौदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार कई घायलों की हालत गंभीर है और कुछ घायल बेहोशी की हालत में बताए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया तथा शव को बाहर निकालने की कार्रवाई की। मृतकों की पहचान कराने के प्रयास जारी हैं। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और मृतकों की पहचान के लिए परिजनों से संपर्क किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में टोल धोखाधड़ी मामले में ईडी की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली। मेरठ के गंगानगर स्थित राधा गार्डन में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय ने एनएचएआई के टोल प्लाजा से जुड़ी कथित धोखाधड़ी के मामले में दो भाइयों के घर पर छापेमारी की। कार्रवाई देवेंद्र शर्मा और रविंद्र शर्मा के आवास पर की गई। ईडी की टीम ने देर रात तक घर में मौजूद दस्तावेजों, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गहन जांच की। आरोप है कि टोल वसूली में अनधिकृत सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर राजस्व में हेराफेरी की गई और टोल से होने वाली कमाई का एक हिस्सा गलत तरीके से डायवर्ट किया गया। जांच टीम ने कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े रिकॉर्ड भी खंगाले। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल सामग्री जुटाई। ईडी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कथित धोखाधड़ी में कितनी रकम शामिल है और इसमें अन्य लोगों की भूमिका क्या रही। मामले में जांच आगे जारी है।

गाजियाबाद से ग्रेटर नोएडा का सफर होगा आसान, शाहबेरी रोड बनेगी डबल डेकर

एजेंसी, नई दिल्ली। गाजियाबाद को ग्रेटर नोएडा वेस्ट से जोड़ने वाली शाहबेरी सड़क को डबल डेकर बनाने के प्रस्ताव को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। करीब 4.5 किलोमीटर लंबी इस सड़क के डबल डेकर बनने से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होने और जाम की समस्या कम होने की उम्मीद है। शाहबेरी मार्ग ग्रेटर नोएडा वेस्ट और गाजियाबाद के बीच आवाजाही का महत्वपूर्ण रास्ता है। इस मार्ग पर लगातार बढ़ते वाहनों के दबाव के कारण अक्सर यातायात बाधित होता है। आसपास तेजी से हो रहे आवासीय और व्यावसायिक विकास के चलते आने वाले समय में वाहनों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। डबल डेकर सड़क बनने से यातायात को अलग-अलग स्तरों पर संचालित करने में मदद मिलेगी। इससे मौजूदा सड़क पर वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को गाजियाबाद तथा ग्रेटर नोएडा के बीच आवागमन में सुविधा मिलेगी। परियोजना को क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, आगे की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

डूसू चुनाव में अब कोई भी बन सकेगा जमानतदार, हाई कोर्ट ने साफ किया नियम

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानतदार बनने के नियम पर महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया है। अदालत ने कहा कि डीयू के नियमों के अनुसार, उम्मीदवार के जमानतदार बनने के लिए केवल माता-पिता या अभिभावक होना जरूरी नहीं है। ऐसा कोई भी व्यक्ति जमानतदार बन सकता है, जो एक लाख रुपये की राशि चुकाने की क्षमता रखता हो। हाई कोर्ट का यह स्पष्टीकरण उन छात्रों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में उम्मीदवार के रूप में भाग लेना चाहते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि जमानतदार की पात्रता आर्थिक क्षमता के आधार पर तय होगी, न कि केवल पारिवारिक संबंध के आधार पर। डीयू छात्र संघ चुनाव के लिए मतदान 18 सितंबर को होना है। चुनाव को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विभिन्न छात्र संगठन अपने उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। अदालत के इस स्पष्टीकरण से जमानतदार को लेकर बनी स्थिति अब स्पष्ट हो गई है।

दिल्ली में 11 सितंबर को सरकारी छुट्टी, ब्रिक्स सम्मेलन के चलते बंद रहेंगे केंद्रीय कार्यालय

सरकारी कर्मचारियों और छात्रों के लिए बड़ी खबर, दिल्ली में संस्थान रहेंगे बंद

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स लीडर्स समिट को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली और नई दिल्ली स्थित अपने सभी कार्यालयों को 11 सितंबर 2026 को बंद रखने का निर्णय लिया है। इस संबंध में कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को आधिकारिक ज्ञापन जारी किया गया है। सरकार ने यह फैसला सम्मेलन की व्यापक तैयारियों और आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया है। 18वां ब्रिक्स लीडर्स समिट दिल्ली में आयोजित किया जाना है। सम्मेलन में ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों के शीर्ष नेता और प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे। बड़ी संख्या में विदेशी मेहमानों के राजधानी पहुंचने को देखते हुए सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। सरकार के आदेश के अनुसार, 11 सितंबर को दिल्ली और नई दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के सभी कार्यालय बंद रहेंगे। इसका असर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और अधीनस्थ कार्यालयों पर पड़ेगा।

कर्मचारियों को उस दिन नियमित कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। सरकार का मानना है कि सम्मेलन के दौरान राजधानी में यातायात का दबाव बढ़ सकता है। विदेशी प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था के कारण कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध या मार्ग परिवर्तन की स्थिति बन सकती है। ऐसे में

केंद्रीय कार्यालयों को बंद रखने से सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने और आम लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है।

आधिकारिक ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह आदेश दिल्ली और नई दिल्ली स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों पर लागू होगा। संबंधित विभागों और कार्यालयों को निर्देश के अनुसार आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किए जाने की संभावना है। आयोजन स्थलों, प्रतिनिधिमंडलों के ठहरने वाले स्थानों और उनके आवागमन वाले मार्गों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा की ईस्टर्न पेरिफेरल से कनेक्टिविटी होगी बेहतर, बनेगी 105 मीटर चौड़ी सड़क

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में यातायात और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए 105 मीटर चौड़ी सड़क को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद ग्रेटर नोएडा के कई क्षेत्रों से एक्सप्रेसवे तक पहुंच आसान हो जाएगी और यात्रियों को बेहतर वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। परियोजना के तहत ग्रेटर नोएडा फेस-1 में इस सड़क का करीब छह किलोमीटर हिस्सा पहले ही बनाया जा चुका है।

अब फेस-2 में ग्राम जुनपत से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे तक करीब 12 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण प्रस्तावित है। इससे क्षेत्र में आने-जाने वाले वाहनों को सीधा और सुगम मार्ग मिल सकेगा। इस सड़क के निर्माण के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपनी ओर से जमीन उपलब्ध कराएगा, जबकि निर्माण की लागत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई द्वारा वहन की जाएगी। दोनों संस्थाओं के बीच समन्वय के आधार पर परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। नई सड़क बनने से ग्रेटर नोएडा और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के बीच संपर्क मजबूत होगा। इससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। सड़क का उपयोग बढ़ने से मौजूदा मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने में भी मदद मिल सकती है।

प्राधिकरण की योजना क्षेत्र में लगातार बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए बेहतर सड़क नेटवर्क तैयार करने की है। 12 किलोमीटर लंबे इस हिस्से के निर्माण से ग्रेटर नोएडा की बाहरी क्षेत्रों से कनेक्टिविटी को नई गति मिलने की उम्मीद है। नई सड़क से ग्रेटर नोएडा की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यातायात दबाव घटेगा।

आगरा एयरपोर्ट का नया टर्मिनल देगा हवाई यात्रा को नई उड़ान, बढ़ेगी दूसरे शहरों से कनेक्टिविटी

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में हवाई सेवाओं के विस्तार की दिशा में आगरा एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग तेजी से आकार ले रही है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से विकसित किया जा रहा यह आधुनिक टर्मिनल करीब 33,845 वर्गमीटर क्षेत्र में बनाया जा रहा है। इसके तैयार होने के बाद एयरपोर्ट की यात्री क्षमता में बड़ा इजाफा होगा और सालाना करीब 25 लाख यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराने की क्षमता विकसित होगी।

नए टर्मिनल में यात्रियों की सुविधा और बेहतर एयरपोर्ट अनुभव को ध्यान में रखते हुए आधुनिक व्यवस्थाएं शामिल की जा रही हैं। यहां 19 चेक-इन काउंटर बनाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को बोर्डिंग प्रक्रिया में सुविधा मिलेगी। इसके अलावा मल्टीलेवल पार्किंग की व्यवस्था भी होगी, जिससे एयरपोर्ट आने वाले यात्रियों और उनके परिजनों को वाहन खड़ा करने

में परेशानी नहीं होगी। टर्मिनल में डिजी यात्रा जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे यात्रियों को पहचान और प्रवेश की प्रक्रिया में अधिक सुविधा मिलने की उम्मीद है।

भवन को पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऊर्जा संरक्षण और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के जरिए इसे अधिक टिकाऊ बनाने की योजना है। नई टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण से आगरा की हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद है।

गाजियाबाद में 335 सरकारी वाहन बिना वैध पीयूसी के दौड़ रहे

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। जिले में 335 सरकारी वाहन ऐसे पाए गए हैं, जिनके पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं है। खास बात यह है कि जिन विभागों के वाहनों से प्रदूषण नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी जुड़ी है, उन्हीं के वाहन बिना वैध पीयूसी के सड़कों पर चल रहे हैं। प्रदूषण फैलाने वाले निजी और व्यावसायिक वाहनों के खिलाफ लगातार जांच और चालान की कार्रवाई की जा रही है। ऐसे में सरकारी वाहनों के पीयूसी के बिना संचालन से नियमों के पालन को लेकर असमानता का सवाल उठ रहा है। अधिकारियों के अनुसार, सरकारी विभागों के वाहनों का भी समय-समय पर प्रदूषण परीक्षण कराना और वैध पीयूसी रखना जरूरी है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने साफ किया, एसआईआर में हर जानकारी के लिए बीएलए जिम्मेदार नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट बीएलए एन्यूमरेशन फॉर्म में दर्ज हर जानकारी की सत्यापित करने के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि बीएलए की जिम्मेदारी केवल ऐसी जानकारी तक सीमित है, जिसे वह वास्तव में सत्यापित कर सकता है। यह टिप्पणी कांग्रेस नेताओं की ओर से दायर याचिका की सुनवाई के दौरान की गई। न्यायमूर्ति अमित बंसल की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि विशेष सघन पुनरीक्षण के दौरान बीएलए से ऐसी जानकारी के सत्यापन की अपेक्षा नहीं की जा सकती, जिसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना उसके लिए संभव नहीं है।

पीठ ने कहा कि उसकी राय में बीएलए को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 31 के तहत केवल उसी जानकारी के लिए

मतदाता सूची पुनरीक्षण में बूथ एजेंट की जिम्मेदारी सीमित

जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसे वह सत्यापित करने की स्थिति में हो। अदालत ने उदाहरण देते हुए कहा कि एन्यूमरेशन फॉर्म पर लगाई गई मतदाता की तस्वीर ऐसी जानकारी है, जिसे बीएलए मतदाता की पहचान से मिलाकर देख सकता है। अदालत की यह टिप्पणी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलए की भूमिका और जिम्मेदारी को स्पष्ट करने वाली मानी जा रही है। चुनावी प्रक्रिया में बीएलए राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं और मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, कोर्ट ने संकेत दिया कि उनकी जिम्मेदारी को ऐसी सभी सूचनाओं तक नहीं बढ़ाया जा सकता, जिनका सत्यापन उनके अधिकार क्षेत्र या संसाधनों से बाहर हो। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से एसआईआर प्रक्रिया और उसमें बीएलए की जिम्मेदारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दे अदालत के सामने रखे गए।

जेवर में 17 सितंबर से सजेगा बलदेव छठ मेला कबड्डी-दंगल और रागिनी बनेंगे आकर्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

जेवर में 17 से 26 सितंबर तक भव्य एवं विशाल बलदेव छठ मेले का आयोजन किया जाएगा। श्री दाऊजी मंदिर प्रबंध समिति की ओर से आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक मेले में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। महिला एवं पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता, कुश्ती दंगल, रागिनी मुकाबले, नाट्य प्रदर्शन और विभिन्न झांकियों के आयोजन की तैयारी की जा रही है।

मेले का शुभारंभ 17 सितंबर को दोपहर 12 बजे श्री दाऊजी मंदिर परिसर में ध्वजारोहण के साथ होगा। समिति अध्यक्ष एवं लोकतंत्र सेनानी ओपी शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। इसके बाद समिति के निदेशक क्षेत्रीय जनता को मेले में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे। आयोजन के दौरान श्री 108 गोपालानंद जी महाराज और कपिल

शर्मा श्री दाऊजी महाराज की महिमा का वर्णन करेंगे। 17 और 18 सितंबर को महिला कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को 31 हजार रुपये नकद एवं ट्रॉफी दी जाएगी।

इसके बाद पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता भी आयोजित होगी, जिसमें क्षेत्र की कई टीमें भाग लेंगी। मेले में कुश्ती दंगल भी प्रमुख आकर्षण रहेगा। इसमें विभिन्न स्थानों से पहलवान पहुंचकर अपने दांव-पेंच का प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा रागिनी मुकाबलों में कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। नाट्य प्रदर्शन और धार्मिक झांकियों के माध्यम से पौराणिक एवं सांस्कृतिक प्रसंगों को प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार, मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और दर्शकों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सुरक्षा, पेयजल, साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा खड़े कैंटर से टकराकर कंटेनर चालक की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में खेड़कीदौला थाना क्षेत्र के सेक्टर-84 स्थित एलान माल के पास द्वारका एक्सप्रेसवे पर बुधवार शाम दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बिना पार्किंग लाइट और बैरिकेड के सड़क किनारे खड़े कैंटर से पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा कंटेनर टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राजस्थान के खैरथल जिले के पटमाड़ा खुर्द गांव निवासी 47 वर्षीय सुमेर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया और इसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि कैंटर सड़क पर बिना पार्किंग लाइट जलाए और बिना किसी बैरिकेड के खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहा कंटेनर उससे जा भिड़ा। पुलिस हादसे के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कैंटर सड़क पर किस वजह से खड़ा किया गया था।

हादसे के बाद पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कैंटर चालक की तलाश कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों और कैंटर चालक की पहचान के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रयागराज में थाना प्रभारी और दारोगा निलंबित जमीन के मामले में एक पक्ष की पैरवी का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करने के आरोप में हंडिया थाना प्रभारी अनूप सरोज और दारोगा बृजेश कुमार को निलंबित कर दिया है। दोनों पुलिसकर्मियों पर जमीन से जुड़े एक विवाद में एक पक्ष की पैरवी करने और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करने का आरोप है। शिकायत और प्रारंभिक जांच के बाद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार, हंडिया थाना क्षेत्र में जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। आरोप है कि इस मामले में पुलिसकर्मियों ने निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई करने के बजाय एक पक्ष का समर्थन किया। शिकायत अधिकारियों तक पहुंचने के बाद पूरे मामले की जांच कराई गई। जांच में पुलिस की कार्यप्रणाली पर

प्रयागराज में थाना प्रभारी और दारोगा निलंबित

सवाल उठने के बाद थाना प्रभारी और दारोगा के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिसकर्मियों से निष्पक्षता और पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है।

किसी भी विवाद में किसी एक पक्ष की पैरवी करना या पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करना पुलिस की कार्यप्रणाली के अनुरूप नहीं है। इसी आधार पर दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, निलंबन के साथ ही मामले की विभागीय जांच भी आगे बढ़ाई जाएगी। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। पुलिस विभाग ने यह भी संदेश दिया है कि ड्यूटी में लापरवाही, पक्षपात या किसी मामले में अनुचित हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

28 जुलाई की हत्या का खुलासा, गैंगवार में गुड्डू बादशाह को मारी गई थी गोली

दिल्ली गैंगवार हत्याकांड का पर्दाफाश, 12 हजार किमी की जांच के बाद 8 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली पुलिस ने पुल प्रहलादपुर के लाल कुआं इलाके में 28 जुलाई को हुई मो. इरशाद आलम उर्फ गुड्डू बादशाह की हत्या की गुत्थी सवा महीने के भीतर सुलझा ली है। पुलिस के अनुसार, हत्या किसी पुरानी व्यक्तिगत रंजिश का परिणाम नहीं थी, बल्कि दो आपराधिक गिरोहों के बीच चल रही गैंगवार का नतीजा थी। मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना और तमिलनाडु में कार्रवाई की। आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस ने करीब 12 हजार किलोमीटर की दूरी तय की।

अलग-अलग राज्यों में लगातार दबिश और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने हत्याकांड से जुड़े संदिग्धों की पहचान की और उन्हें एक-एक कर गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गुड्डू बादशाह को 28 जुलाई को पुल प्रहलादपुर थाना क्षेत्र के लाल कुआं में गोली मारकर हत्या कर दी गई

पांच राज्यों में दबिश, गुड्डू हत्याकांड के आठ आरोपी

थी। वारदात के बाद आरोपी अलग-अलग राज्यों में फरार हो गए थे। जांच टीमों ने उनके संभावित ठिकानों और गतिविधियों की जानकारी जुटाई। इसके बाद कई स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा गया। जांच में सामने आया कि हत्या की साजिश गैंगवार से जुड़ी थी। पुलिस ने आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क, आपसी संबंधों और वारदात से पहले तथा बाद की गतिविधियों की भी पड़ताल की। अंतर-राज्यीय स्तर पर की गई कार्रवाई के चलते पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और हत्याकांड में इस्तेमाल हथियार, साजिश में शामिल अन्य लोगों तथा आरोपियों के नेटवर्क से जुड़े तथ्यों की भी जांच की जा रही है। आठ आरोपियों की गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि दिल्ली पुलिस ने मामले को केवल स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि कई राज्यों में फैले आपराधिक नेटवर्क को ध्यान में रखते हुए जांचा। करीब 12 हजार किलोमीटर की दूरी तय कर की गई कार्रवाई के बाद गैंगवार से जुड़े हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी दिल्ली से निकलकर अलग-अलग राज्यों में छिप गए थे। उनकी तलाश में पुलिस टीमों ने कई स्थानों पर दबिश दी और तकनीकी निगरानी के साथ स्थानीय स्तर पर भी जानकारी जुटाई।

करीब 12 हजार किलोमीटर की दूरी तय कर पांच राज्यों तक पहुंची टीमों ने आरोपियों की गतिविधियों और आपसी संपर्कों का पता लगाया। अधिकारियों के अनुसार, हत्या के पीछे गैंगवार मुख्य वजह रही। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर हत्या की पूरी साजिश, हथियारों की व्यवस्था और अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपियों को फरार होने में किसने मदद की। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने पांच राज्यों में करीब 12 हजार किलोमीटर की जांच के बाद आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। गैंगवार से जुड़ी हत्या में अन्य संदिग्धों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

जन्माष्टमी पर दयालबाग में होगा भव्य भंडारा, देश-विदेश से जुटेंगे हजारों अनुयायी

एजेंसी, नई दिल्ली

जन्माष्टमी पर दयालबाग में होगा विशेष भंडारा, देश-विदेश से जुटेंगे अनुयायी, आगरा के दयालबाग में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर परम पुरुष पूरन धनी हुजूर स्वामीजी महाराज का पावन भंडारा शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया जाएगा। इस आयोजन को लेकर दयालबाग में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। दो से छह सितंबर तक भंडारा सप्ताह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में अनुयायियों के पहुंचने की संभावना है। भंडारा सप्ताह के दौरान दयालबाग में विशेष आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अनुयायी सेवा, सत्संग और भक्ति कार्यक्रमों में भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव करेंगे।

आयोजन को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। दयालबाग में जन्माष्टमी के अवसर पर होने वाले

इस विशेष भंडारे को श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण आयोजन माना जाता है। भंडारे के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने को देखते हुए भोजन, पेयजल, स्वच्छता, यातायात और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। आयोजन स्थल पर सेवा कार्यों के लिए अनुयायियों की विभिन्न टीमें सक्रिय हैं।

भंडारा सप्ताह के दौरान दयालबाग में धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बना रहेगा। आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं से अनुशासन और सेवा भावना के साथ कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है। जन्माष्टमी पर होने वाले इस आयोजन को लेकर अनुयायियों में खासा उत्साह है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

फरीदाबाद में 400 करोड़ की बड़ी पहल, 30 हजार उद्योगों के अपशिष्ट पानी पर लगेगी रोक

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद की करीब 30 हजार औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले 60 एमएलडी से अधिक अपशिष्ट पानी को यमुना नदी तक पहुंचने से रोकने के लिए तीन कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) बनाए जाएंगे। इन तीनों संयंत्रों की कुल उपचार क्षमता 90 एमएलडी होगी। परियोजना पर करीब 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। प्रस्तावित सीईटीपी का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले प्रदूषित पानी का वैज्ञानिक तरीके से उपचार करना है, ताकि बिना शोधन के पानी नालों और ड्रेनों के जरिए यमुना में न पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, इस योजना से औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के साथ नदी के जल की गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी। फरीदाबाद में बड़ी संख्या में छोटी और बड़ी औद्योगिक इकाइयां हैं, जिनसे प्रतिदिन भारी मात्रा में अपशिष्ट जल निकलता है। मौजूदा व्यवस्था में इसके पूरी तरह उपचारित होने को लेकर लगातार चिंता बनी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

धारठ गांव में बंदोबस्त प्रक्रिया को लेकर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। धारठ गांव में चल रही बंदोबस्त (सेटलमेंट) प्रक्रिया को लेकर ग्रामीणों की ओर से दर्ज करवाई गई आपत्तियों के संबंध में राजेंद्र वर्मा ने प्रेस वार्ता कर प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि बंदोबस्त के दौरान भूमि की सीमाओं में किए जा रहे बदलाव से ग्रामीणों में असमंजस और रोष की स्थिति बनी हुई है। राजेंद्र वर्मा ने कहा कि धारठ गांव की भूमि सीमाओं का निर्धारण पुरानी स्थिति तथा साथ लगते राजस्व गांवों की सीमाओं को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि बंदोबस्त के तहत की जा रही पैमाइश निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से करवाई जाए, ताकि भविष्य में ग्रामीणों के बीच भूमि संबंधी किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर ग्रामीणों की ओर से प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा गया है। ग्रामीणों की मांग है कि उनकी आपत्तियों को गंभीरता से लेते हुए मौके की वास्तविक स्थिति की जांच की जाए और सभी तथ्यों का उचित सत्यापन करने के बाद ही बंदोबस्त प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। राजेंद्र वर्मा ने कहा कि यदि भूमि सीमाओं का निर्धारण सही तरीके से नहीं किया गया तो भविष्य में विवाद बढ़ सकते हैं, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित राजस्व विभाग के अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीण किसी विकासात्मक अथवा प्रशासनिक प्रक्रिया के विरोधी नहीं हैं, लेकिन भूमि सीमाओं का निर्धारण पारदर्शी, निष्पक्ष और न्यायसंगत तरीके से होना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से ग्रामीणों को विश्वास में लेकर बंदोबस्त प्रक्रिया आगे बढ़ाने की अपील की।

तृप्ता स्कूल में धूमधाम से मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

भारतेन्दु संवाददाता, ज्वाली। तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में किंडरगार्टन के नन्हे-मुन्ने बच्चे श्रीकृष्ण और राधा की मनमोहक वेशभूषा में स्कूल पहुंचे। बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश राणा ने दीप प्रज्वलित कर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना के साथ किया। इस दौरान बच्चों ने श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता की कहानी को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य राकेश राणा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन संघर्ष, सत्य और कर्तव्य का संदेश देता है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए सत्य के मार्ग पर चलकर अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

नशा मुक्त समाज के संदेश के साथ 5 सितंबर को होगी 3 किलोमीटर दौड़

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों के माध्यम से स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजकीय डिग्री कॉलेज हमीरपुर के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से 5 सितंबर को सुबह 9:30 बजे कॉलेज के सिंथेटिक ट्रैक पर 'ओपन फॉर ऑल 3 किलोमीटर दौड़' आयोजित की जाएगी। दौड़ का मुख्य संदेश 'मैं भी नशे के खिलाफ-नशा मुक्त समाज' रहेगा। प्रतियोगिता में प्रथम से दसवें स्थान तक रहने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम स्थान पर 1000, द्वितीय 900, तृतीय 800 और दसवें स्थान पर 100 रुपए का पुरस्कार निर्धारित है। प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वालों को विशेष पुरस्कार भी मिलेंगे। प्रथम को ट्रैक सूट, द्वितीय को स्पोर्ट्स किट और तृतीय को स्पोर्ट्स बैग दिया जाएगा। आयोजक डॉ. पवन कुमार वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग एवं एनसीओआरडी सचिव, ने युवाओं और खेल प्रेमियों से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को स्वस्थ रखने के साथ नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने का प्रभावी माध्यम हैं। समाज के प्रत्येक वर्ग को नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए।

प्रताप वर्ल्ड स्कूल में मनाई जन्माष्टमी

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। प्रताप वर्ल्ड स्कूल पठानकोट में जन्माष्टमी का पर्व नर्सरी से कक्षा तीसरी तक के विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ श्रद्धा और हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी भगवान श्रीकृष्ण और राधा की मनमोहक वेशभूषा में पहुंचे और अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं उत्सव संबंधी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे बच्चों ने वृंदावन की छटा को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, जन्माष्टमी के महत्व तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं की जानकारी दी गई। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ अनुभवात्मक शिक्षण का माध्यम भी हैं। इनके जरिए विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, टीम भावना और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास होता है। जन्माष्टमी के माध्यम से बच्चों को प्रेम, मित्रता, करुणा, साहस और धर्मपरायणता जैसे जीवन-मूल्यों से परिचित करवाया गया। प्रधानाचार्या सुश्री शुभ्रा रानी ने कहा कि त्योहार बच्चों की सीखने की यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। निदेशक सन्नी महाजन ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य अकादमिक ज्ञान के साथ बच्चों में संस्कार और सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करना भी है। उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

सीएमओ कांगड़ा ने नागरिक अस्पताल का किया निरीक्षण

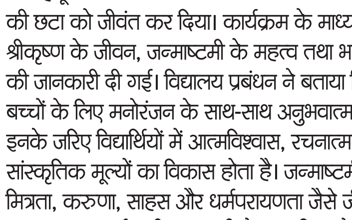

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नवनियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कांगड़ा ने नागरिक अस्पताल कांगड़ा का निरीक्षण कर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में तैनात चिकित्सकों एवं स्टाफ से मुलाकात की तथा मरीजों को उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्टाफ ने सीएमओ के समक्ष अस्पताल में कुछ नई और आधुनिक चिकित्सा मशीनें उपलब्ध करवाने की मांग रखी। स्टाफ ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आधुनिक उपकरणों की आवश्यकता है। इस पर सीएमओ ने अस्पताल प्रबंधन से आवश्यक चिकित्सा मशीनों की पूरी सूची मांगी, ताकि प्राथमिकता के आधार पर इन्हें उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन खराब होने का मामला भी सीएमओ के समक्ष रखा गया। इस पर उन्होंने कहा कि नई अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध करवाने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश देते हुए जल्द नई मशीन उपलब्ध करवाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। सीएमओ ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर जोर दिया।

हिमाचल में मूसलाधार बारिश से 110 सड़कें बंद, 5 सितंबर तक येलो अलर्ट

◆ परवाणू में पहाड़ी से गिरा मलबा, एनएच-5 पर आवाजाही प्रभावित

◆ सिरमौर में गिरि जटोंन डैम के चार गेट खोले, मैदानी इलाकों में अलर्ट

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बीती रात राजधानी शिमला सहित प्रदेश के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन हुआ और सड़कों पर मलबा आ गया। इससे यातायात प्रभावित हुआ है। बिजली और पेयजल आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। मौसम विभाग ने 5 सितंबर तक प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 6 से 9 सितंबर तक भी बारिश के आसार हैं, हालांकि इन दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार वीरवार सुबह तक प्रदेश में भूस्खलन और अन्य कारणों से 110 सड़कें अवरुद्ध हैं। इसके अलावा 198 बिजली ट्रांसफार्मर और 56 पेयजल योजनाएं बंद हैं। सड़कों की बात करें तो मंडी में 51, कुल्लू में 22, शिमला और सिरमौर में 8-8, चंबा और कांगड़ा में 7-7, ऊना में 4 और सोलन में 2 सड़कें बंद हैं। शेष प्रभावित सड़कें अन्य स्थानों पर हैं। बिजली आपूर्ति पर भी बारिश का असर पड़ा है। शिमला जिले के रामपुर में 50 और चौपाल में 3 ट्रांसफार्मर बंद हैं। सोलन के बद्दी में 35 और अर्की में 30 ट्रांसफार्मर प्रभावित हैं। चंबा में 35, कुल्लू में 26 और सिरमौर में 11 ट्रांसफार्मर बंद हैं। पेयजल योजनाओं में सबसे ज्यादा असर शिमला और हमीरपुर में है। शिमला में 33 और हमीरपुर में 23 पेयजल योजनाएं ठप हैं। सोलन जिले के प्रवेशद्वार परवाणू में देर रात हुई तेज बारिश ने स्थिति बिगाड़ दी। परवाणू-पिंजौर खंड में पहाड़ी से मलबा, चट्टानें और पत्थर गिरने से मुख्य बाईपास मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। बारिश के दौरान एक पुल को भी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन ने लोगों और वाहन चालकों से प्रभावित क्षेत्र में विशेष सावधानी बरतने को कहा है। सिरमौर जिले में भारी बारिश के बीच गिरि जटोंन डैम से आज सुबह फिर पानी छोड़ा गया। डैम के चार गेट खोले गए हैं। इससे पहले देर रात भी डैम से पानी छोड़ा गया था। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पानी छोड़े जाने के बाद मैदानी इलाकों के लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है।

मानसून में 261 मौतें, 471 घायल

इस मानसून सीजन में बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं ने प्रदेश में भारी नुकसान पहुंचाया है। अब तक 261 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 471 लोग घायल हुए हैं। तीन लोग अभी भी लापता हैं। मृतकों में 154 की जान सड़क हादसों में गई है, जबकि 107 लोगों की मौत भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, पानी में बहने, फिसलने, पहाड़ी से गिरने और बारिश से जुड़ी अन्य घटनाओं में हुई है।

अमनेड़ के रास्तों को किया जाएगा पक्का, घरों की रक्षा के लिए लगाए जाएंगे डंगे : सुनील

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने ग्राम पंचायत ताल के गांव अमनेड़ का दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं व लोगों को प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं साढे तीन साल की उपलब्धियों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि गांव के सभी रास्तों को पक्का किया जाएगा और जिन घरों को भूस्खलन से खतरा पैदा हो गया है, वहां आवश्यकतानुसार डंगे लगाए जाएंगे। गांव के महिला मंडल के भवन के लिए भी जमीन उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रदेश सरकार के साढे तीन वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कई सराहनीय योजनाएं आरंभ की हैं। पात्र लोगों को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिला हमीरपुर के लिए मेडिकल कालेज, नर्सिंग कालेज, डेंटल कालेज, अलाइड हेल्थ सर्विसेज कालेज, डेडिकेटड साइंस कालेज, बस स्टैंड, हैलीपोर्ट और कई अन्य बड़ी परियोजनाएं मंजूर की हैं। इनके अलावा हमीरपुर में कई विभागों, बोर्डों और निगमों के राज्य स्तरीय कार्यालय स्थापित किए गए हैं।

इससे जिला हमीरपुर के चहुमुखी विकास को बल मिल रहा है। इससे पहले अमनेड़ पहुंचने पर सुनील शर्मा बिट्टू का पंचायत सदस्य सुमित कुमार, साक्षी कुमारी, वीना देवी, रेखा देवी, रश्मि देवी, मीना देवी, रज्जो देवी, बिहारी लाल, रणजीत सिंह और अन्य लोगों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया तथा गांव की विभिन्न मांगें एवं समस्याएं उनके समक्षी रखीं।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, नर्स की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। उपमंडल पांवटा साहिब के पुरुवाला पुलिस थाना के तहत आने वाले नारीवाला गांव में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला नर्स की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 36 वर्षीय पूनम पत्नी राजेंद्र, निवासी अजोली, पांवटा साहिब के सिविल अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत थीं। वह अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद स्कूटी पर सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान नारीवाला के पास एक तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पूनम ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुरुवाला थाना के एसएचओ रमन कुमार अपनी टीम के साथ तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

श्री साई ग्रुप में निकोबार का वर्चुअल कैंपस प्लेसमेंट, 4 विद्यार्थियों का चयन

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, बधानी में विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से निकोबार की ओर से वर्चुअल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया गया। कार्यक्रम ग्रुप के सीएमडी इंजीनियर कनवर तुषार पुंज की अध्यक्षता में हुआ। इसमें ग्रेजुएशन एवं पोस्ट ग्रेजुएशन के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

डायरेक्टर प्लेसमेंट्स प्रो. सुलक्षय कुमार मुरगई ने निकोबार की टीम का स्वागत किया। चयन प्रक्रिया की शुरुआत प्री-प्लेसमेंट टॉक व प्रश्नोत्तर सत्र से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने ग्रुप डिस्कशन व व्यक्तिगत साक्षात्कार में भाग लिया। कंपनी प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को जॉब प्रोफाइल, कार्य संस्कृति, करियर ग्रोथ और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी। प्लेसमेंट प्रक्रिया निकोबार के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर भारत ऋषि और एचआर मनन गुप्ता ने संचालित की। चयन प्रक्रिया के बाद चार विद्यार्थियों का कंपनी में चयन हुआ, जो शीघ्र अपनी सेवाएं शुरू करेंगे। प्रो. सुलक्षय कुमार मुरगई ने बताया कि निकोबार की स्थापना 2016 में हुई थी और कंपनी भारतीय संस्कृति एवं विरासत को आधुनिक डिजाइन और समकालीन जीवनशैली के साथ जोड़ने के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि ग्रुप का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। ग्रुप के चेयरमैन इंजीनियर एसके पुंज और सीएमडी तुषार पुंज ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर सरदार रणजीत सिंह, डॉ. विपिन गुप्ता, डॉ. दिनेश महाजन, अजय पराशर, खुशाल सैनी, वरिंदर डोगरा और जॉय घई सहित अन्य उपस्थित रहे।

भाजपा वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ की बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन

वरिष्ठ नागरिकों को संगठन से जोड़ने पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण बैठक हमीरपुर स्थित भाजपा कार्यालय में जिला संयोजक अजीत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक देवराज शर्मा तथा प्रदेश सह-संयोजक अजमेल वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के संगठनात्मक विस्तार को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला, मंडल और अन्य स्तरों पर प्रकोष्ठ को अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। कार्यकर्ताओं से वरिष्ठ नागरिकों के साथ निरंतर संपर्क स्थापित करने तथा उनके अनुभवों, सुझावों और सामाजिक योगदान को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। इस दौरान भाजपा द्वारा निर्धारित आगामी संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रकोष्ठ की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, पार्टी के कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को संगठन से जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि संगठन में वरिष्ठ नागरिकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका अनुभव और सामाजिक एवं संगठनात्मक ज्ञान नई पीढ़ी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रकोष्ठ के विस्तार से पार्टी संगठन को और मजबूती मिलेगी। प्रदेश संयोजक देवराज शर्मा ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के अनुभवों को राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सरोकारों से जोड़ना भी है।

प्रदेश सह-संयोजक अजमेल वर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ का मार्गदर्शन संगठन के लिए अमूल्य है। प्रकोष्ठ को प्रत्येक स्तर पर मजबूत कर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। बैठक के अंत में जिला संयोजक अजीत शर्मा ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल में श्रद्धा हर्षोल्लास से मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल परिसर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में स्कूल पहुंचे। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों के उत्साह और सुंदर वेशभूषा से स्कूल परिसर भक्तिमय एवं उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान स्कूल की सुख-समृद्धि, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य तथा सभी के कल्याण की कामना की गई। विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों और शिक्षाओं के साथ-साथ जन्माष्टमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी भी दी गई। प्रधानाचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और समृद्ध परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। त्योहारों के माध्यम से बच्चों में अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान, अच्छे संस्कार, नैतिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में समय-समय पर ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों का शैक्षणिक विकास के साथ-साथ संस्कारात्मक और सांस्कृतिक विकास भी सुनिश्चित हो सके। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

जवाहर नवोदय विद्यालय कोठीपुरा में कक्षा 9वीं व 11वीं में प्रवेश के लिए आवेदन 30 सितंबर तक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय कोठीपुरा, जिला बिलासपुर में रिक्त सीटों के आधार पर कक्षा 9वीं एवं 11वीं में पार्श्व प्रवेश परीक्षा-2027 का आयोजन 10 अप्रैल, 2027 को किया जाएगा। यह परीक्षा शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए आयोजित होगी। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राकेश कटोच ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थी 30 सितंबर, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से निर्धारित अंतिम तिथि से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि आवेदन से संबंधित किसी प्रकार की कठिनाई या असामान्य परिस्थिति होने पर अभ्यर्थी विद्यालय कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए 9418114501, 9872311414 और 8219844779 मोबाइल नंबरों पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

निशु मोंगरा ने अधिकारियों संग क्षतिग्रस्त सड़क का लिया जायजा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नंदरूल मार्ग पर पिछले दिनों हुए भूस्खलन से क्षतिग्रस्त सड़क का एपीएमसी के जिला, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अध्यक्ष नरेंद्र निशु मोंगरा ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़क पर जल्द क्रेट वॉल लगाने के निर्देश दिए, ताकि बड़े वाहनों की आवाजाही सुचारू हो सके और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। निशु मोंगरा ने वाहन चालकों से बरसात के दौरान सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में भूस्खलन का खतरा बना रहता है, इसलिए वाहन चालक सड़क पर आवाजाही करते समय सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि समेला से लेकर कांगड़ा बाईपास मार्ग तक टारिंग का कार्य बरसात समाप्त होते ही शुरू कर दिया जाएगा। इस संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निशु मोंगरा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। सरकार हर वर्ग के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और कृषि से संबंधित विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

कोट-दसमल सड़क मार्ग 19 सितंबर तक यातायात के लिए बंद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला दंडाधिकारी व डीसी बिलासपुर राहुल कुमार ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत आदेश जारी करते हुए कोट-कंगड़ी-दसमल सड़क मार्ग को आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते आगामी 19 सितंबर तक यातायात के लिए बंद रखने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार, दसमल की ओर से आने वाले वाहनों को धग्याड़-जाहू मार्ग तथा देहरा की ओर से आने वाले वाहनों को दधोल-लदरौर सड़क मार्ग से आवागमन करने की सलाह दी गई है। उपायुक्त ने बताया कि सड़क की मरम्मत के दौरान सामान्य वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। हालांकि, एंबुलेंस, स्कूल बसों, वीआईपी वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवा वाहनों को आवागमन की अनुमति रहेगी। प्रशासन ने वाहन चालकों से निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने तथा सड़क मरम्मत कार्य में सहयोग करने की अपील की है।

जिला कांग्रेस कार्यकारिणी का ऐलान, काम के आधार पर तय होगा पदाधिकारियों का भविष्य

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला कांग्रेस कमेटी हमीरपुर की नई कार्यकारिणी की घोषणा वीरवार को जिला अध्यक्ष सुमन भारती ने की। कार्यकारिणी में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पद स्थायी नहीं हैं और पदाधिकारियों की सक्रियता व कार्यक्षमता के आधार पर ही भविष्य तय होगा।

सुमन भारती ने कहा कि सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की तीन महीने तक कार्यशैली परखी जाएगी। यह अवधि परिवीक्षा के तौर पर होगी, जो पदाधिकारी सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करने में योगदान देंगे, उन्हें आगे भी जिम्मेदारी दी जाएगी, जबकि निष्क्रिय पाए जाने वालों को कार्यकारिणी से हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी में अब पहचान और पद से अधिक महत्व कार्य को दिया जाएगा। नई कार्यकारिणी में पांच वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। इनमें मुनीश गुप्ता, डॉ. मोहन लाल, रोशन लाल शर्मा जाहू, राजेश चौधरी और विपिन कुमार ढटवाल शामिल हैं। नरेश ठाकुर को संगठन महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा 14 उपाध्यक्ष और 14 महासचिव बनाए गए हैं। सचिव पद पर 19 कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। प्रवक्ता मंडल में पवन कालिया, राकेश गोल्डी, राज कुमार शर्मा और बलदेव धीमान को शामिल किया गया है। वहीं 24 कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि नई टीम को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य दिया गया है। पदाधिकारी जनता के बीच जाकर स्थानीय समस्याओं को उठाएंगे तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को लोगों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सुजानपुर, नादौन, भोरंज, बड़सर और हमीरपुर सहित सभी क्षेत्रों को कार्यकारिणी में प्रतिनिधित्व दिया गया है। संगठन में महिलाओं और विभिन्न क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारियां दी गई हैं। सुमन भारती ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ काम करने और पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह में पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा के बाद आवश्यकतानुसार संगठन में बदलाव किए जाएंगे।

हिमाचल में रोजगार वृद्धि दर माइनस 8 फीसदी पहुंची : त्रिलोक जम्वाल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने रोजगार के मुद्दे पर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। विधानसभा में चर्चा के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव के दौरान हर साल एक लाख पक्की नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद इसे पूरा नहीं किया। जम्वाल ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2022 में प्रदेश की जॉब ग्रोथ रेट 1.90 फीसदी थी, जो पिछले तीन वर्षों में गिरकर माइनस 8 फीसदी हो गई है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में करीब 17 लाख प्रशिक्षित बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट में दाखिल शपथपत्र के अनुसार 3,36,542 स्वीकृत पदों में से 1,07,466 पद खाली हैं। इसके बावजूद भर्ती प्रक्रिया धीमी है। उन्होंने जल शक्ति विभाग, बिजली बोर्ड और लोक निर्माण विभाग में कर्मचारियों की कमी का भी मुद्दा उठाया। विधायक ने सरकार पर युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें भटकाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने रोजगार के नाम पर प्रदेश के युवाओं के साथ छल किया है।

गोबिंद सागर में 12 दिन, 330 किलोमीटर का सफर तय करेंगे एनसीसी कैडेट्स : सजन कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। गोबिंद सागर जलाशय में एनसीसी कैडेट्स का 12 दिवसीय 'संकल्प' सेलिंग एक्सपेडिशन आयोजित किया जा रहा है।

1 एचपी नवल यूनिट एनसीसी बिलासपुर के कमांडिंग ऑफिसर सजन कुमार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि यह अभियान 8 से 19 सितंबर तक चलेगा, जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व चंडीगढ़ से करीब 70 एनसीसी कैडेट्स भाग लेंगे। इस दौरान उनके साथ ऋषिकेश स्कूल के एएनओ अब्दुल मजीद भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान कैडेट्स गोबिंद सागर जलाशय में करीब 330 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। 'संकल्प' नाम देने के पीछे उद्देश्य कैडेट्स को समाज व राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से जोड़ना है। कैडेट्स विभिन्न सामाजिक अभियानों के माध्यम से टीबी मुक्त भारत, नशामुक्त भारत, नारी शक्ति के सशक्तिकरण और स्वच्छ भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। अभियान के दौरान गोबिंद सागर के विभिन्न घाटों व छोटे कस्बों में स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। इसके अलावा कैडेट्स के लिए ऐतिहासिक बछरेटू किले तक साहसिक ट्रेकिंग अभियान आयोजित किया जाएगा, जहां उन्हें क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृति विरासत से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा। कैडेट्स को एनटीपीसी कोलडैम के पावर हाउस का शैक्षणिक भ्रमण भी करवाया जाएगा। इस दौरान उन्हें बिजली उत्पादन और पावर हाउस के संचालन की कार्यप्रणाली की जानकारी दी जाएगी। सजन कुमार ने बताया कि 'संकल्प' सेलिंग एक्सपेडिशन का औपचारिक फ्लैग-ऑफ 9 सितंबर को लुहणू घाट से लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र सिंह, निदेशक एम्स बिलासपुर, द्वारा किया जाएगा। इसके बाद एम्स के तत्वावधान में बहुउद्देशीय सांस्कृतिक भवन में एनसीसी कैडेट्स के लिए मेंटल हेल्थ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विशेषज्ञ कैडेट्स को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव देंगे। कार्यक्रम का विशेष फोकस सुसाइड प्रिवेंशन, नशामुक्ति तथा ड्रग्स के दुष्प्रभावों से युवाओं को दूर रखने पर रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

टैट मामले में सरकार पर ढिलाई का आरोप

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सुप्रीम कोर्ट के टैट की अनिवार्यता से संबंधित निर्णय के करीब एक वर्ष बाद भी हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा टैट प्रभावित सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष टैट आयोजित न करवाने पर शिक्षकों में रोष बढ़ रहा है। टैट प्रभावित शिक्षक मोर्चा ने सरकार से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब और उत्तर प्रदेश की तर्ज पर विशेष टैट आयोजित करने की मांग उठाई है। मोर्चा का कहना है कि प्रदेश में हजारों शिक्षक वर्षों से सरकारी विद्यालयों में सेवाएं दे रहे हैं और कई शिक्षक ऐसे समय में नियुक्त हुए थे, जब वर्तमान व्यवस्था लागू नहीं थी। ऐसे में सरकार को उनके प्रति मानवीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए टैट उत्तीर्ण करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने चाहिए। मोर्चा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरमेश लाल शर्मा ने कहा कि विशेष टैट की तिथि और विस्तृत कार्यक्रम की अधिसूचना जल्द जारी की जाए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की भावना के अनुरूप सितंबर 2028 से पहले शिक्षकों को टैट उत्तीर्ण करने के पर्याप्त अवसर मिलना जरूरी है। प्रदेशाध्यक्ष नरेश ठाकुर ने कहा कि जब अन्य राज्य सेवारत शिक्षकों को विशेष अवसर दे सकते हैं तो हिमाचल के टैट प्रभावित शिक्षकों के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है। मोर्चा ने सरकार से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है।

ग्रुप कैप्टन प्रीति ने संभाला सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा के प्रधानाचार्य का पदभार

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सैनिक स्कूल सुजानपुर टिहरा में वीरवार को एक नए अध्याय की शुरुआत हुई, जब ग्रुप कैप्टन प्रीति चोपड़ा ने ग्रुप कैप्टन रचना जोशी से इस प्रतिष्ठित संस्थान के प्रधानाचार्य के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। ग्रुप कैप्टन प्रीति चोपड़ा को 21 जून, 2003 को भारतीय वायु सेना की शिक्षा शाखा में कमीशन प्रदान किया गया था। भारतीय वायु सेना में अपने सेवाकाल के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक अनुभव के साथ उन्होंने कई महत्वपूर्ण प्रशिक्षण एवं स्टाफ नियुक्तियों पर कार्य किया। उनके पदभार ग्रहण करने के साथ ही विद्यालय में नेतृत्व के एक नए चरण की शुरुआत हुई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि स्वरूप विद्यालय के वीर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सैनिक स्कूल सुजानपुर टिहरा के प्रधानाचार्य के रूप में एनडीए परिणामों में और सुधार, सीबीएसई बोर्ड के प्रदर्शन को सुदृढ़ करना तथा कैडेट्स के समग्र विकास को सुनिश्चित करना उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा। 1978 में स्थापित सैनिक स्कूल सुजानपुर टिहरा हिमाचल प्रदेश का एकमात्र सैनिक स्कूल है। विद्यालय को बड़ी संख्या में कैडेट्स को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए भेजने की गौरवपूर्ण उपलब्धि प्राप्त है। विद्यालय परिवार ने नवनियुक्त प्रधानाचार्य का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

घुमारवीं में भाजपा का राज्य स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह आज

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारत रत्न व महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 138वीं जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस पर भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ की ओर से राज्य स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह-2026 का आयोजन 5 सितंबर को घुमारवीं में किया जाएगा। भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक प्रोफेसर हेमराज राणा ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को इस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास और चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि राज्यसभा सांसद एवं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) सिकंदर कुमार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा हिमाचल प्रदेश के सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक पुरुषोत्तम गुलेरिया करेंगे। प्रो. हेमराज राणा के अनुसार उत्कृष्ट शिक्षकों के चयन के लिए प्रदेश स्तर पर चयन समिति गठित की गई थी। समिति ने निर्धारित मानकों के आधार पर उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन किया है। समारोह में चयनित शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा।

फोरलेन पर 9.11 ग्राम चिट्टे सहित तीन काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तून्नू ढलियार फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान एक वाहन की तलाशी लेकर 9.11 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद कर पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुनीष कुमार (30) निवासी बंदला, आशीष कल्याण (30) निवासी डियारा सेक्टर तथा आसिफ मोहम्मद (34) निवासी रोड़ा सेक्टर-2 के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ थाना सदर बिलासपुर में एफआईआर संख्या 218/2026 दर्ज की है। मामला एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है। पुलिस नशीले पदार्थ की सप्लाई के स्रोत का पता लगाने के साथ-साथ इसके संभावित बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की भी जांच कर रही है, ताकि पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंच बनाई जा सके। पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही है।

लंबित बिजली बिलों का नियत तिथि तक करें भुगतान

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड के बिजली उपमंडल संख्या-1 मंडी ने उपभोक्ताओं से लंबित बिजली बिलों का भुगतान निर्धारित तिथि तक करने की अपील की है। बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि करीब 597 बकायेदार उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नियत तिथि तक बिल का भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन बिना अतिरिक्त सूचना के नियमानुसार काट दिए जाएंगे। कनेक्शन दोबारा चालू करवाने के लिए 250 रुपए प्रति कनेक्शन पुनः संयोजन शुल्क के साथ अन्य बकाया राशि का भुगतान करना होगा। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बिल पंजीकृत मोबाइल नंबर और ई-मेल पर भेजे जाएंगे। मुद्रित बिल उपलब्ध नहीं करवाया जाएगा। उपभोक्ता बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप से बिल डाउनलोड कर ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। सहायक अधिशाषी अभियंता नरेश ठाकुर ने उपभोक्ताओं से मोबाइल नंबर व ई-मेल अपडेट रखने तथा मीटर ऐसी जगह लगाने का आग्रह किया, जहां रीडिंग और तकनीकी कार्य आसानी से हो सकें।

नदियों से जमा सामग्री हटाने के लिए नई ड्रेजिंग नीति लाएगी सरकार : सीएम सुक्खू

नदियों की ड्रेजिंग से हिमाचल को हो सकती है 2-3 हजार करोड़ की आय, माइनिंग के लिए अलग विभाग बनाने की तैयारी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान वीरवार को ब्यास नदी और प्रदेश की अन्य नदियों में ड्रेजिंग व माइनिंग का मुद्दा छाया रहा।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार माइनिंग के लिए अलग विभाग बनाने और नदियों से जमा सामग्री हटाने के लिए नई ड्रेजिंग नीति लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए दूसरे राज्यों की व्यवस्थाओं से भी इनपुट लिया जाएगा। बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी के सवाल के जवाब में हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल में पांच प्रमुख नदियां हैं। इनकी ड्रेजिंग और डिसिल्टिंग व्यवस्थित तरीके से की जाए तो राज्य को दो से तीन हजार करोड़ रुपये तक की आय हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में केंद्र सरकार के साथ भी नियमों में बदलाव को लेकर चर्चा की जा रही है। सुक्खू ने कहा कि वर्ष 2023 में आई आपदा के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नदी में जमा सामग्री हटाने के लिए ड्रेजिंग करने का सुझाव दिया था। इसके बाद उद्योग विभाग से ड्रेजिंग की अनुमति दी गई। सरकार के पास ड्रेजिंग के बाद सामग्री निकालने का अधिकार था, लेकिन माइनिंग की अनुमति नहीं मिली और अगली बरसात में काफी सामग्री बह गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके बाद केंद्र के साथ चर्चा में कुल्लू की तीन साइट चिह्नित की गईं। ड्रेजिंग की अनुमति मिलने के बाद ठेकेदार ने माइनिंग विभाग में एम-फॉर्म के लिए आवेदन किया था और उसे डब्ल्यू-फॉर्म मिले थे।

उन्होंने कहा कि हाल की एक बैठक में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ड्रेजिंग के दौरान रॉयल्टी नहीं लेने का सुझाव दिया, लेकिन राज्य सरकार का मानना है कि रॉयल्टी उसका अधिकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नदियों में ड्रेजिंग और माइनिंग की अलग-अलग व्यवस्था को व्यवस्थित करना चाहती है। बीबीएमबी और पौंग जैसे बांधों की डिसिल्टिंग के लिए लगाए गए कुछ टेंडर बाद में रद्द किए गए और वन निगम के माध्यम से प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

उन्होंने कहा कि नदियों में ड्रेजिंग का काम वन निगम के जरिए किया जा रहा है और इससे राज्य को 100 से 200 करोड़ रुपए तक की आय हो रही है। उन्होंने कहा कि माइनिंग से फिलहाल इतनी आय नहीं हो रही है।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने स्पष्ट किया कि ड्रेजिंग और माइनिंग अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। उन्होंने कहा कि ड्रेजिंग के लिए सरकार नई नीति बनाएगी। अदालत के फैसलों के तहत ड्रेजिंग से निकली सामग्री की नीलामी की जा सकती है, सीधे बिक्री नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या वन संरक्षण अधिनियम के तहत मंजूरी मिलने की है। चौहान ने बताया कि कुल्लू में 44 साइटों की नीलामी की गई थी, लेकिन वन मंजूरी नहीं मिलने के कारण डीएफओ ने कई जगह सामग्री उठाने की अनुमति नहीं दी। पूरे हिमाचल में करीब 324 साइट हैं, जिनमें अभी तक केवल पांच-छह जगहों पर वन मंजूरी मिल पाई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने इस समस्या के समाधान के लिए संयुक्त बैठक बुलाई है। उद्योग मंत्री ने बताया कि वर्ष 2018 में कुल्लू में ब्यास नदी के 19 स्थलों की नीलामी की गई थी। वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के कारण जरूरी मंजूरी नहीं मिलने से इनमें से 15 स्थल निरस्त कर दिए गए। चार स्थलों के सफल बोलीदाता अभी मंजूरी की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग कुल्लू में ब्यास नदी के तीन स्थलों पर ड्रेजिंग कर रहा है, जबकि बंजार क्षेत्र में ड्रेजिंग और माइनिंग के सात स्थल चिह्नित किए गए हैं।

ब्यास से निकाली गई सामग्री कहां गई : जयराम

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने ब्यास में रात के समय मशीनों से सामग्री निकाले जाने का आरोप लगाते हुए पूछा कि निकाली गई सामग्री कहां गई और सरकार को इससे कितना राजस्व मिला। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए इसमें घोटाले की आशंका जताई और पूरी जानकारी सदन में रखने की मांग की।

माइनिंग से राजस्व बढ़कर 356 करोड़ पहुंचा

सुंदरनगर के विधायक राकेश जम्वाल ने ड्रेजिंग से निकलने वाली सिल्ट के निपटारे का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सुकेत खड्ड में सिल्ट डलने से बल्ह घाटी में परेशानी पैदा होती है। इस पर उद्योग मंत्री ने कहा कि डैम साइटों पर लगातार सिल्ट जमा हो रही है और ड्रेजिंग से निकलने वाली पूरी सामग्री उपयोगी नहीं होती। उन्होंने कहा कि हाइड्रो कंपनियों को अपने स्तर पर सामग्री निकालने और उसके निपटारे की व्यवस्था करनी होगी। उद्योग मंत्री ने कहा कि हिमाचल में माइनिंग से रॉयल्टी की आय वर्ष 2024-25 में 356 करोड़ रुपए रही, जबकि पिछली सरकार के समय यह करीब 240 करोड़ रुपए थी। उन्होंने कहा कि नई माइनिंग नीति के बाद राजस्व में वृद्धि हुई है।

उत्कृष्ट कॉलेज में एसआईआर को लेकर जागरूकता सेमिनार

मतदाता सूची को शुद्ध एवं अपडेट करने के लिए बीएलओ कर रहे घर-घर सत्यापन

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। एसआईआर-2026 अभियान के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी-कम-डिप्टी कमिश्नर पठानकोट डॉ. पल्लवी के दिशा-निर्देशों तथा जिला स्वीप नोडल अधिकारी-कम-जिला भूमि रक्षा अधिकारी गुरप्रीत सिंह के नेतृत्व में उत्कृष्ट कॉलेज पठानकोट में जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. पूजा महाजन विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

सेमिनार के दौरान जिला स्वीप टीम के सदस्य हरसिमरनजीत सिंह, विवेक डोगरा व अमित डोगरा ने कॉलेज स्टाफ व विद्यार्थियों को एसआईआर-2026 के उद्देश्यों तथा मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने योग्य नागरिकों को अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने, मौजूदा विवरणों की जांच करने और किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उसमें संशोधन करवाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा पता बदलने सहित अन्य चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में भी जागरूक किया गया। स्वीप टीम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से एसआईआर-2026 अभियान के तहत मतदाता सूचियों को शुद्ध व अपडेट करने का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं के विवरणों की जांच एवं सत्यापन कर रहे हैं। बीएलओ द्वारा एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित करने, उन्हें प्राप्त करने तथा संबंधित जानकारी का सत्यापन करने की प्रक्रिया भी जारी है। टीम ने बताया कि पंजाब में एसआईआर-2026 के तहत वर्तमान में दावे-आपत्तियों, नोटिस और सत्यापन से संबंधित कार्रवाई चल रही है। जिन मतदाताओं के विवरण में किसी प्रकार की कमी, गलती या बदलाव है, वे संबंधित बीएलओ, निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (ईआरओ) अथवा सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (एईआरओ) से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई करवा सकते हैं। स्वीप टीम ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने परिवार के योग्य सदस्यों को भी मतदाता सूची में नाम और विवरण की जांच करवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि शुद्ध, पारदर्शी और अपडेट मतदाता सूची लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर जागरूकता पैंफलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में गीता, प्रगति, ममता, संयोगिता सहित कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा।

बिलासपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चरस-चिट्टा व चूरा पोस्त सहित दो तस्कर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस चौकी शहर बिलासपुर की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों और नकदी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाशी के दौरान 47.41 ग्राम चरस, 3.43 ग्राम चिट्टा (हेरोइन), 14.84 ग्राम चूरा पोस्त और करीब 62 हजार रुपए की नकदी बरामद की। पुलिस के अनुसार बरामद मादक पदार्थों और नकदी को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सदर बिलासपुर में मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमित किशोर (36) पुत्र कन्हैया लाल, निवासी डियारा सेक्टर, बिलासपुर, तथा कुशाल चंद उर्फ बोन्गों पुत्र कुलदीप चंद, निवासी बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपियों के पास मादक पदार्थों की यह खेप कहां से पहुंची थी और इसे आगे कहां सप्लाई किया जाना था। पुलिस संभावित नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'ब्रेकफ्री' अभियान में बिलासपुर प्रदेश में अव्वल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत इंटेंसिफाइड आईईसी कैंपेन-2026 के अंतर्गत चलाए जा रहे 'ब्रेकफ्री' अभियान में बिलासपुर जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी शशि दत्त शर्मा ने बताया कि जिले के 34 रेड रिबन क्लबों के माध्यम से युवाओं को एचआईवी संक्रमण के जोखिम के प्रति जागरूक किया जा रहा है। 30 अगस्त तक बिलासपुर में 3,550 सेल्फ रिस्क असेसमेंट किए जा चुके हैं, जो प्रदेश में सर्वाधिक हैं। मंडी 2,057 आकलनों के साथ दूसरे स्थान पर है। प्रदेश में कुल 10,917 सेल्फ रिस्क असेसमेंट दर्ज किए गए हैं। बिलासपुर में प्रतिदिन औसतन 187 आकलन किए जा रहे हैं। अभियान के तहत युवा क्यूआर कोड स्कैन कर ऑनलाइन प्रश्नावली के माध्यम से अपने एचआईवी जोखिम का आकलन कर सकते हैं। शिक्षण संस्थानों में वाद-विवाद, नारा लेखन और रैलियों के माध्यम से जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

डीएवी चलवाड़ा के विद्यार्थियों ने भरमाड़ अनाथालय में बांटी खुशियां

भारतेन्दु संवाददाता, ज्वाली। डीएवी पब्लिक स्कूल चलवाड़ा, हिमाचल प्रदेश के आर्य युवा समाज के विद्यार्थियों ने समाज सेवा की भावना को साकार करते हुए एंजेल डिसेबिलिटी एवं ऑफनेज होम, भरमाड़ का दौरा किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के स्टाफ सदस्य सुरिंदर, सुनील और सरिता भी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने अनाथ व दिव्यांग बच्चों के बीच लेखन सामग्री, बिस्कुट और चॉकलेट वितरित कीं। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताकर उनसे आत्मीय संवाद किया और उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। विद्यार्थियों के इस प्रयास से अनाथालय के बच्चों में भी खुशी का माहौल देखने को मिला। इस सेवा गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में करुणा, सहानुभूति, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करना था। विद्यार्थियों ने इस दौरान जरूरतमंद बच्चों की सहायता करने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अनुभव प्राप्त किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेश कटोच ने विद्यार्थियों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार की समाजसेवी और जनकल्याणकारी गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें संवेदनशील तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

बिलासपुर की वॉलीबाल प्रतिभाओं के लिए धर्मशाला में चयन परीक्षण 7 से 9 सितंबर तक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले की वॉलीबाल प्रतिभाओं के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, धर्मशाला में लड़कियों के लिए आवासीय चयन परीक्षण 7 से 9 सितंबर 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। इच्छुक पात्र खिलाड़ी 7 सितंबर को सुबह 9 बजे खेल परिसर, क्रिकेट स्टेडियम के निकट, धर्मशाला में रिपोर्टिंग और पंजीकरण करवा सकती हैं। चयन के लिए जन्मतिथि और न्यूनतम ऊंचाई के मानदंड निर्धारित किए गए हैं। खिलाड़ियों को जन्मतिथि प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, खेल उपलब्धि प्रमाणपत्र, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और चार पासपोर्ट साइज फोटो सहित आवश्यक दस्तावेज लाने होंगे। चयनित खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों, खेल किट, प्रतियोगिता अवसर, निःशुल्क आवास-भोजन और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अधिक जानकारी के लिए 01892-224807 पर संपर्क किया जा सकता है।

खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में छाए तृप्ता पब्लिक स्कूल चलवाड़ा के विद्यार्थी

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मैरा, ज्वाली में आयोजित खंड स्तरीय अंडर-14 खेलकूद प्रतियोगिता में तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में खंड के 22 विद्यालयों के 349 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। तृप्ता पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया। बैडमिंटन के फाइनल मुकाबले में तृप्ता पब्लिक स्कूल ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मतलाहड़ को हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। लड़कियों की कबड्डी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरमाड़ के खिलाफ फाइनल मुकाबले में तृप्ता पब्लिक स्कूल की टीम विजेता रही। लड़कों की कबड्डी में राजकीय हाई स्कूल नाणा के साथ हुए फाइनल मुकाबले में तृप्ता पब्लिक स्कूल की टीम उपविजेता रही। वहीं, लड़कों की वॉलीबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरमाड़ को हराकर तृप्ता पब्लिक स्कूल ने विजेता का खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के 17 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल है। विद्यालय के चेयरमैन वरिंद्र नरियाल और प्रधानाचार्य राकेश राणा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। प्रधानाचार्य ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की सफलता का श्रेय उनके निरंतर अभ्यास, मेहनत तथा शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के मार्गदर्शन को दिया। विद्यालय प्रबंधन और समस्त विद्यालय परिवार ने चयनित खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुटलैहड़ के विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं अनुराग ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश : कंवर

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र कंवर ने कहा कि दिशा की बैठक में कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों और जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने अधिकांश मामलों पर अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वीरेंद्र कंवर ने वीरवार को एक बयान में कहा कि कुटलैहड़ की कई मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सांसद अनुराग ठाकुर ने पहले भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, लेकिन कुछ विकास कार्य अभी अधूरे पड़े हैं। इन्हें जल्द पूरा करवाने के लिए दिशा की बैठक में विशेष रूप से मामला उठाया गया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय विद्यालय के भवन निर्माण के लिए करीब 56 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई थी, लेकिन निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इस पर सांसद अनुराग ठाकुर ने अधिकारियों को 31 अक्तूबर 2026 तक कार्य पूरा करने की समयसीमा निर्धारित करते हुए आवश्यक निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार बंगाणा कॉलेज में इंडोर स्टेडियम के निर्माण के लिए करीब साढ़े 6 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे, लेकिन विभागीय स्तर पर लापरवाही के कारण यह कार्य भी अभी तक पूरा नहीं हो पाया है।

कंवर ने कहा कि बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया, जिस पर सांसद ने अधिकारियों को तीन माह के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। वीरेंद्र कंवर ने कहा कि अजनोली-कोटला क्षेत्र में रेलवे लाइन के विस्तार के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में आ रही समस्याओं को देखते हुए वहां अंडरपास अथवा फ्लाईओवर बनाने की मांग भी सांसद के समक्ष रखी गई। सांसद अनुराग ठाकुर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को अंडरपास/फ्लाईओवर के लिए एस्टिमेट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि तयूड़ी अंडरपास की खराब सड़क का मुद्दा भी बैठक में उठाया गया, जिस पर सांसद ने सड़क को दुरुस्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

सुविधा : 5.45 करोड़ से किया जा रहा है आधुनिक बस स्टैंड का निर्माण

सुजानपुर में आधुनिक बस स्टैंड का निर्माण तेज

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के ऐतिहासिक कस्बे सुजानपुर में लगभग 50 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद आधुनिक बस स्टैंड का निर्माण संभव हो पा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देशों के अनुसार आजकल इस नए बस स्टैंड का कार्य काफी तेजी से चल रहा है।

हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े मैदान, ऐतिहासिक किलों व मंदिरों और सैनिक स्कूल के कारण देश भर में प्रसिद्ध सुजानपुर कस्बे में कई दशकों से बस स्टैंड की जरूरत महसूस की जा रही थी, क्योंकि यहां से सिर्फ जिला हमीरपुर ही नहीं, बल्कि जिला कांगड़ा के जयसिंहपुर, धीरा, नगरोटा, पालमपुर, बैजनाथ और मंडी जिले के जोगिंद्रनगर एवं धर्मपुर उपमंडल के कई इलाकों के लिए भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में अंतर्राज्यीय एवं लोकल बसों की आवाजाही होती है। इसके बावजूद यहां बस स्टैंड के निर्माण स्थल को लेकर सहमति नहीं बन पाई और इस महत्वपूर्ण कस्बे में कई दशकों से अस्थायी बस स्टैंड से ही बसों की आवाजाही संचालित होती रही। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जब प्रदेश की कमान संभाली तो उन्होंने अधिकारियों को सुजानपुर में बस स्टैंड के निर्माण की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार स्थानीय विधायक कैप्टन रणजीत सिंह द्वारा स्थानीय निवासियों एवं व्यापारियों के साथ व्यापक चर्चा के बाद सुजानपुर में डोली नामक स्थान पर बस स्टैंड के निर्माण का निर्णय लिया गया। इसके निर्माण पर सहमति बनने के बाद मुख्यमंत्री ने 12 मार्च 2025 को सुजानपुर के राष्ट्र स्तरीय होली उत्सव के शुभारंभ के दिन ही इस बस स्टैंड का शिलान्यास भी कर दिया। आजकल इस बहुप्रतिक्षित बस स्टैंड का निर्माण कार्य तेजी से जारी है, जिस पर लगभग 5.45 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। अब वह दिन दूर नहीं, जब सुजानपुर में एक सुंदर अंतर्राज्यीय बस स्टैंड बनकर तैयार हो जाएगा। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी सोच के कारण ही यह संभव हो पाया है।

स्वारघाट में एचआरटीसी बस से दो किलो चरस बरामद हरियाणा का युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। थाना स्वारघाट पुलिस और विशेष अन्वेषण दल (एसडीटी) बिलासपुर ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एचआरटीसी बस में सवार एक युवक से करीब दो किलोग्राम चरस बरामद की है। पुलिस ने आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने समलेटू फोरलेन पर नाकाबंदी कर रखी थी। इस दौरान एक एचआरटीसी बस को जांच के लिए रोका गया। बस में सवार यात्रियों की तलाशी के दौरान एक युवक के कब्जे से करीब दो किलोग्राम चरस (कैनाबीस) बरामद हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान प्रवीण कुमार (22) पुत्र रोहतास, निवासी गांव व डाकघर नूरणखेरा, तहसील गोहाना, जिला सोनीपत, हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना स्वारघाट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चरस की खेप आरोपी के पास कहां से पहुंची थी और इसे आगे कहां सप्लाई किया जाना था। मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

मैरा में अंडर-14 खेलकूद प्रतियोगिता का समापन, टीपीएस का रहा दबदबा

भारतेन्दु संवाददाता, ज्वाली। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मैरा में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-14 लड़के-लड़कियों की खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन समारोह में सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षक जोगिंद्र राणा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। प्रतियोगिता में 22 स्कूलों के 349 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रधानाचार्य अश्वनी शर्मा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हार-जीत खेल के दो पहलू हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से भविष्य में और अधिक मेहनत करने का आह्वान किया। कबड्डी लड़कों के वर्ग में नाणा स्कूल विजेता और टीपीएस चलवाड़ा उपविजेता रहा, जबकि लड़कियों के वर्ग में टीपीएस विजेता और भरमाड़ स्कूल उपविजेता रहा। खो-खो लड़कों में ज्वाली विजेता और भरमाड़ उपविजेता रहा। लड़कियों के वर्ग में पलोहड़ा विजेता तथा भरमाड़ उपविजेता रहा। वॉलीबाल लड़कों में टीपीएस ने पहला स्थान हासिल किया और भरमाड़ उपविजेता रहा। लड़कियों में सिद्धपुर गाड़ विजेता तथा मैरा उपविजेता रहा। बैडमिंटन लड़कों में टीपीएस विजेता और मतलाहड़ उपविजेता रहा, जबकि लड़कियों में ज्वाली विजेता और गुगलाड़ा उपविजेता रहा। शतरंज में मतलाहड़ विजेता तथा ज्वाली उपविजेता रहा। मुख्यातिथि ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफियां देकर सम्मानित किया। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। इस अवसर पर एसएमसी प्रधान बबली देवी, पूर्व एक्सईएन गुरबख्श धीमान, पूर्व प्रधान प्रेम सिंह सहित विभिन्न स्कूलों के पीटीआई मौजूद रहे।

गोल्फ की सबसे मशहूर हस्ती

पेज स्पिरानैक शायद आज गोल्फ की सबसे मशहूर हस्ती हैं, न सिर्फ अपने शानदार पेशेवर करियर की वजह से, बल्कि ऑनलाइन उनकी जबरदस्त मौजूदगी के कारण भी। पूर्व कॉलेज और कुछ समय के लिए पेशेवर खिलाड़ी रहीं पेज सोशल मीडिया स्टार बन गईं, जहां उन्होंने गोल्फ कंटेंट को फिटनेस, ग्लैमर और बेबाक विचारों के साथ पेश किया।

न्यूज ब्रीफ

खेल मंत्रालय ने एशियाई खेलों के लिए 246 टीम अधिकारियों को दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में 36 खेलों में हिस्सा लेने वाले 503 एथलीटों के लिए 246 टीम अधिकारियों या सपोर्ट स्टाफ को मंजूरी दी है। एशियाई खेलों का आयोजन इस महीने होना है। खेल मंत्रालय की मंजूर की गई सूची में एथलेटिक्स दल को सबसे ज्यादा 31 लोगों का सहयोगी स्टाफ मिला है जबकि क्रिकेट टीम के साथ 20 अधिकारी होंगे। मंत्रालय ने शुरू में खेलों के लिए 492 एथलीटों को मंजूरी दी थी, लेकिन उम्मीद के मुताबिक मुख्य रूप से एथलेटिक्स दल में कुछ और नाम जोड़े गए हैं। अब भारत के कुल दल की संख्या 768 हो गई है, जिसमें चीफ द मिशन सहदेव यादव और चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. दिनशॉ पारदीवाला जैसे 19 स्टाफ सदस्य भी शामिल हैं। 79 सदस्यों वाले एथलेटिक्स दल में चोटिल भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा शामिल नहीं होंगे। एथलेटिक्स के लिए सबसे ज्यादा 31 सदस्यों का सपोर्ट स्टाफ है। इसमें नेशनल कोच पी. राधाकृष्णन की अगुआई में 20 कोच शामिल हैं।

एएफसी महिला चैंपियंस लीग में ईस्ट बंगाल एफसी ग्रुप बी में

एजेंसी, नई दिल्ली। ईस्ट बंगाल एफसी को एएफसी महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए ह्वाचियोन केएसपीओ डब्ल्यूएफसी (दक्षिण कोरिया), हो ची मिन्ह सिटी डब्ल्यूएफसी (वियतनाम) और 4.25 एससी (उत्तर कोरिया) के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। ड्रॉ गुरुवार को कुआलालंपुर में डाले गए। कोलकाता एक से सात नवंबर, 2026 तक ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। यह पहला अवसर होगा जबकि भारत में एएफसी महिला चैंपियंस लीग के मैच खेले जाएंगे। ईस्ट बंगाल ने मलेशिया के कोटा किनाबालू में टूर्नामेंट के प्रारंभिक चरण के ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद लगातार दूसरे वर्ष मुख्य चरण में अपनी जगह पक्की की थी। उसने सबा एफए (मलेशिया), रोवर्स एफसी (गुआम) और राजशाही स्टार्स एफसी (बांग्लादेश) को पीछे छोड़ा था। एएफसी महिला चैंपियंस लीग में 12 टीम को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इसमें से तीन ग्रुप विजेता, तीन उपविजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी।

यूपी में टाटा पावर का बड़ा बिजली विस्तार

एजेंसी, लखनऊ। टाटा पावर ने उत्तर प्रदेश में जलपुरा-खुर्जा ट्रांसमिशन परियोजना का दूसरा चरण सफलतापूर्वक शुरू कर दिया है। इस परियोजना से एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। परियोजना के तहत खुर्जा से जलपुरा तक 162 सर्किट किलोमीटर लंबी 400 किलोवोल्ट डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन स्थापित की गई है। जलपुरा में 400/220 किलोवोल्ट क्षमता का अत्याधुनिक गैस इंसुलेटेड सब स्टेशन भी तैयार किया गया है। इसकी परिवर्तन क्षमता 1000 एमवीए है। यह सब स्टेशन उच्च वोल्टेज ग्रिड से बिजली लेकर 220 किलोवोल्ट नेटवर्क तक पहुंचाएगा।

मंडियों में गेहूं के भाव 150 रुपए चढ़े

एजेंसी, मुंबई। भारत सरकार द्वारा गेहूं और इससे बने उत्पादों के निर्यात पर करीब चार साल से लगी रोक हटाने के बाद घरेलू मंडियों में कीमतों में तेजी देखी जा रही है। गेहूं के भाव में लगभग 150 रुपये प्रति क्विंटल तक की बढ़ोतरी हुई है। वैश्विक बाजार में भी कीमतें ऊंची होने से दबाव बढ़ा है। आगामी रबी फसल पर अल नीनो के संभावित प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। हालांकि सरकारी भंडार पर्याप्त होने के कारण फिलहाल देश में गेहूं की आपूर्ति सामान्य रहने की उम्मीद है।

यूएस ओपन : डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका की लगातार 16वीं जीत

रूस की पोलिना यात्वेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में पहुंचीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

अमेरिका के न्यूयॉर्क के फ्लशिंग मीडोज में खेले जा रहे यूएस ओपन-2026 में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्वेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली। सबालेंका ने यह मुकाबला सिर्फ 53 मिनट में जीता। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलीं। उन्होंने पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में यात्वेंको ने एक गेम जीता,

लेकिन इसके बाद सबालेंका ने लगातार तीन गेम जीतकर मैच खत्म कर दिया। सबालेंका की यूएस ओपन में यह लगातार 16वीं जीत है। वह फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। तीसरे दौर में उनका सामना उज्बेकिस्तान की कामिला रखिमोवा से होगा।

मेदवेदेव और शेल्टन भी तीसरे दौर में

वहीं, मेंस सिंगल्स में डेनियल मेदवेदेव और बेन शेल्टन ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई। अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर 2 घंटे 39 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। पुरुष सिंगल्स में मेदवेदेव ने अमेरिका के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी सेबेस्टियन गोर्जनी को 6-1, 6-3, 7-5 से हराया। मैच के दौरान लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में नेट पर दो छोटी चिड़ियां आ बैठीं। इस वजह से एक पॉइंट दोबारा खेलना पड़ा और मेदवेदेव इस फैसले से नाराज भी दिखे।

पेगुला ने केनिन को 56 मिनट में हराया

महिला सिंगल्स में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन सोफिया केनिन को 6-3, 6-1 से हराया। पेगुला ने यह मुकाबला 56 मिनट में जीता। 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन केनिन को पूरे मैच में वापसी का ज्यादा मौका नहीं मिला। पेगुला अगले दौर में कनाडा की लेयला फर्नांडीज से खेलेंगी। फर्नांडीज ने थाईलैंड की मननचाया सावांगकाएव को 6-4, 6-1 से हराया।

आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे धोनी

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलना चाहते हैं, जिससे 2027 में होने वाले टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता में एक और नया मोड़ आ गया है। सीएसके के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने यह खुलासा किया। यह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज इम्पैक्ट प्लेयर नियम से अपना कार्यभार कम करके आईपीएल में अपना करियर आगे बढ़ा सकते थे लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगर वह खेलना जारी रखते हैं तो वह पूर्णकालिक विकेटकीपर बने रहना चाहते हैं।

आईपीएल-2027 में भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बरकरार

बद्रीनाथ का मानना है कि 45 वर्षीय धोनी के लिए उनके करियर के इस चरण में इम्पैक्ट प्लेयर की भूमिका उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए 20 ओवर तक विकेटकीपिंग करना आसान नहीं होगा। बद्रीनाथ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'उन्होंने मुझे बताया कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे। वह खुद को पूर्णकालिक विकेटकीपर मानते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक मैदान पर रहना होगा। इसलिए वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते हैं तो इससे सीएसके को रणनीतिक फायदा होगा।'

उन्होंने कहा, 'उनके लिए लंबे समय तक खेलना मुश्किल होगा जैसा कि (सीएसके के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन) फ्लेमिंग ने भी कहा है। वे 16वें ओवर के बाद ही बल्लेबाजी करेंगे और विकेटकीपिंग करेंगे। जब उनकी भागीदारी इतनी कम है तो इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलना उनके लिए आदर्श स्थिति होगी।'

किदांबी श्रीकांत ने विश्व के नौवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर को हराया

एजेंसी, शेनझेन

भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने विश्व के नौवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई को हराकर चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। श्रीकांत ने कनाडा के खिलाड़ी को सीधे गेम में 21-18, 21-19 से हराया। श्रीकांत इस साल यूएस ओपन सुपर 300 फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए लाई को मात दी जिन्होंने पिछले महीने नई दिल्ली में अपना दूसरा विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक जीता था। पूर्व नंबर एक और 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत का सामना अब हांगकांग के ली च्यूक यू से होगा।

चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

श्रीकांत ने लाई के खिलाफ अपने जुझारूपन का शानदार प्रदर्शन किया। वह पहले गेम के शुरू में 3-7 से पीछे हो गए, लेकिन लाई की गलतियों का फायदा उठाकर उन्होंने 8-8 से बराबरी कर ली। कनाडा के खिलाड़ी ने हालांकि इंटरवल तक दो अंक की बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने इसके बाद स्कोर 15-11 कर दिया। श्रीकांत ने हालांकि जोरदार वापसी की और स्कोर 15-15 कर दिया। एक और क्रॉस-कोर्ट स्मैश से भारतीय खिलाड़ी ने 18-16 की बढ़त हासिल कर दी। इसके बाद उन्हें तीन गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने दूसरे गेम प्वाइंट पर यह गेम अपने नाम कर दिया।

श्रीकांत ने दूसरे गेम के शुरू में गलतियां की जिससे वह 5-9 से पीछे हो गए। जब वह 9-14 से पीछे थे तब उन्होंने दो जोरदार शॉट्स और लाई की गलतियों से स्कोर 13-14 कर दिया। इसके बाद एक समय स्कोर 18-18 पर बराबरी पर था। इसके बाद लाई का शॉट बाहर चला गया और श्रीकांत ने एक जोरदार शॉट मारकर मैच प्वाइंट हासिल कर लिया तथा जल्द ही मैच अपने नाम कर दिया।

श्रीलंका की कप्तान ने 5 रन देकर लिए 7 विकेट

चमारी अटापट्टू ने हैट्रिक भी बनाई, एशिया कप में ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी

एजेंसी, दुबई

दुबई में खेले जा रहे विमेंस एशिया कप में बुधवार को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने इतिहास रच दिया। उन्होंने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप बी के मुकाबले में सिर्फ 5 रन देकर 7 विकेट लिए। अटापट्टू एशिया कप के किसी भी मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गईं। इसमें विमेंस और मेंस, दोनों कैटेगरी के मुकाबले शामिल हैं।

चमारी अटापट्टू ने 3.3 ओवर की गेंदबाजी में इंडोनेशिया की बल्लेबाजी को ढेर कर दिया। उन्होंने 19वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर हैट्रिक भी बनाई। उनकी गेंदबाजी के चलते इंडोनेशिया की पूरी टीम 18.3 ओवर में 49 रन पर सिमट गई। श्रीलंका कीटीम ने यह मुकाबला 75 रन से जीत लिया।

मेंडिस का रिकॉर्ड भी तोड़ा

अटापट्टू का यह प्रदर्शन सिर्फ एशिया कप तक सीमित नहीं रहा। यह टी-20 इंटरनेशनल में किसी श्रीलंकाई गेंदबाज (मेंस या विमेंस) का बेस्ट बॉलिंग फिगर भी है। अटापट्टू ने अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड तोड़ा। मेंडिस ने सितंबर 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अटापट्टू टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के किसी मैच में 6 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज भी हैं। इससे पहले टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के विमेंस एडिशन में पाकिस्तान की तीन और थाईलैंड की एक गेंदबाज 5-5 विकेट ले चुकी थीं। मेंस टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप में भुवनेश्वर कुमार 5 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं।

7 विकेट लेने वालीं दूसरी कप्तान

अटापट्टू किसी टी-20 इंटरनेशनल मैच में 7 विकेट लेने वाली दुनिया की सिर्फ दूसरी कप्तान बनी हैं। उनसे पहले अर्जेंटीना की एलिसन स्टॉक्स ने यह कारनामा किया था। स्टॉक्स ने 14 अक्टूबर 2022 को पेरू के खिलाफ 3.4 ओवर में 3 रन देकर 7 विकेट हासिल किए थे।

जावेरिया खान का रिकॉर्ड टूटा

इससे पहले एशिया कप मैच में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड पाकिस्तान की जावेरिया खान के नाम था। उन्होंने विमेंस एशिया कप 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अब चमारी अटापट्टू के नाम एशिया कप के एक मैच में 7 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

सोना 1.53 लाख और चांदी 2.38 लाख के पार

एजेंसी, मुंबई

गुरुवार को भारतीय सर्राफा और वायदा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। पिछले कुछ दिनों से जारी नरमी के बाद मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के भाव में करीब 0.88 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 1,53,749 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत 1.08 प्रतिशत बढ़कर 2,38,829 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इससे निवेशकों और कारोबारियों में बाजार को लेकर हलचल बढ़ गई।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

प्रमुख महानगरों के खुदरा सर्राफा बाजारों में भी कीमतों में बदलाव देखने को मिला। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। मुंबई, चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु में 24 कैरेट सोना करीब 1,52,010 रुपये और 22 कैरेट सोना लगभग 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता रहा।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से वैश्विक स्तर पर महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका फायदा सोने और चांदी को मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में बढ़त दर्ज हुई है।

सेंसेक्स 417 अंक गिरा और निफ्टी 23,900 के नीचे बंद

एजेंसी, मुंबई। 3 सितंबर को भारतीय शेयर बाजार में शुरुआती तेजी के बाद अचानक बिकवाली हावी हो गई और दोनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 417.49 अंक यानी 0.55 प्रतिशत गिरकर 76,152.86 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 41 अंक यानी 0.17 प्रतिशत टूटकर 23,873.45 पर आ गया। दिनभर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सुबह मजबूत शुरुआत के बाद ऊंचे स्तरों पर निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी, जिससे बाजार की बढ़त कमजोर पड़ गई। बाजार में गिरावट के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण रहे। पहला, ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली ने बाजार पर दबाव बनाया। दूसरा, आईटी शेयरों में बिकवाली देखने को मिली। टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस और टीसीएस के शेयर कमजोर रहे। टाइटन के शेयर में भी करीब दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई।

अमेजन अब छोटे शहरों में बढ़ाएगा 'क्विक कॉमर्स' सेवा का विस्तार

300 से अधिक शहरों में पहुंचेगी अमेजन की तेज डिलीवरी सेवा

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेजन अपनी त्वरित वाणिज्य सेवा अमेजन नाउ का विस्तार देश के छोटे और मझोले शहरों तक तेजी से करने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य इस सेवा को 300 से अधिक शहरों तक पहुंचाना है। खास बात यह है कि इसके लिए हर शहर में नए डार्क स्टोर बनाने के बजाय पहले से मौजूद मोर रिटेल स्टोरों का इस्तेमाल किया जाएगा। इन स्टोरों को ऑनलाइन ऑर्डर पूरा करने वाले केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा।

वर्तमान में अमेजन नाउ की सेवा करीब 35 शहरों में संचालित हो रही है और इनमें इसके 75 से 80 प्रतिशत पूर्ति केंद्र मोर रिटेल के मौजूदा स्टोर हैं। कंपनी के अनुसार छोटे शहरों में ग्राहक इन स्टोरों से सीधे खरीदारी करने के साथ ऑनलाइन सामान भी मंगा सकेंगे। क्विक कॉमर्स क्षेत्र में छोटे शहरों को लेकर कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। हालांकि कम ऑर्डर, छोटी खरीदारी और अधिक वितरण लागत जैसी चुनौतियां भी मौजूद हैं। इसके बावजूद अमेजन नाउ के ऑर्डर में पिछले कुछ महीनों के दौरान हर महीने 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मौजूदा दुकानों को डिलीवरी केंद्र बनाएगा अमेजन

कंपनी के पास फिलहाल 600 से अधिक सूक्ष्म पूर्ति केंद्र हैं और वह प्रतिदिन करीब दो नए केंद्र जोड़ रही है। अमेजन ने आने वाली तिमाहियों में 300 से अधिक शहरों तक पहुंचने की उम्मीद जताई है। कंपनी एक हजार से अधिक सूक्ष्म पूर्ति केंद्र और 100 से अधिक बड़े शहरी पूर्ति केंद्र विकसित करने की योजना पर भी काम कर रही है।

शेवरॉन के निवेश से वेनेजुएला में तेल उत्पादन दोगुना करने की तैयारी

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच हुए महत्वपूर्ण समझौते के बाद अमेरिकी ऊर्जा कंपनी शेवरॉन ने वेनेजुएला में अपने तेल कारोबार का बड़े स्तर पर विस्तार करने की योजना बनाई है। कंपनी अगले पांच वर्षों में करीब सात अरब डॉलर का निवेश करेगी। इस निवेश के जरिए वेनेजुएला के ओरिनोको बेल्ट क्षेत्र में तेल उत्पादन को मौजूदा स्तर से बढ़ाकर करीब छह लाख बैरल प्रतिदिन करने का लक्ष्य रखा गया है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब वेनेजुएला अपने विशाल तेल भंडार का बेहतर उपयोग कर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित कच्चे तेल का भंडार है। इसके बावजूद लंबे समय से आर्थिक संकट, प्रतिबंधों और कमजोर औद्योगिक ढांचे के कारण देश की तेल उत्पादन क्षमता प्रभावित रही है। नए समझौते से ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ने और तेल उत्पादन को फिर से गति मिलने की उम्मीद है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट की मौजूदगी में कराकास में हुए विशेष कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े नए समझौतों को आगे बढ़ाया गया। इससे अमेरिका और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा सहयोग के नए दौर की शुरुआत के संकेत मिले हैं।

शेवरॉन के बड़े निवेश से केवल तेल उत्पादन बढ़ाने की उम्मीद नहीं है, बल्कि इससे वेनेजुएला में रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। तेल उद्योग से जुड़े बुनियादी ढांचे, परिवहन, तकनीकी सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में भी आर्थिक गतिविधियां बढ़ सकती हैं। इससे वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त राजस्व मिलने की संभावना है। हालांकि इस समझौते के सामने कई चुनौतियां भी हैं। वेनेजुएला का तेल उद्योग लंबे समय से खराब बुनियादी ढांचे की समस्या से जूझ रहा है।

नवाचार

मुक्त व्यापार समझौतों से भारतीय वाहनों को मिलेगा वैश्विक विस्तार का अवसर

मेक इन इंडिया से बढ़ी वाहन उद्योग की ताकत: मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि हाल में विभिन्न देशों के साथ हुई मुक्त व्यापार संधियों से भारतीय वाहन उद्योग की वैश्विक पहुंच और मजबूत होगी। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के 66वें वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ा। प्रधानमंत्री ने भारतीय वाहन उद्योग से नवाचार, उत्कृष्टता और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में ठोस कदम बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कारोबार को आसान बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त करने और अनावश्यक नियमों को हटाने से उद्योग जगत को नई ऊर्जा मिली है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना और मेक इन इंडिया जैसी पहलों ने देश की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुक्त व्यापार संधियों के माध्यम से भारतीय वाहन निर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे।

भारतीय वाहन उद्योग पहले ही दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है और अब वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति को और मजबूत करने की क्षमता रखता है। उन्होंने स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन की दिशा में भारत की प्रगति का भी उल्लेख किया। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार होने से लोगों के बीच इन वाहनों की स्वीकार्यता बढ़ रही है।

वैश्विक बाजार में मजबूत होंगे वाहन

इलेक्ट्रिक वाहनों के विस्तार से खुलेंगे नवाचार के नए अवसर: प्रधानमंत्री मोदी

इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल से वाहन क्षेत्र में नए तकनीकी और व्यावसायिक अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जब अगली पीढ़ी के परिवहन की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब सियाम इस बदलाव को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने वाहन उद्योग से नई तकनीकों को अपनाने, उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए खुद को तैयार करने की अपील की। भारतीय वाहन उद्योग के लिए यह समय केवल घरेलू बाजार में विस्तार का नहीं, बल्कि दुनिया के प्रमुख बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बनाने का भी है। मुक्त व्यापार समझौतों, विनिर्माण क्षेत्र को दिए जा रहे प्रोत्साहन और इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते बाजार से उद्योग को नई संभावनाएं मिल रही हैं। ऐसे में कंपनियों को अनुसंधान, विकास, तकनीकी नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर विशेष ध्यान देना होगा।

इससे भारत को वाहन निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिल सकती है। साथ ही स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन को बढ़ावा मिलने से पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी। सरकार और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय से भारतीय वाहन क्षेत्र रोजगार, निवेश, निर्यात और तकनीकी विकास के नए अवसर पैदा कर सकता है।